सुप्रभात
रांची, बुधवार
16.04.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

khabarmantralive.com
रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | वैशाख, कृष्ण पक्ष, तृतीया, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 271 | 12

लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे : योगी

पार्टी अधिवेशन में गुरुजी ने झामुमो की कमान हेमंत सोरेन को सौंपी

अब पार्टी का विस्तार ही लक्ष्य : हेमंत

शिबू संस्थापक संरक्षक हेमंत बने केंद्रीय अध्यक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। लंबे समय तक झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष रहे दिग्गज नेता शिबू सोरेन ने पार्टी के 13वें महाधिवेशन में मंगलवार को हेमंत सोरेन को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की। इसकी घोषणा होते ही मंच पर नेताओं ने माला पहनाकर नये केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन को बधाई दी। इसके पूर्व पार्टी के वरिष्ठ नेता नलिन सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक संरक्षक बनाने का प्रस्ताव रखा। मथुरा महतो ने समर्थन किया, जिसके बाद सर्वसम्मति से इसे पारित किया गया। गुरुजी के संस्थापक संरक्षक बनते ही अधिवेशन स्थल जय झारखंड के नारों से गूंज उठा। इसके बाद शिबू सोरेन ने अपने संक्षिप्त भाषण में हेमंत सोरेन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की घोषणा की। पार्टी ने शिबू सोरेन के खराब स्वास्थ्य को देखते हुए हेमंत सोरेन को सर्वसम्मति से इस पद की जिम्मेदारी सौंपी। अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने झामुमो के राष्ट्रीय विस्तार की बात कही है। हेमंत ने कहा, उनका लक्ष्य पार्टी को झारखंड के बाहर, खासकर आदिवासी बहुल राज्यों जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में मजबूत करना है। यह बदलाव झामुमो की विरासत को और मजबूत करेगा।

15 को आया नया मोड़ : 1972 में शिबू सोरेन के नेतृत्व बनी झामुमो के इतिहास में 15 अप्रैल 2025 को एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। पार्टी के 13वें महाधिवेशन में झारखंड के मुख्यमंत्री सह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन को सर्वसम्मति से पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष चुना गया। इससे पहले महाधिवेशन में केन्द्रीय समिति सदस्यों की जिलावार घोषणा की गयी। केंद्रीय समिति में कुल 284 सदस्य हैं। केन्द्रीय समिति सदस्य में पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद भी शामिल हैं। इसकी घोषणा पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडे ने की।

सीएम हेमंत के नेतृत्व में मिली है शानदार सफलता

हेमंत सोरेन को वर्ष 2015 के जमशेदपुर महाधिवेशन में कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली थी। इनके नेतृत्व में पार्टी ने दो-दो विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। हेमंत सोरेन ने करीब 10 वर्षों तक पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष की जवाबदेही निभायी। पूर्व सीएम और शिबू सोरेन ने 38 साल बाद केंद्रीय अध्यक्ष पद छोड़ दिया। हेमंत के नेतृत्व में झामुमो ने 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया। 2024 के चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने 81 में से 56 सीटें हासिल कीं, जो पार्टी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

284 सदस्यीय केंद्रीय समिति गठित

महाधिवेशन में केंद्रीय समिति के सदस्यों की घोषणा विनोद पांडे ने की। केंद्रीय समिति में कुल 284 सदस्य होंगे। इनमें साहिबगंज जिला से हेमंत सोरेन, पंकज मिश्रा सहित 13 सदस्यों को रखा गया है। इसी तरह दुमका से शिबू सोरेन, नलिन सोरेन, बसंत सोरेन, आलोक कुमार सोरेन, अब्दुल सलाम अंसारी, लुईस मरांडी सहित 13 सदस्यों को रखा गया है। रांची में सुनील श्रीवास्तव, मधु मंसूरी, मनोज पांडे, अभिषेक कुमार पिंटू, महुआ माजी सहित 14 नेताओं को केंद्रीय समिति का सदस्य बनाया गया है।

बधाई देने में बसंत सोरेन सबसे आगे

केंद्रीय अध्यक्ष बनाये जाने पर तमाम नेताओं ने हेमंत सोरेन का फूल-माला से स्वागत किया। बधाई देने वालों में सबसे आगे भाई बसंत सोरेन थे। फिर कल्पना सोरेन, नलिन सोरेन, मथुरा महतो, मंत्री हफिजुल हसन, सुप्रीयो भट्टाचार्य, विनोद पांडे आदि नेता शामिल थे।

नये केंद्रीय अध्यक्ष बनने के बाद भाई सीएम हेमंत सोरेन को बधाई देते बसंत सोरेन।

बेहतर चिकित्सा सुविधा देना प्राथमिकता : मंत्री

रिम्स जीबी बैठक

>> मंत्री और निदेशक उलझे, इस्तीफे की पेशकश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रिम्स शासी परिषद (जीबी) की मंगलवार को हुई इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण इलाज करना सरकार की प्राथमिकता है। जीबी की यह बैठक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और मानकों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई निर्णय लिये और उसे धरातल पर भी उतारा जा रहा है।

हालांकि बैठक में उस समय अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गयी, जब निदेशक डॉ राजकुमार और मंत्री इरफान अंसारी आपस में ही उलझ गये। दोनों के बीच तीखी बहस भी हुई। इस दौरान निदेशक ने इस्तीफा देने की पेशकश कर दी। जीबी के सदस्यों ने निदेशक पर कई आरोप लगाये। हालांकि बाद में मामला सुलझा। बैठक में जीबी की बैठक हर माह करने, ओपीडी का समय बढ़ाने और मैनपावर की कमी दूर करने का भी फैसला हुआ। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्राइवेट प्रैक्टिस करते पकड़े जाने पर डॉक्टरों की वेतन रोक दी जायेगी। साथ ही विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। बैठक में मौजूद विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने भी अनुशासन बनाये रखने की बात कही। मंत्री ने कहा, सरकार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर वे गंभीर हैं। बैठक में ओपीडी का समय बढ़ाकर शाम 6 बजे तक कर दिया गया है।

न्यूज डायरी

सोनिया-राहुल के खिलाफ इडी का आरोपपत्र दायर

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की नेशनल हेराल्ड मामले में मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय की तरफ से आरोपपत्र दायर किया गया है। ये पहली बार है जब सोनिया और राहुल गांधी पर किसी मामले में आरोपपत्र दायर हुआ है। जांच एजेंसी की ओर दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उन्हें आरोपी बनाया है। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं। 25 को इसके समक्ष विचार किया जायेगा। ईडी और आईओ के विशेष वकील अदालत के अवलोकन के लिए केस डायरी का पेशी भी सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़ी संपत्तियों पर कब्जा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

वक्फ कानून की वैधता पर आज सुनवाई

नयी दिल्ली। नये वक्फ कानून से देशभर में जारी सियासी गर्माहट के बीच बुधवार को सुप्रीम कोर्ट वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। इस कानून के खिलाफ ओवैसी समेत कई बड़े नेताओं और संगठनों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

ट्रैक्टर पलटने से दो युवकों की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के बंदगांव प्रखंड अंतर्गत कराईकेला थाना क्षेत्र के लालबाजार गांव के पास एक दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गयी। सोमवार देर रात एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर 10 फीट गहरी कैनाल में जा गिरा था। जिसमें हुड़गदा के रासीसाई टोला निवासी बुधु बोदरा (20) और भागीरथी गोप (22) की मौत हो गयी थी।

कांके रोड में हथियार के बल पर 1.67 लाख लूटे

रांची। गोंदा थाना क्षेत्र के कांके रोड स्थित फ्रेश पेटल नामक फ्लावर डेकोरेशन दुकान से हथियार के बल पर एक लाख 67 हजार रुपये लूट लिये गये। लूट की पूरी तस्वीर सीसीटीवी में भी कैद हुई है। दुकान मालिक राकेश ने बताया कि दुकान में अचानक दो अपराधी हथियार लेकर आये मारपीट की। फिर पैसे लूट कर फरार हो गये।

सीआरपीएफ ने शहीद किरण को दी श्रद्धांजलि

खूंटी। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले बलिदानी नायकों की वीरता और बलिदान का सम्मान करने की कड़ी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने मंगलवार को बलिदानी हवलदार जीडी किरण टोपनो के गांव तोरपा प्रखंड के मरचा में शहादत दिवस मनाया। वह 50वीं बटालियन सीआरपीएफ में तैनाती के दौरान 15 अप्रैल 2000 को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सर्वोच्च बलिदान दिया था।

झारखंड में छह दिनों तक बारिश

वज्रपात की चेतावनी, आइएमडी ने कहा- इस बार जमकर बरसेगा मानसून

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची समेत कई जिलों में बंगलवार शाम झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। सुबह से ही धूप काफी तेज थी। शाम में मौसम ने करवट ली और गरज के साथ बारिश होने लगी। ऐसे में शाम में अपने घरों से बाहर निकले या दफ्तर से लौट रहे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग की मानें तो झारखंड में अगले छह दिनों तक बारिश की संभावना है। इस दौरान गरज के साथ वज्रपात भी हो सकता है। 21 अप्रैल तक आसमान में बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश हो सकती है। 19 अप्रैल तक के लिए गरज के साथ तेज हवाएं चलेंगी। वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है।

लू और बेमौसम बारिश की चेतावनी

नयी दिल ली में आईएमडी ने मंगलवार को कहा कि इस वार मानसून जम कर बरसेगा। यह देश के लिए अच्वआ संकेत है। मानसून पर अलनीनो का कोई प्रभाव नहीं पड़नेवाला है। साथ ही आइएमडी ने देश के विभिन्न हिस्सों में एक बार फिर लू (हीटवेव) और बेमौसम बारिश, आंधी-तूफान, वज्रपात और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में अलग-अलग राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है, इसके चलते लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गयी है।

गढ़वा में चार बच्चे गड्ढे में डूबे, मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। जिले के उड़सुग्गी गांव में मंगलवार दोपहर को एक डोभा में डूबने से चार मासूम की मौत हो गयी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभी बच्चे खेलने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान गांव के पास एक डोभा के बगल में बने गड्ढे के पानी में वे नहाने लगे। गड्ढा गहरा होने के कारण सभी उसमें डूब गये। जब तक गांव वालों को इसकी जानकारी मिलती, तब तक देर हो चुकी थी। ग्रामीणों ने सभी बच्चों को पानी से निकाला और तुरंत सदर अस्पताल ले गये। जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में अवधेश राम के पुत्र लक्की कुमार (8), संतोष राम के पुत्र अक्षय कुमार(12), बाबूलाल चंद्रवंशी के बेटे वर्षीय नारायण चंद्रवंशी (16) और 13 वर्षीय हरिओम चंद्रवंशी शामिल हैं।

हजारीबाग में पेट्रोल पंप मैनेजर की हत्या

हजारीबाग। इचाक थाना क्षेत्र में रांची-पटना मार्ग पर उच्च विद्यालय सिझुआ के पास दिनदहाड़े अपराधियों ने पेट्रोल पंप मैनेजर को गोली मार दी। अपराधी रुपयों से भरा थैला लूटकर फरार हो गये। घटना में मैनेजर की मौत हो गयी है। शालपर्णी इंडियन पेट्रोल पंप के मैनेजर शंकर रविदास से पैसे लूटने आयें अपराधियों ने उन पर गोली चला दी और 11 लाख रुपये से भरा थैला लूटकर मौके से फरार हो गये। पंपकर्मी राजू प्रजापति ने मैनेजर को गिरा देख इसकी सूचना अन्य कर्मियों को दी।

बंगाल हिंसा पर खुफिया एजेंसियों ने खोले चौंकानेवाले राज

बांग्लादेशी जिहादी, विदेशी फंडिंग..., लोकल मदद

एजेसी

नयी दिल्ली। वक्फ कानून को ले कर बंगाल में हाल ही में हुई हिंसा को लेकर केंद्रीय जांच एजेंसियों को चौंकाने वाले तथ्य मिले हैं। जांच एजेंसियों को ऐसे डिजिटल और वित्तीय ट्रांजैक्शंस के सबूत मिले हैं जो संकेत देते हैं कि हिंसा को अंजाम देने के लिए विदेशी स्त्रोतों से पैसे भेजे गये। इन पैसों का इस्तेमाल भीड़ जुटाने सोशल मीडिया पर भड़काऊ मैसेज फैलाने और जमीन पर संगठन बनाने में किया गया। जांच में पता चला है कि इस हिंसा के पीछे बांग्लादेशी जिहादियों व आतंकी संगठन अंसार उल बांग्ला टीम (एबीटी) का हाथ संभव है। सूत्रों की मानें तो इस हिंसा की साजिश लंबे समय से रची जा रही थी। पिछले तीन महीनों से इस घटना को अंजाम देने की योजना बना रही थी। इसके लिए विदेशों से फंडिंग की गयी थी। केंद्रीय जांच एजेंसियों को जो सबूत मिले हैं, वह इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि शुरू में रामनवमी की तारीख तय थी।

टीएमसी का मिला साथ : प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि इसमें बांग्लादेशी शरारती तत्वों का हाथ है, जिन्हें कथित तौर पर स्थानीय टीएमसी नेताओं से मदद मिली थी, बाद में ये शरारती तत्व बेकाबू हो गये।

झारखंड के 8 जिलों में अलर्ट

पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा के बाद झारखंड के सीमावर्ती आठ जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को आवश्यक निर्देश दिये हैं ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। खुफिया एजेंसियां सीमावर्ती क्षेत्रों पर नजर रख रही हैं। पल-पल की जानकारी ली जा रही है। सभी एसपी-एसएसपी को हालात पर नजर रखने को कहा गया है। जिन जिलों को सतर्क किया गया है, उनमें पाकुड़, साहिबगंज, धनबाद, जामताड़ा, बोकारो, सरायकेला, रांची व रामगढ़ शामिल हैं। यह भी कहा गया है कि किसी भी परिस्थिति में विधि व्यवस्था न बिगड़े, इसका ख्याल रखें।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

72वीं औपबंधिक सूची जिला–हजारीबाग

क्र0	आवेदनकर्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रॉंची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी बालेश्वर कुमार एवं जहुर मियाँ द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
173	1. आवेदन क्र0–126/25 2. आवेदक–गन्दोरी महतो, पिता – गनपत महतो 3. ग्राम–कांडतरी, पोस्ट–सांढ, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड– बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु–71 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
174	1. आवेदन क्र0–127/25 2. आवेदक–युगेश्वर महतो, पिता –रूपलाल महतो 3. ग्राम–कांडतरी, पोस्ट–सांढ, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड– बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
175	1. आवेदन क्र0–128/25 2. आवेदक–राजेन्द्र कुमार, पिता –नाथू दयाल महतो 3. ग्राम–गुरूचट्टी, पोस्ट– बड़कागाँव, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड– बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
176	1. आवेदन क्र0–129/25 2. आवेदक–दर्शन प्रसाद कुशवाहा, पिता –धर्मचन्द महतो 3. ग्राम–गुरूचट्टी, पोस्ट– बड़कागाँव, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड– बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु– 63 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
177	1. आवेदन क्र0–130/25 2. आवेदक–सलनी देवी, पति–स्व0 मधु महतो 3. ग्राम–सोनपुरा, पोस्ट– बड़कागाँव, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड– बड़कागाँव 4. लिंग–महिला, आयु– 48 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाया हाथ में जख्म का निशान।	कंडिका–2(ix)
178	1. आवेदन क्र0–131/25 2. आवेदक–गणेश प्रसाद, पिता –भुनेश्वर महतो 3. ग्राम– बड़कागाँव, पोस्ट– बड़कागाँव, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड– बड़कागाँव 4. लिंग–पुरूष, आयु– 52 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में दाग का निशान।	कंडिका–2(ix)
179	1. आवेदन क्र0–132/25 2. आवेदक–इन्द्रनारायण कुशवाहा पिता –खेमलाल महतो 3. ग्राम–सलगावाँ, पोस्ट– सलगावाँ, थाना–कटकमदाग, प्रखण्ड– कटकमदाग 4. लिंग–पुरूष, आयु– 57 वर्ष, पहचान चिन्ह–माथा पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
180	1. आवेदन क्र0–133/25 2. आवेदक–गणेश प्रसाद, पिता –बोधा महतो 3. ग्राम–सलगावाँ, पोस्ट– सलगावाँ, थाना–कटकमदाग, प्रखण्ड– कटकमदाग 4. लिंग–पुरूष, आयु– 41 वर्ष, पहचान चिन्ह–गर्दन पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
181	1. आवेदन क्र0–200/25 2. आवेदक–प्रेम कुमार, पिता –झरी महतो 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
182	1. आवेदन क्र0–201/25 2. आवेदक–लीलु महतो, पिता –स्व0 बुधन महतो 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के नीचे तिल।	कंडिका–2(ix)
183	1. आवेदन क्र0–202/25 2. आवेदक–बसंत कुमार, पिता –रामलखन महतो 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
184	1. आवेदन क्र0–203/25 2. आवेदक–मो0 कासिम, पिता –स्व0 मो0 सलीम 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
185	1. आवेदन क्र0–204/25 2. आवेदक–बिनोद कुमार कुशवाहा पिता –स्व0 पुनीत महतो 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
186	1. आवेदन क्र0–205/25 2. आवेदक–सीताराम सिंह, पिता –ठाकुर दयाल सिंह 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
187	1. आवेदन क्र0–206/25 2. आवेदक–रामेश्वर राम, पिता –मुगल भुईंया 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ के अंगुली में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
188	1. आवेदन क्र0–207/25 2. आवेदक–विशेश्वर साव, पिता –स्व0 धरम साव 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–ठेहुना में कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
189	1. आवेदन क्र0–208/25 2. आवेदक–संजय साव, पिता –स्व0 बुधु साव 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने आंख के सामने चोट का निशान।	कंडिका–2(ix)
190	1. आवेदन क्र0–209/25 2. आवेदक–आनंद किशोर पासवान, पिता–कोमल दुसाध 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक पर कटा निशान।	कंडिका–2(ix)
191	1. आवेदन क्र0–210/25 2. आवेदक–अमेरिका महतो, पिता–गन्दौरी महतो 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ के अंगुठा में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
192	1. आवेदन क्र0–211/25 2. आवेदक–प्रयाग राणा, पिता–स्व0 धनी राणा 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना कान में तिल।	कंडिका–2(ix)
193	1. आवेदन क्र0–212/25 2. आवेदक–विजय सिंह, पिता–ठाकुर दयाल सिंह 3. ग्राम–ओमे, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के सामने कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
194	1. आवेदन क्र0–213/25 2. आवेदक–शिवराम प्रसाद, पिता–स्व0 आनन्दी साव 3. ग्राम–खपिया, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये आंख के उपर मासा का निशान।	कंडिका–2(ix)
195	1. आवेदन क्र0–214/25 2. आवेदक–रामटहल प्रसाद सोनी, पिता–स्व0 मटकु साव 3. ग्राम–खपिया, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–54वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये हथेली में तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
196	1. आवेदन क्र0–215/25 2. आवेदक–सरोज कुमार सिंह, पिता–स्व0 मुनेश्वर सिंह 3. ग्राम–(ओमे) केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने गर्दन में मासा का निशान।	कंडिका–2(ix)
197	1. आवेदन क्र0–216/25 2. आवेदक–ब्रहमदेव सिंह, पिता–रामवृक्ष सिंह 3. ग्राम–(ओमे) केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें गाल में लहसन का निशान।	कंडिका–2(ix)
198	1. आवेदन क्र0–217/25 2. आवेदक–उमेश सिंह, पिता–ठाकुर दयाल सिंह 3. ग्राम–(ओमे) केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें छाति के नीचे तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
199	1. आवेदन क्र0–218/25 2. आवेदक–बालेश्वर यादव, पिता–स्व0 दमरी यादव 3. ग्राम–खपिया, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये तरफ चेहरा में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
200	1. आवेदन क्र0–219/25 2. आवेदक–संजय यादव, पिता–स्व0 दमरी यादव 3. ग्राम–खपिया, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
201	1. आवेदन क्र0–220/25 2. आवेदक–सकलदेव साहु, पिता–बन्सी साव 3. ग्राम–खपिया, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये ललाट पर कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी दशरथ महतो एवं बैजनाथ महतो द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
202	1. आवेदन क्र0–134/25 2. आवेदक–मुरली चरण साव, पिता –स्व0 शिव शंकर साव 3. ग्राम–चनारी, पोस्ट–चरही, थाना–चरही, प्रखण्ड– चुरचु 4. लिंग–पुरूष,आयु– 58 वर्ष,पहचान चिन्ह–बायां हाथ के मध्यम अंगुली में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
203	1. आवेदन क्र0–135/25 2. आवेदक–चिन्ता देवी, पति–स्व0 रामेश्वर साहू 3. ग्राम–चनारी, पोस्ट–चरही, थाना–चरही, प्रखण्ड– चुरचु 4. लिंग–महिला, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां एड़ी में लहसन का निशान।	कंडिका–2(ix)
204	1. आवेदन क्र0–136/25 2. आवेदक–हेवन्ती देवी, पति–स्व0 नन्द किशोर वर्मन 3. ग्राम–चनारी, पोस्ट–चरही, थाना–चरही, प्रखण्ड– चुरचु 4. लिंग–महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
205	1. आवेदन क्र0–137/25 2. आवेदक–संजय कुमार, पिता –स्व0 सरयू प्रसाद मिश्रा 3. ग्राम–चरही, पोस्ट–चरही, थाना–चरही, प्रखण्ड– चुरचु 4. लिंग–पुरूष,आयु– 54 वर्ष,पहचान चिन्ह–दाहिने गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी झमन प्रसाद, सरयू प्रसाद मेहता एवं रमेश कुमार साहु द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
206	1. आवेदन क्र0–221/25 2. आवेदक–संजय पासवान, पिता –गणेश पासवान 3. ग्राम–गदोखर, पोस्ट–कदमा, थाना–कटकमसाण्डी, प्रखण्ड–कटकमसाण्डी 4. लिंग–पुरूष,आयु– 48 वर्ष,पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
207	1. आवेदन क्र0–222/25 2. आवेदक–हरिलाल मंडल, पिता –दर्शन महतो 3. ग्राम–गुंजरा, पोस्ट–झुरझुरी, थाना–बरकट्ठा, प्रखण्ड– बरकट्ठा 4. लिंग–पुरूष,आयु–57 वर्ष,पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी भुवनेश्वर प्रसाद मेहता एवं रामप्रसाद सिंह द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
208	1. आवेदन क्र0–241/25 2. आवेदक–सखीचरण ठाकुर, पिता –स्व0 तुलसी ठाकुर 3. ग्राम–शोशो,पोस्ट–शोशो,थाना–रजरप्पा, प्रखण्ड–दुलमी 4. लिंग–पुरूष,आयु–68 वर्ष,पहचान चिन्ह–दायां हाथ में गोदना।	कंडिका–2(ix)
209	1. आवेदन क्र0–242/25 2. आवेदक–सागर महतो, पिता –चैता महतो 3. ग्राम–होहद, पोस्ट–सिकनी, थाना–रजरप्पा, प्रखण्ड–दुलमी 4. लिंग–पुरूष,आयु–64 वर्ष,पहचान चिन्ह–पीठ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
210	1. आवेदन क्र0–243/25 2. आवेदक–नंदकिशोर तुरी, पिता –स्व0 रामसेवक तुरी 3. ग्राम–बगरई, पोस्ट–पोटमदगा, थाना–रजरप्पा, प्रखण्ड–दुलमी 4. लिंग–पुरूष,आयु–65 वर्ष,पहचान चिन्ह–होंठ में तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
211	1. आवेदन क्र0–244/25 2. आवेदक–तुसार रंजन, पिता –बिनोद कुमार महतो 3. ग्राम–गोला, पोस्ट–गोला, थाना–गोला, प्रखण्ड–गोला 4. लिंग–पुरूष,आयु–55 वर्ष,पहचान चिन्ह–सीना में मासा।	कंडिका–2(ix)
212	1. आवेदन क्र0–245/25 2. आवेदक–हरिनाथ महतो, पिता –बिजय महतो 3. ग्राम–शोशो,पोस्ट–शोशो,थाना–रजरप्पा, प्रखण्ड–दुलमी 4. लिंग–पुरूष,आयु–47 वर्ष,पहचान चिन्ह–बायें आंख में तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी सुखदेव प्रसाद यादव, चन्दनाथ भाई पटेल, बालेश्वर कुमार एवं जहुर मियाँ द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
213	1. आवेदन क्र0–223/25 2. आवेदक–विजय महतो, पिता–स्व0 महेश महतो 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष,आयु–45 वर्ष,पहचान चिन्ह–गाल पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
214	1. आवेदन क्र0–224/25 2. आवेदक–अशोक कुमार, पिता–रघु साव 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष,आयु–44 वर्ष,पहचान चिन्ह–दायां गाल कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
215	1. आवेदन क्र0–2/2525 2. आवेदक–चन्द्रशेखर साव, पिता–स्व0 बन्धु साव 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष,आयु–45 वर्ष,पहचान चिन्ह–बायें गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
216	1. आवेदन क्र0–226/25 2. आवेदक–राजेन्द कुमार वर्मा, पिता–घुरामन महतो 3. ग्राम–केरेडारी, पोस्ट–केरेडारी, थाना–केरेडारी, प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग–पुरूष, आयु–47 वर्ष,पहचान चिन्ह–गाल पर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
217	1. आवेदन क्र0–227/25 2. आवेदक–रोशन महतो, पिता–स्व0 पुरन महतो 3. ग्राम–तिलिर, पोस्ट–जीहू, थाना–पदमा, प्रखण्ड–पदमा 4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष,पहचान चिन्ह–दायें बांह में मासा।	कंडिका–2(ix)
218	1. आवेदन क्र0–228/25 2. आवेदक–संतोष कुमार, पिता–स्व0 बंशी राम 3. ग्राम–देवकुली, पोस्ट–देवकुली, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग–पुरूष, आयु–45 वर्ष,पहचान चिन्ह–दायें पैर में घाव का निशान।।	कंडिका–2(ix)
219	1. आवेदन क्र0–229/25 2. आवेदक–प्रदीप कुमार सिन्हा, पिता–स्व0 सच्चिदानंद प्रसाद 3. ग्राम–न्यू एरिया, दूसरी गली, पोस्ट–हजारीबाग, थाना–लोहसिंघना, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष,पहचान चिन्ह–दायें हाथ मध्य अंगूली में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
220	1. आवेदन क्र0–230/25 2. आवेदक–मुनेश्वर मेहता, पिता–स्व0 पुरन महतो 3. ग्राम–तिलिर, पोस्ट–जीहू, थाना–पदमा, प्रखण्ड–पदमा 4. लिंग–पुरूष, आयु–55 वर्ष,पहचान चिन्ह–दायें बांह में मासा का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी चन्दनाथ भाई पटेल एवं मोहन रजक के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
221	1. आवेदन क्र0–231/25 2. आवेदक–अंतु यादव, पिता–स्व0 महावीर गोप 3. ग्राम–बानाहप्पा, पोस्ट–बानाहप्पा, थाना–मु0 हजारीबाग, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर घुटना के पास कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)

नोट :– 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR.NO. 350386 Home(25-26):D

13वें केन्द्रीय महाधिवेशन के समापन पर सर्वसम्मति से हुआ फैसला

अब हेमंत सोरेन के हाथ में होगी झारखंड मुक्ति मोर्चा की कमान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झामुमो के 13वें महाधिवेशन में सीएम हेमंत सोरेन को पार्टी का केंद्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। इसके बाद अब हेमंत सोरेन के हाथ में झामुमो की कमान होगी। 38 वर्षों के बाद पार्टी के संस्थापक और दिग्गज नेता दिशोम गुरू शिबू सोरेन अध्यक्ष रहने के बाद अब ये जिम्मेदारी उनके बेटे को मिली है। केन्द्रीय समिति में कुल 284 सदस्य होंगे। इसकी घोषणा पार्टी के केन्द्रीय महासचिव विनोद पांडे ने की। केन्द्रीय समिति सदस्य में पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, सांसद भी शामिल हैं।

गुरू जी के स्वास्थ्य कारणों से दी गयी हेमंत को जिम्मेदारी : झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना 1972 में शिबू सोरेन के नेतृत्व में हुई थी। शिबू सोरेन ने महाजनों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। उन्होंने इतना काम किया कि लोग उन्हें दिशोम गुरु कहने लगे। झामुमो शुरू में आदिवासी अधिकारों, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और झारखंड की क्षेत्रीय अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्षरत रहा है। शिबू सोरेन ने लंबे समय तक पार्टी को नेतृत्व प्रदान किया और इसे झारखंड की राजनीति में एक प्रमुख शक्ति बनाया। हालांकि, उम्र और स्वास्थ्य कारणों से उनकी सक्रियता कम हो गई थी, जिसके चलते हेमंत सोरेन को पहले 2015 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और अब उन्हें केंद्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गयी है।

2019 और 2024 के विस चुनाव में रहा शानदार प्रदर्शन

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो ने 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप पार्टी ने पहले 30 और फिर 34 सीटें जीतीं। 2024 के चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने 81 में से 56 सीटें हासिल कीं, जो पार्टी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। झामुमो का केंद्रीय अध्यक्ष बनने के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि यह बदलाव झामुमो की विरासत को और मजबूत करेगा। उन्होंने शिबू सोरेन के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके पिता ने पार्टी को एक आंदोलन के रूप में स्थापित किया, और अब इसे राष्ट्रीय मंच पर ले जाने की जिम्मेदारी उनकी है।

हेमंत सोरेन का योगदान और नेतृत्व : हेमंत सोरेन ने झामुमो को न केवल झारखंड में मजबूत किया, बल्कि इसे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने की दिशा कदम बढ़ाया है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में हेमंत के नेतृत्व में झामुमो ने 30 सीटें जीतकर भाजपा को सत्ता से बाहर किया। इसके बाद 2024 के चुनाव में झामुमो ने 34 सीटों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और गठबंधन ने 56 सीटें जीतीं।

जनता के बीच लोकप्रिय नेता बन गये हेमंत : हेमंत सोरेन ने अपनी सरकार के तहत कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं, जैसे 'अबुआ आवास योजना', जिसे झामुमो नेता प्रधानमंत्री आवास योजना से बेहतर मानते हैं। महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता राशि बढ़ाने और सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसे निर्णयों ने उनकी लोकप्रियता बढ़ाई। हेमंत ने बदलाव यात्रा और संघर्ष यात्रा जैसे अभियानों के जरिए जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। उनकी लोकप्रियता जनता के बीच कायम हो गयी।

जेल से निकलते 2024 में हुई शानदार वापसी : हेमंत सोरेन का राजनीतिक सफर चुनौतियों से खाली नहीं रहा। 31 जनवरी 2024 को ईडी ने उन्हें भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके चलते उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। हेमंत ने इसे 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया। इस दौरान चंपई सोरेन ने कुछ समय के लिए मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली। हालांकि, हेमंत जमानत पर रिहा हुए और 2024 के चुनाव में उन्होंने शानदार वापसी की।

चार बार मुख्यमंत्री बने झामुमो के नये अध्यक्ष

हेमंत सोरेन का अध्यक्ष बनना झामुमो के लिए एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। उनके नेतृत्व में पार्टी ने न केवल स्थानीय स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत की, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी अपनी उपस्थिति साबित की। यह बदलाव झारखंड की राजनीति में स्थिरता और निरंतरता का प्रतीक है, क्योंकि हेमंत पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने लगातार दो बार सत्ता में वापसी की और चार बार मुख्यमंत्री बने। शिबू सोरेन की विरासत को आगे बढ़ाते हुए हेमंत ने झामुमो को एक आधुनिक और गतिशील संगठन में बदलने का प्रयास किया है। उनके सामने चुनौती होगी कि वे पार्टी की मूल विचारधारा को नए युग की जरूरतों के अनुरूप ढालें।

केवल तुष्टिकरण और परिवार केंद्रित रहा झामुमो का महाधिवेशन : प्रतुल शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झामुमो के महाधिवेशन में झारखंड के कल्याण को छोड़कर सिर्फ परिवार कल्याण पर अमल किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा लंबे समय से कह रही थी कि झामुमो का अगला अध्यक्ष भी सोरेन परिवार से ही होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास बहुत बेहतर अवसर था कि वह अपने दल के किसी समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ता को अध्यक्ष बना सकते थे, लेकिन, मुख्यमंत्री पद की बड़ी जिम्मेवारी होने के बावजूद भी उन्होंने किसी पर विश्वास करना उचित नहीं समझा। उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टियों में यही होता है। अध्यक्ष समेत तमाम प्रमुख पदों पर परिवार के ही सदस्यों को बैठाया जाता है। आम कार्यकर्ता को सिर्फ हाथ उठाने के लिए बुलाये जाते हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड में घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या है। संताल परगना और झारखंड के दूसरे जिलों में डेमोग्राफी बदलती जा रही है। आदिवासियों की जनसंख्या लगातार गिरती जा रही है और मुसलमानों की बढ़ती जा रही है। अफसोस जनक बात है कि झामुमो ने आदिवासियों की घटती आबादी और घुसपैठ पर कोई चर्चा तक नहीं की। पूरे महाधिवेशन में घुसपैठ के मुद्दे पर पार्टी का एक शब्द भी नहीं कहना तुष्टिकरण की राजनीति को इंगित करता है। उन्होंने कहा कि झामुमो ने अपने अधिकार पत्र में लंबे चौड़े और लुभावने वादे किये थे। इस अधिकार पत्र को किस तरीके से सरकार लागू करेगी, इस पर एक लाइन ना प्रस्ताव आया ना कोई चर्चा हुई। जबकि जनता ने झामुमो को दोबारा सरकार में आने का अवसर इसी घोषणा पत्र के आधार पर दिया था। उन्होंने कहा कि झामुमो का महाअधिवेशन पूरे तरीके से हेमंत सोरेन को महिमा मंडित करने पर न्योछावर रहा। सभी वक्ताओं ने झारखंड के विकास पर सार्थक चर्चा करने की जगह सिर्फ हेमंत सोरेन के तारीफ के पुल बांधा। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में विधि व्यवस्था ध्वस्त है। ग्रामीण क्षेत्र में नक्सलियों की जगह संगठित आपराधिक गिरोह ले रहे हैं। शहर में प्रतिदिन हत्या हो रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य का कोई ऐसा विभाग नहीं है, जहां भ्रष्टाचार नहीं है।

झारखंड में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आज

सभी जिलों में कार्यक्रम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के सभी जिलों में बुधवार को चौथी बार जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम 11 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के एसएसपी व एसपी को पहले ही आदेश जारी कर दिया था। बता दें कि पहले जहां समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, इस बार भी उसी जगह पर कार्यक्रम का आयोजन होगा।

मालूम हो कि अब तक तीन बार समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। पहला कार्यक्रम 10 सितंबर 2024, दूसरा 18 दिसंबर 2024 और तीसरा 22 जनवरी 2025 को हुआ था। वहीं बुधवार 16 अप्रैल को चौथी बार सभी जिलों में समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के उद्देश्य

- नागरिकों की पुलिस से संबंधित शिकायतों को प्राप्त करना और उक्त शिकायतों को रजिस्टर करना।
- शिकायतों पर पुलिस द्वारा की गयी कार्रवाई की सूचना शिकायतकर्ता को देना।
- यदि निर्धारित समय पर कार्रवाई ना हो पाये तो वरीय पदाधिकारियों को इसकी सूचना देना।
- कार्रवाई योग्य शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान करना।
- जिन शिकायतों पर कार्रवाई नहीं हो सकती, उसकी जानकारी भी शिकायतकर्ताओं को देना।
- पुलिस द्वारा बनायी जा रही सर्वोत्तम पद्धतियों को इन कार्यक्रमों में दिखाना।
- नागरिकों की समस्याओं को समझकर पुलिस व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना।

एनसीओआरडी की 5वीं राज्यस्तरीय समिति की बैठक में दिये गये कई निर्देश

ड्रग्स और मादक पदार्थों के उत्पादन, वितरण व उपभोग पर कड़ी नजर रखें : मुख्य सचिव

- लाइसेंसधारी दवा दुकानों की सूची गृह सचिव को उपलब्ध कराने का आदेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य में ड्रग्स के उत्पादन, वितरण और उपभोग पर सख्ती से निगरानी रखने का निर्देश उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को दिया है। यह निर्देश उन्होंने मंगलवार को नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर की 5वीं राज्य स्तरीय समिति की बैठक में दिया। इस दौरान उन्होंने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े तत्वों पर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मुख्य सचिव ने दवा दुकानों से नशीली दवाओं और सीरप की बिक्री पर चिंता जतायी और इस अवैध नेटवर्क की पहचान कर सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने सभी लाइसेंसधारी दवा दुकानों की सूची गृह सचिव को उपलब्ध कराने को कहा, ताकि बिना लाइसेंस वाली दुकानों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

छह गुना अधिक अफीम की फसल नष्ट की गयी : सीएस को बताया गया कि 2024-25 में चलाए गये अभियानों के चलते पोस्ते (अफीम) की अवैध खेती के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हुई है। वर्ष 2023-24 में जहां 4,860 एकड़ में पोस्ते की फसल नष्ट की गई थी, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 27,015 एकड़ हो गया-जो पिछले वर्ष की तुलना में छह गुना अधिक है।

जब्त मादक पदार्थों के निपटान पर जोर : जब्त मादक पदार्थों के समयबद्ध निपटान पर विशेष बल दिया गया। कुछ जिलों द्वारा निपटान में पिछड़ने पर संबंधित उपायुक्तों को प्राथमिकता के साथ निष्पादन का निर्देश दिया गया।

प्रवर्तन एजेंसियों को किया जा रहा प्रशिक्षित

नशे के अवैध व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों को निरंतर प्रशिक्षित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के सहयोग से पुलिस अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अनुसंधान प्रशिक्षण विद्यालय, होटवार, रांची में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार संचालित है। वन विभाग के कर्मचारियों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ा गया है।

मादक पदार्थ जांच किट की शीघ्र खरीद के निर्देश

उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को मादक पदार्थों की त्वरित जांच के लिए डीडी किट, प्रीकर्सर किट, केटामाइन किट 15 दिनों के भीतर खरीदने का निर्देश दिया गया। ये किट प्राथमिक जांच में उपयोगी होती हैं और एफएसएल रिपोर्ट के विलंब की स्थिति में न्यायालय को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपने में सहायक सिद्ध होती हैं।

मानस पोर्टल के जरिए सूचना दें और इनाम पायें

ड्रग्स के खिलाफ जन–सहभागिता बढ़ाने के लिए मानस पोर्टल जुलाई 2024 में लॉन्च किया गया है। आम नागरिक ड्रग्स के अवैध उत्पादन, वितरण या उपभोग से जुड़ी सूचना गोपनीय रूप से दे सकते हैं। सत्यापन के बाद यदि सूचना सही पाई जाती है तो सूचना देने वाले को इनाम भी दिया जाता है। देशभर से इस पोर्टल के माध्यम से 60,000 से अधिक सूचनाएं प्राप्त हुई हैं।

10 साल में 1.85 लाख उद्योगों को मिला क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, 20,892 आवेदन रिजेक्ट, 5889 पेंडिंग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पिछले दस सालों में राज्य के एक लाख 85 हजार 534 छोटे-बड़े उद्योगों को सिंगल विंडो के जरिये क्लीयरेंस सर्टिफिकेट मिला है। विभागों को दो लाख 14 हजार 119 आवेदन मिले। इसमें से 20,892 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया गया। जबकि 5889 आवेदन लंबित हैं। वहीं वन विभाग ने पेड़ हटाने और ट्रांजिट परमिट के लिए 2192 और जंगल से दूरी के मानकों का पालन करते हुए 12,645 आवेदनों को स्वीकृति दी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 6997 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया है। श्रम विभाग ने 7235, वाणिज्य कर विभाग ने 601, बिजली वितरण निगम ने 1508, कृषि विभाग ने 298 और खाद्य आपूर्ति विभाग ने 27 आवेदन रिजेक्ट कर दिया है।

विभाग व संस्था	स्वीकृत आवेदन	विभाग व संस्था	स्वीकृत आवेदन
उद्योग	03	नगर विकास	587
फायर सर्विस	11,353	ऊर्जा विभाग	17,349
कॉमर्शियल टैक्स	18,712	पर्यटन	15
श्रम विभाग	93,900	कृषि	7,606
प्रदूषण बोर्ड	27,364	खाद्य आपूर्ति	37
जियाडा	112	उत्पाद	01
बिजली वितरण	8178	पथ निर्माण	170
भू-राजस्व	05	रांची नगर निगम	123
आईटी व ई-गवर्नेंस	01	जुस्को	01
जलसंसाधन	02	गृह विभाग	17

सफाईकर्मियों की न्याय रैली आज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड नगर निगम मजदूर संघ और सीटू की ओर से बुधवार को दिन के दो बजे से डोरंडा के एजी मोड से न्याय रैली निकाली जाएगी। इसमें रांची नगर निगम और कंपनी के सफाईकर्मी शामिल होंगे। रैली विभिन्न मार्ग से होकर डोरंडा के श्रम भवन तक जाएगी। जहां सफाईकर्मियों के लिए आठ दिन का राष्ट्रीय समेत आकस्मिक अवकाश और महिलाकर्मियों के लिए 24 सप्ताह के मातृत्व अवकाश की मांग श्रमायुक्त से की जाएगी। संघ के अध्यक्ष भवन सिंह ने बताया कि पूर्व में सफाईकर्मियों की जायज मांग पर संबंधित विभाग की ओर से मजदूर सेवा शर्त नियमावली बनाई गई थी, इसे अधिसूचित भी किया गया था, बावजूद श्रम विभाग की उदासीनता व अधिकारियों की लापरवाही से सफाईकर्मियों को उनके अधिकार से अभी तक वंचित रखा गया है। इस कारण अभी भी निगम की ओर से राष्ट्रीय अवकाश पर भी सफाईकर्मियों से काम लिया जाता है। कहा, प्रसव की अवस्था में महिलाकर्मी काम पर आती हैं।

खबर एक नजर में

सरयू राय मामले में अगली सुनवाई 23 अप्रैल को

रांची। पूर्व मंत्री सह विधायक सरयू राय से जुड़े गोपनीय दस्तावेज लीक करने के मामले में मंगलवार को एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में आंशिक सुनवाई हुई। मामले में सरयू राय की ओर से उपस्थिति दर्ज करा दी गई है। आगे की न्यायिक प्रक्रिया के तहत पुलिस पेपर सौंपा जाएगा। अगली सुनवाई की तारीख अदालत ने 23 अप्रैल निर्धारित की है। मामले में सरयू राय को अग्रिम जमानत की सुविधा प्राप्त है। अदालत ने दाखिल चार्जशीट पर 24 अगस्त को संज्ञान लिया है। मालूम हो कि सरयू राय ने इसी दस्तावेज को हासिल करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को कोरोना काल में किये गये राशि के उपयोग की जानकारी दी थी।

पूर्व विधायक बहादुर उरांव को मिली जमानत

रांची। सरकारी काम में बाधा डालने समेत अन्य मामले में आरोपी चक्रधरपुर के पूर्व झामुमो विधायक बहादुर उरांव ने न्यायिक दंडाधिकारी प्रशांत कुमार वर्मा की अदालत में सरेंडर किया। सरेंडर के साथ दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई पश्चात अदालत ने जमानत की सुविधा प्रदान की। अदालत ने नगड़ी थाना में दर्ज एक पुराने मामले में पिछले दिनों कोर्ट में उपस्थित दर्ज नहीं कराने पर वारंट जारी किया था। नगड़ी गांव की आदिवासी जमीन का अधिग्रहण के खिलाफ पूर्व विधायक बहादुर उरांव स्थानीय ग्रामीणों के साथ किया था। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन से झड़प हुआ था। मामले को लेकर नगड़ी थाना में पूर्व विधायक बहादुर उरांव, समाजसेवी दयामनी बारला समेत कई अन्य खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

तंजानिया में भारतीय समुदाय से मिले संजय सेठ

रांची। तंजानिया प्रवास के दौरान भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ दार एस सलाम स्थित भारतीय उच्चायोग में लोगों से संवाद किया। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ ने कहा भारतीयों से मिलकर आत्मिक सुखद अनुभूति मिली। तंजानिया के विकास में इनका योगदान और प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। उच्चायुक्त बिश्वदीप डे ने तंजानिया में भारतीय समुदाय के कल्याण की प्रगति और देश के सामाजिक आर्थिक विकास में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। भारतीय समुदाय दुनिया के जिस देश में भी हैं, वहां अपने समर्पणए अनुशासन और कर्त्तव्यपरायणता से अपनी अलग पहचान बनाते हैं। तंजानिया में भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ के श्री सनातन धर्म मंदिर एवं स्वामीनारायण मंदिर, किसुतु में दर्शन, पूजन और अभिषेक का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंदिर परिसर का भ्रमण कर अद्भुत आध्यात्मिक की अनुभूति हुई।

चिटफंड कंपनी के निदेशक की याचिका खारिज

रांची। हाईकोर्ट ने चिटफंड कंपनी केयर विजन इंफ्रास्ट्रक्टर एंड एग्रोटेक लिमिटेड के निदेशक अरूप चटर्जी की याचिका खारिज कर दी है। याचिका में कंपनी के खिलाफ गिरिडीह के तिसरी थाने में महाराज सिंह की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि इस कंपनी के खिलाफ धनबाद सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआई ने इस प्राथमिकी की जांच के बाद 30 नवंबर 2022 को आरोप पत्र दायर कर दिया है। याचिका में कहा गया था कि सीबीआई द्वारा कंपनी के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के महाराज सिंह ने कंपनी पर ठगी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करायी है। चूंकि इसी तरह के मामले में सीबीआई ने जांच के बाद कंपनी के खिलाफ आरोप पत्र दायर कर दिया है। इसलिए एक ही तरह के मामले में दोबारा जांच नहीं हो जा सकती है। याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने अरूप चटर्जी की याचिका खारिज कर दी। यानी कंपनी के खिलाफ ठगी मामले में थाने में दर्ज प्राथमिकी की जांच जारी रहेगी।

सीबीआई कोर्ट में जमानत पर आंशिक सुनवाई

रांची। जेपीएससी द्वितीय सिविल सेवा नियुक्ति घोटाले में चार्जशीटेड 40 आरोपियों की ओर से दाखिल अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में हुई। इसमें राधा प्रेम किशोर समेत करीब 40 याचिकाकर्ताओं की याचिकाओं पर आंशिक सुनवाई हुई। अदालत ने अगली सुनवाई की अलग-अलग तारीख निर्धारित की गई है। चार की याचिका पर सुनवाई की तारीख 16 अप्रैल, छह की 25 अप्रैल, 8 की 28 अप्रैल, 17 की 29 अप्रैल एवं कुछ की 30 अप्रैल की तारीख निर्धारित की गई है। मामले में 40 से अधिक आरोपियों ने अग्रिम राहत की गुहार लगाई है। मामले में 64 आरोपियों के खिलाफ अदालत ने उपस्थिति को लेकर समन जारी कर रखा है। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपियों ने अग्रिम राहत की गुहार लगाई है। अब तक मामले के आरोपी मौसमी नागेश, राम कृष्ण कुमार, राधा प्रेम किशोर, संगीता कुमारी, विकास कुमार पांडे, अरविंद कुमार सिंह, नंद लाल, डॉ दीनानाथ सिंह, मुनिंद्र तिवारी, शिव बहादुर सिंह, रघुवीर सिंह तोमर, डॉ योगेंद्र सिंह, डॉ ओंकार नाथ सिंह, डॉ सुधीर कुमार शुक्ला, अमर नाथ सिंह, डॉ प्रदीप कुमार उर्फ प्रदीप कुमार पांडे, डॉ दिवाकर लाल श्रीवास्तव, डॉ अशोक कुमार सिंह, डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, डॉण बंशीधर पांडे, महेंद्र मोहन वर्मा, डॉ राजेंद्र प्रसाद सिंह, ओम प्रकाश सिंह, डॉ शशि देवी, संतोष कुमार चौधरी, राजीव कुमार सिंह, सुदामा कुमार, शिवेंद्र, अमित कुमार, प्रमोद राम, प्रकाश कुमार, हरि शंकर मुंडा, शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, हरि शंकर बड़ाईक, राहुल जी आनंद जी, कुमुद कुमार, डॉ शिशिर कुमार सिंह, रोहित सिन्हा, कानू कुमार राम, रजनीश कुमार ने राहत की गुहार लगाते हुये अर्जी दाखिल की है।

दुकान में दिनदहाड़े हुई लूट ₹1.67 लाख ले उड़े अपराधी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में मंगलवार को गोंदा थाना क्षेत्र में एक फ्लावर डेकोरेशन दुकान में दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। कांके रोड स्थित फ्रेश पेटल नाम की दुकान में अपराधियों ने एक लाख 67 हजार रुपये लूट लिये। लूट की वारदात की पूरी तस्वीर सीसीटीवी में भी कैद हुई है।

हथियार निकाल कर ही घुसे दुकान में : दुकान के मालिक राकेश ने बताया कि अचानक दो अपराधी हथियार लेकर दुकान में घुसे और उनके साथ मारपीट करते हुए 1.67 लाख रुपए लूट लिये। राकेश ने बताया कि दोनों अपराधियों ने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था। एक अपराधी दुकान में हथियार तानते हुए घुसा और अंदर आते ही पैसा मांगने लगा। इस दौरान अपराधियों ने दुकानदार के साथ मारपीट भी की, लगभग दस मिनट तक अपराधी दुकान में मौजूद रहे और जाने के समय दुकान की शटर बंद कर फरार हो गए।

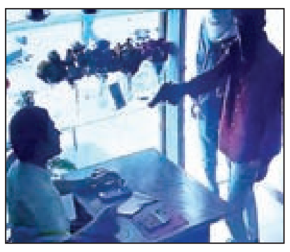

सीसीटीवी में वारदात कैद : लूट की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी कैमरे में अपराधियों का दुस्साहस साफ नजर आ रहा है। दो में से एक अपराधी हाथ में पिस्टल लिये अंदर आता है और लगातार दुकानदार पर पिस्टल ताने रहता है, जबकि दूसरा अपराधी दुकान के काउंटर से पैसे निकालने में लग जाता है। लूट को अंजाम देने के बाद दोनों अपराधी कांके रोड की तरफ बाइक से फरार हो गए।

पुलिस जांच में जुटी : मामले की जानकारी मिलते ही गोंदा थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी हासिल कर अपराधियों का सुराग हासिल करने में जुट गए।

रांची जिले के 19 अंचलों में 2173 आवेदन आये, 591 की हुई दाखिल-खारिज

670 आवेदन अस्वीकृत किये गये पांच पर आपत्ति व 912 रहा लंबित

- अस्वीकृत दाखिल-खारिज मामलों की वरीय पदाधिकारियों के द्वारा की जायेगी समीक्षा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर मंगलवार को रांची जिला के विभिन्न अंचलों में दाखिल-खारिज संबंधी राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। विगत कुछ माह में चौथी बार जिला के विभिन्न अंचलों में दाखिल-खारिज से संबंधित शिविर का आयोजन कर 10 डिसिमल तक के लंबित म्यूटेशन के मामलों का निष्पादन कर आवेदकों को वरीय पदाधिकारियों द्वारा करेक्शन स्लिप (शुद्धि पत्र) निर्गत किया गया।

निम्न अंचलों में आयोजित किया गया राजस्व शिविर : अनगड़ा, अरगोड़ा, बड़गाई, बेड़ो, बुंडू, बुढ़मू, चान्हो, हेहल, इटकी, नामकुम, कांके, रातू, खलारी, नगड़ी, ओरमांझी, राहे, शहर, सिल्ली एवं मांडर में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 10 डिसिमल तक के 30 दिनों से अधिक आपत्ति रहित/ सहित भूमि के लंबित दाखिल-खारिज वादों का भौतिक सत्यापन के पश्चात शुद्धि पत्र का वितरण किया गया।

सबसे ज्यादा नामकुम में आवेदन का निष्पादन : जिला के 19 अंचलों में आज आयोजित राजस्व शिविर में 2173 में से 591 शुद्धि पत्र का वितरण किया गया, 670 मामले अस्वीकृत किए गए, शेष लंबित हैं। सबसे ज्यादा नामकुम में 157 शुद्धि पत्र वितरित किए गए।

अस्वीकृत आवेदनों की वरीय पदाधिकारी करेंगे समीक्षा : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी संबंधित अंचल अधिकारियों को बिना ठोस कारण के दाखिल-खारिज के आवेदन को अस्वीकृत न करने का निर्देश पूर्व में ही दिया है। उन्होंने सभी अंचल में वरीय पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है, जो कैम्प में अस्वीकृत मामलों की समीक्षा करेंगे कि रिजेक्शन का कारण सही है या नहीं।

बिचौलिये दिखें तो स्थानीय थाना को सूचित करें : उपायुक्त
उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा है कि अगर अंचल कार्यालय में बिचौलिये दिखे तो फौरन स्थानीय थाना या पीसीआर को सूचित करें। उन्होंने आम लोगों से जिला प्रशासन द्वारा जन शिकायत के लिए जारी किए गए व्हाट्सएप नंबर 9430328080 (अबुआ साथी) पर इसकी जानकारी देने की बात कही।

हरमू बाजार में रेहड़ी-पटरी वालों के लिए बनेगा वेंडिंग जोन

रांची। रांची नगर निगम अब शहर में रेहड़ी-पटरी वालों के लिए वेंडिंग जोन बना रहा है, ताकि बाजार और सड़कें साफ-सुथरी और व्यवस्थित रहें। इसी के तहत मंगलवार को निगम की टीम ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी (वार्ड 26) स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर और श्री पंच मंदिर के आसपास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देखा गया कि वहां सड़क किनारे कई दुकानें और ठेले बिना अनुमति के लगे हुए हैं, जिससे आने-जाने में दिक्कत हो रही थी। नगर आयुक्त संदीप सिंह ने आदेश दिया कि इन दुकानों को हटाकर एक तय जगह पर ही लगायी जाये, जहां सभी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जायेंगी। नगर निगम की टीम ने वहां के वेंडरों से बात कर उन्हें समझाया कि अब तय जगह पर ही दुकान लगानी होगी।

पूर्व सांसद रविन्द्र राय के आरोपों से मुक्त हुए बिरनी के पूर्व बीडीओ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व सांसद रविंद्र कुमार राय के आरोपों से बिरनी के तत्कालीन बीडीओ (गिरिडीह) पप्पू रजक को मुक्त कर दिया गया। साथ ही उनके विरूद्ध खुली फाइल को भी क्लोज कर दिया गया है। झाप्रसे के इस अधिकारी के विरूद्ध सांसद ने यह परिवाद पत्र देते हुए आरोप लगाया था कि उनके क्षेत्रिय भ्रमण में जन सुनवाई के दौरान गिरिडीह के कुछ लोगों द्वारा शिकायत की गयी थी कि एक व्यक्ति द्वारा दंबगई से उन लोगों की जमीन को कब्जा किया गया है। इसके बाद सांसद ने इस मामले में आवश्यक कार्रवाई के लिए बीडीओ बिरनी को पत्र भेज निष्पक्ष जांच के लिए कहा था, लेकिन, बीडीओ ने सांसद के हस्ताक्षर से अग्रसारित जनता के प्रार्थना पत्र वापस करते हुए कहा गया कि ऐसे सांसद के पत्र मेरे पास बहुत आते हैं, इसका कोई महत्व नहीं है। पूर्व सांसद ने इसे संसदीय विशेषाधिकार उल्लंघन एवं संवेदनशीलता को दर्शाना माना। पूरे मामले पर कार्मिक विभाग ने उनसे स्पष्टीकरण पूछा। इसके जवाब में बीडीओ ने कहा कि उनके द्वारा किसी भी प्रकार का सांसद या आवेदनकर्ता को आना-कानी या अंससदीय भाषा तथा आवेदन को महत्व नहीं दिया जाना सत्य से परे है, जबकि उन्होंने स्वयं सांसद से दूरभाष पर वार्ता कर स्थिति से अवगत हैं। बीडीओ ने लगाये गये आरोपों से मुक्त करने की मांग भी की। इसके बाद कार्मिक विभाग ने आरोपों की फाइल क्लोज कर दी।

इलाज के दौरान मृत्यु होने पर मरीज के परिजन को मिलेगा 5 हजार रुपये

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रिम्स की शासी परिषद (जीबी) की बैठक में निर्णय लिया गया कि रिम्स में मरीजों की मृत्यु होने पर नेत्रदान/अंगदान करने पर रु 5,000/- अंतिम संस्कार के लिए दिये जायेंगे। इसके अलावा उन सभी नेत्रदाताओं/अंगदाताओं के शव को रिम्स से घर तक ले जाने के लिए निःशुल्क शव वाहन की व्यवस्था का का निर्णय लिया गया।

जीबी की बैठक में लिये गए अहम फैसले

नया रिम्स बनाने का निर्णय : रिम्स के पूरे स्ट्रक्चर को डिमोलिश कर नया रिम्स बनाया जायेगा, जिसकी अनुमानित लागत 783 करोड़ रुपये है।

सिटी एमआरआई मशीन : रिम्स में जल्द सिटी एमआरआई मशीन लगाई जाएगी।

मोक्ष वाहन : मृतकों के शवों को घर तक पहुंचाने के लिए 5 नए मोक्ष वाहन खरीदे जाएंगे।

अंतिम संस्कार के लिए सहायता: गरीब और मृतक के परिवार को अंतिम संस्कार के लिए 5000 की सहायता दी जाएगी।

ओपीडी का समय : ओपीडी का समय बढ़ाकर शाम 6:00 बजे तक कर दिया गया है।

लंबित बहाली जल्द: पेंडिंग बहालियों को जल्द पूरा किया जाएगा।

नॉन-टेक्नीशियन मैनपावर: 100 नॉन-टेक्नीशियन मैनपावर हायर किए जाएंगे।

पार्किंग की समस्या का समाधान: रिम्स में पार्किंग की समस्या को समाप्त किया जाएगा और अवैध पैसे वसूली बंद होगी।

गार्ड की नियुक्ति: 50 गार्ड स्थायी और 50 गार्ड आउटसोर्सिंग से हायर किए जाएंगे।

नियमित बैठक: मंत्री की अध्यक्षता में हर महीने शासी परिषद की बैठक होगी।

प्राइवेट प्रैक्टिस पर कार्रवाई: प्राइवेट प्रैक्टिस करते पाए गए प्रतिस्थापित डॉक्टरों की वेतन रोकी जाएगी और विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा।

कांग्रेस सभी जिलों में मीडिया, सोशल मीडिया चेयरमैन बनायेगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देश पर प्रदेश के प्रत्येक जिले में मीडिया एवं सोशल मीडिया चेयरमैन की नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि मीडिया, सोशल मीडिया के लिए जिला स्तर पर नियुक्त अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमिटी के साथ मिलकर काम करेंगे और विभिन्न संचार माध्यमों से कांग्रेस के नैरेटिव को आगे बढ़ाने का उत्तरदायित्व संभालेंगे। कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े आम नागरिक, सामाजिक व्यक्तित्व, नागरिक समितियों के सदस्य, कांग्रेस नेता पदाधिकारी जिन्हे मीडिया या सोशल मीडिया में विशेषज्ञता हासिल हो या जो पहले से मीडिया विभाग सोशल मीडिया विभाग के साथ काम कर रहे हैं वह जिला अध्यक्ष पद के लिए 15 अप्रैल से 22 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। सोनाल शांति ने बताया कि जो भी अध्यक्ष पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं उसके लिए गूगल फॉर्म एक्सेस करना होगा। गूगल फॉर्म एक्सेस करने के लिए 9063234488 पर -हाय- लिखकर व्हाट्सएप मैसेज भेजना होगा। इसके बाद आए लिंक को खोलने पर फॉर्म मिलेगा जिसमें 18 बिंदुओं का व्यक्तिगत -सामाजिक-राजनीतिक विवरण देना है।

उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल के बाद प्रत्येक जिलों के लिए तीन-तीन नामों का पैनल तैयार होगा। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा इंटरव्यू एवं अन्य स्तरों पर परीक्षणों के पश्चात नियुक्ति होगी। संगठन के कार्यक्रमों, नीतियों, विचारों के प्रचार प्रसार के लिए संवाद का सशक्त माध्यम मीडिया ही है। इसके माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक अपनी बातों को पहुंचाया जा सकता है, जिससे सांगठनिक कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।

झारखंडी कलाकारों के लिए बनानी होगी नीति, अकादमी का गठन जरूरी: के. राजू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विरासत का सम्मान, वर्तमान का उत्सव और भविष्य की प्रेरणा की सोच के साथ मंगलवार को रांची के नामकुम में धरोहर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड के कलाकारों का सम्मान करने के साथ-साथ उनके सुनहरे भविष्य की चिंता करना रहा। गीत-संगीत-नृत्य, सिनेमा सहित कला के क्षेत्र में प्रसिद्धि पा चुके कलाकारों को इस मौके पर सम्मानित किया गया। धरोहर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सह मुख्य वक्ता के तौर पर झारखंड के कांग्रेस प्रभारी के राजू, कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की सहित दूसरे नेता शामिल हुए। मौके पर पैनल डिस्कशन के जरिए झारखंड के कलाकारों की समस्याओं पर चर्चा हुई। झारखंडी कलाकारों ने कांग्रेस प्रभारी को एक ज्ञापन भी सौंपा।

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन में कलाकारों के महत्वपूर्ण भूमिका रही। कलाकारों के माध्यम से अलग राज्य गठन का संदेश केंद्र सरकार तक पहुंचा। इसके बाद तेलंगाना सरकार ने कलाकारों के लिए कई तरह की नीति बनाई है। कलाकारों की पेंशन से लेकर स्कॉलरशिप की योजना की शुरूआत हुई। उन्होंने कहा कि झारखंड के कलाकारों के लिए भी नीति बनानी होगी, अकादमी का गठन करना होगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाषा संस्कृत साहित्य और कल का अलग स्थान है। राज्य में अलग अकादमी बनाने की बात कांग्रेस ने पहले भी की है। इसको लेकर प्रयास किया जाएगा।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आधुनिकता से दूर, आज पारंपरिक नृत्य, संगीत और कला संस्कृति को अपनाने की जरूरत है। झारखंड के वाद यंत्र की धुन के सामने सब फीका है। झारखंड के निर्माण में कलाकारों की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पैनल डिस्कशन के माध्यम से कलाकारों ने जो मांग उठाई है उसका समाधान हो जाए, तो कलाकारों को फायदा होगा। इसके लिए सरकार को बेहतर नीति निर्धारण करना होगा। सुश्री तिर्की ने कहा कि आज मीडिया, फिल्म और आर्ट को पॉलिटिकल टूल्स की तरह इस्तमाल किया जा रहा है। कुछ मनुवादी सोच के लोग भाषा की विभिन्नता को खत्म करने की साजिश रच रहे हैं।

झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि झारखंड के कलाकारों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। आजाद अंसारी से लेकर दूसरे कलाकारों को कैसे सहयोग कर सकें, इसके लिए कुछ करना है। कला के क्षेत्र में युवा कलाकारों को सरकार के द्वारा मौका दिया जा सकता है। संविधान की रक्षा करने में कलाकारों की भी बड़ी भूमिका रही है। कार्यक्रम में राजीव रंजन प्रसाद, किशोर शाहदेव, रियाज अहमद, कुमार राजा, रमा खलखो, राजेश गुप्ता छोटू, मोहम्मद तौसीफ मौजूद थे।

वायुसेना के एयर शो में एंट्री फ्री, एसडीओ ने कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों का लिया जायजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची पहली बार भारतीय वायुसेना के भव्य एयर शो का गवाह बनने जा रही है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम 19 और 20 अप्रैल को नामकुम स्थित खोजा टोली आर्मी मैदान में आयोजित होगा। खास बात यह है कि इस रोमांचक एयर शो को देखने के लिए कोई टिकट नहीं लगेगा, यानी प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा।

इधर जिला प्रशासन भी इस एयर शो को सफल बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारी लगातार मैदान का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी कड़ी में एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने भी मंगलवार को तैयारियों का जायजा लिया और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को जल्द पूरा करने के निर्देश दिये।

सूर्यकिरण टीम दिखाएगी रोमांचक करतब : एयर शो सुबह 9:45 बजे से 10:45 बजे तक आयोजित होगा, लेकिन दर्शकों को सुबह 8:30 बजे तक मैदान में अपनी सीट पर पहुंच जाना होगा। इस शो की खासियत भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम होगी, जो आसमान में अद्भुत और हैरतअंगेज हवाई करतब दिखायेगी।

स्कूली बच्चों को किया गया आमंत्रित : 19 अप्रैल को स्कूली बच्चों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, ताकि वे वायुसेना के करतब को नजदीक से देख सकें और उससे प्रेरित हो सकें।

एयर शो वाली जगह समुचित बिजली की होगी व्यवस्था

वायुसेना एयर शो स्थल के लिए बिजली विभाग ने निकाला टेंडर

खबर मन्त्र संवादाता

रांची। एयर शो में बिजली से जुड़े कामों के लिए बिजली विभाग ने एक टेंडर (03/25-26) जारी किया है। टेंडर 17 अप्रैल 2025 को दोपहर 12:00 बजे से प्राप्त किया जा सकता है। इसे उसी दिन दोपहर 12:30 बजे तक जमा करना होगा और उसी दिन दोपहर एक बजे इसे खोला जायेगा। टेंडर की कीमत 1,250 रुपये रखी गयी है। इसके साथ 500 रुपये की जमा राशि भी देनी होगी। टेंडर से जुड़ी सभी शर्तें और पूरी जानकारी विभाग की वेबसाइट और विभागीय कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध है। बिजली विभाग ने अस्थायी बिजली कार्यों के लिए टेंडर निकाला है, ताकि एयर शो जिस जगह पर हो रहा है, वहां बिजली की कोई दिक्कत न हो।

झामुमो के 13वें महाधिवेशन की झलकियां

राजभवन में हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस समारोह, राज्यपाल बोले

हिमाचल प्रदेश सिर्फ देवभूमि ही नहीं, देश को आत्मनिर्भर बनाने में निभायी भूमिका

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की उपस्थिति में मंगलवार को राजभवन में हिमाचल प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर झारखंड में निवास कर रहे हिमाचल प्रदेश के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके लिए राजभवन को राजस्थान के लिए सजाया गया था।

हिमाचल की एक अलग विशिष्ट पहचान : राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश की नैसर्गिक सुंदरता, आध्यात्मिक विरासत और वीरता की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश न केवल देवभूमि के रूप में प्रसिद्ध है, बल्कि इसने भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी अहम भूमिका निभाई है।

विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान : राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और जैविक खेती जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल को हरित राज्य और जैविक कृषि केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता को करता है मजबूत : राज्यपाल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के महत्व पर बल देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी समरसता, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य भवन द्वारा विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवसों का आयोजन इस उद्देश्य की ओर एक सराहनीय पहल है।

संस्कृति और एकता का उत्सव

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ। निति कुलकर्णी ने कहा कि राज भवन द्वारा विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से न केवल राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और समझ भी विकसित होती है।

मंत्री हफीजुल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

जो संविधान का नहीं, वह देश का नहीं: आदित्य साहू

■ राज्यपाल को भाजपा सौंपेगी ज्ञापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मंत्री हफीजुल हसन के संविधान के अपमान पर भाजपा ने आंदोलन का मूड अख्तियार कर लिया है। मंगलवार को रातू रोड स्थित महानगर कार्यालय में भाजपा नेताओं की आवश्यक बैठक हुई। इसमें 17 अप्रैल को हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान के खिलाफ आंदोलन करने का फैसला लिया गया। विरोध प्रदर्शन जिला स्कूल से शुरू होकर राज भवन तक जायेगा। इसके बाद राज्यपाल को भाजपा द्वारा ज्ञापन सौंपा जायेगा। विरोध प्रदर्शन के तैयारी बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि भारतवर्ष में उसे व्यक्ति को रहने का अधिकार नहीं है। जो संविधान को नहीं मानता, उसे देश में रहने का कोई अधिकार नहीं। एक संवैधानिक पद पर बैठा हुआ व्यक्ति किस प्रकार संविधान का अपमान कर सकता है, हफीजुल हसन द्वारा दिये गये बयान से इनकी वैचारिक दरिद्रता स्पष्ट होती है। यह साफ पता चलता है कि उनकी निष्ठा संविधान में है ही नहीं। महानगर जिला के अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि हफीजुल हसन इस बयान के माध्यम से अपना इस्लामी एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। बैठक में मुख्य रूप से आदित्य साहू वरुण साहू, नवीन जायसवाल, शशांक राज, संदीप वर्मा, अमित सिंह, ललित ओझा, जितेंद्र वर्मा, बसंत दास आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दवा संस्था ने दी स्टील आलमीरा

रांची। समाज में जरूरतमंदों को सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध डॉक्टर्स वाइव्स एसोसिएशन (दवा) ने मगलवार को कोशिश नामक संस्था को एक स्टील आलमीरा दिया। यह जानकारी दीपा चौहान ने दी। इस मौके पर अध्यक्ष आरती सिंह, सचिव अंजू कुमारी सिंह, कोषाध्यक्ष सिंधु भदानी, शोभा कुमार, आरती सिन्हा, मधु गुप्ता, सुमिता कुमार, अंशु प्रिया, अंजलि झा एंव नीलम तिवारी, उपस्थित थीं।

हॉस्पिटल में कर्मचारी की मौत, हंगामा

रांची। हॉस्पिटल में कर्मचारी की मौत के बाद मृतक के परिजनों ने जमकर हंगामा किया। यह घटना मंगलवार को सदर थाना क्षेत्र के बरियातू रोड स्थित पेनेशिया हॉस्पिटल की है। जहां बिजली से करंट लगने से कर्मचारी की मौत हो गयी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजकर आगे की कार्रवाई कर रही है।

खबर एक नजर में

जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष ने सीबीआई कोर्ट में लगायी हाजिरी

रांची। जेपीएससी द्वितीय सिविल सेवा नियुक्ति घोटाले के आरोपी तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप प्रसाद समेत 10 आरोपियों ने सीबीआई कोर्ट में उपस्थिति दर्ज कराई। अदालत ने अगली उपस्थिति की तारीख 13 मई निर्धारित की है। उपस्थित दर्ज करानेवालों में दिलीप प्रसाद, तत्कालीन वरीय सदस्य राधा गोविंद नागेश, गोपाल प्रसाद सिंह, शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी, कोऑर्डिनेटर सोहन राम, बटेश्वर पंडित, अरविंद वीरेंद्र कुल्लू, सरस्वती गगरई एवं आरती बेहरा का नाम शामिल है। ये सभी आरोपी पूर्व से जमानत पर चल रहे है। मालूम हो कि सीबीआई ने 12 साल बाद जांच पूरी करते हुये बीते अक्तूबर महीने में 60 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इस पर अदालत ने पिछले महीने की सात तारीख को 64 आरोपियों के खिलाफ संज्ञान लेते हुए समन जारी किया है। मामला उपस्थित पर चल रहा है।

डॉ अंबेडकर आज भी अपने विचारों और दर्शन के कारण प्रासंगिक : डॉ टीके शांडिल्य

रांची। डीएसपीएमयू में मंगलवार को डॉ बीआर अंबेडकर की जयंती मनाई गयी। इतिहास विभाग में आयाजित जयंती समारोह में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने संविधान निर्माता डॉ बीआर अंबेडकर के व्यक्तित्व के विविध स्वरूपों को उपस्थित विद्यार्थियों के समक्ष रखा। कुलपति ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की परिकल्पना हिल्टन यंग कमीशन की सिफारिश पर की गई थी, जो अंबेडकर के लेख, रुपए की समस्या, इसका मूल और समाधान में दिए गए दिशा निदेर्शों से प्रेरित था। उन्होंने आगे कहा कि उनके प्रयास से ही कार्य के घंटों में कमी कर प्रति सप्ताह 48 घंटे कार्य करने का प्रावधान किया गया। उन्होंने मातृत्व लाभ के साथ बिना लैंगिक पक्षपात के , समान काम के लिए समान वेतन, के सिद्धांत को स्थापित करने में भी मदद की। डॉ शांडिल्य ने कहा कि यह तो सभी जानते है कि कानून के क्षेत्र में डॉ बीआर आंबेडकर की विशेषज्ञता और विभिन्न देशों के संविधान के ज्ञान भारतीय संविधान के निर्माण में बहुत मददगार साबित हुए। वह संविधान सभा की प्रारुप समिति के अध्यक्ष बनें और भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने संबोधन का अंत करते हुए कहा कि आज भी डॉ अंबेडकर के विचारों के कारण वह हमारे लिए प्रासंगिक है। इसके पूर्व कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य और उपस्थित शिक्षकों और विद्यार्थियों ने डॉ बीआर अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें स्मरण किया। इस अवसर पर इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ राजेश कुमार सिंह, शिक्षिका हनी कुमारी, शुभ्रा लकड़ा सहित 250 विद्यार्थियों की मौजूदगी थी।

वन वंधु परिषद रांची के अध्यक्ष बने अंचल किंगर और अजय दीप वाधवा बने महासचिव

रांची। वन बंधु परिषद रांची की वार्षिक आम बैठक का आयोजन आरोग्य भवन में हुआ। इस दौरान नई टीम की घोषणा की गई। अंचल किंगर को अध्यक्ष व अजय दीप वाधवा को महासचिव का कार्यभार सौंपा गया। कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप जैन, कोषध्यक्ष मोनिका जैन, सह कोषाध्यक्ष सुमन मीनोचा, उपाध्यक्ष जयदीप मोदी, मनोज तुलस्यान, विजया आजमानी एवं आनंद पसारी बने सह कोषाध्यक्ष दीपक श्रीवास्तव एवं संघठन सचिव मुकेश बजाज बने। महिला समिति की अनुपमा राजगारिया व अनीता तुलस्यान ने अध्यक्ष और सचिव का कार्यभार स्वीकृत किया। साथ ही युवा इकाई की कमान विशेष केडिया ने अपने हाथ में ली। सचिव के रूप में अभिनव मित्तल सामने आए।

बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट में सैकड़ों विद्यार्थी हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बायोम इंस्टीट्यूट की ओर से बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन संस्थान के न्यू नगड़ा टोली और हिनू स्थित सेंटर पर हुआ। ऑफलाइन टेस्ट में सैकड़ों विद्यार्थी शामिल हुए। एडमिशन टेस्ट में 9वीं, 10वीं, 11वीं कक्षा में शामिल हो रहे और 12वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल हुए। देर शाम बायोम इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर एडमिशन टेस्ट का रिजल्ट जारी कर दिया गया। सफल होने वाले विद्यार्थी बायोम इंस्टीट्यूट के 'बायोम जूनियर', फाउंडेशन और टार्गेट बैच में नामांकन ले सकेंगे। इंस्टीट्यूट का नया बैच 17 अप्रैल से शुरू होगा।

इंस्टीट्यूट के निदेशक पंकज सिंह ने कहा कि बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट में बेहतर अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को उनके मेरिट के आधार पर ट्यूशन फीस में 10 से 100 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। आने वाले दिनों में बायोम स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन 19 और 20 अप्रैल को बायोम इंस्टीट्यूट के सेंटर पर होगा। टेस्ट में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थी इंस्टीट्यूट के दोनों सेंटर से ऑफलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। बता दें कि बायोम इंस्टीट्यूट बिहार-झारखंड में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी भूमिका अदा कर रहा है। संस्थान के विद्यार्थियों ने लगातार दूसरी बार नीट-यूजी में 700 से अधिक अंक हासिल किया है।

टीएसी की बैठक आज, पेसा कानून पर फोकस

रांची। ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी (टीएसी) की बैठक 16 अप्रैल को 11.30 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। इस बार टीएसी की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। टीएसी के अध्यक्ष मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं और कल्याण मंत्री चमरा लिंडा उपाध्यक्ष हैं।

सीएनटी एक्ट: झारखंड का सबसे संवेदनशील मुद्दा, जिसमें आदिवासियों की जमीन हस्तांतरण के नियमों पर चर्चा होगी।

पेसा कानून: राज्य में पेसा कानून को लागू करने पर चर्चा होगी। यह कानून आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया है।

वनाधिकार अधिनियम: वनाधिकार अधिनियम के आदिवासी विरोधी प्रावधानों पर विचार किया जाएगा। यह अधिनियम आदिवासियों के वन अधिकारों को प्रभावित करता है।

लुगुबुरू में डीवीसी का हाईडल प्रोजेक्ट: आदिवासियों के धार्मिक स्थल पर हाईडल प्रोजेक्ट के निर्माण का विरोध किया जा रहा है। इस मुद्दे पर भी चर्चा होगी।

आकाश शैक्षिक सेवा संस्थान ने रांची में खोले दो नये सेंटर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आकाश शैक्षिक सेवाएं लिमिटेड ने जेइइ और नीट के लिए राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी को लेकर मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में क्रमशः बिरसा चौक और कांके रोड में अपने नए लर्निंग सेंटर का शुभारंभ किया। नये सेंटर का विधिवत संचालन 17 अप्रैल दिन गुरुवार से संचालित होगा। रांची में दों नाये सेंटर खोलने का मुख्य उदेश्य इस क्षेत्र के अधिक से अधिक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विशेष मार्गदर्शन प्रदान करना है।

संस्थान के दो नये सेंटर के शुभारंभ करने के मौके पर आकाश शैक्षिक सेवा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दीपक मेहरोत्रा ने कहा कि रांची में दो नये सेंटर खोलने की घोषणा करना शिक्षा के क्षेत्र में हमारे मिशन का महत्वपूर्ण कदम है। हमारा फोकस छात्रों को मजबूत अकादमिक आधार, सैद्धांतिक स्पष्टता के साथ नीट और जेइइ जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास के साथ सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि रांची में खुले दो नये सेंटर अनुभवी फैक्लटी, व्यापक अध्ययन सामग्री और एक ऐसा शिक्षण वातावरण प्रदान करेगा जो छात्रों की क्षमता को अधिकत्तम करने के लिए डिजाइन किया गया है।

उन्होंने कहा कि रांची में यह विस्तार हमारे उदेश्य के प्रति प्रतिवद्धता को दर्शाता है। इस मौके पर संस्थान के क्षेत्रिय निदेशक अजय बहादुर सिंह, निदेशक विजय कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल एवं मनीष कुमार अग्रवाल मौजूद थे।

छात्रों की परेशानी को लेकर अबुआ अधिकार मंच का विवि के प्रशासनिक भवन में धरना-प्रदर्शन

आरयू का नाम बदलने और छात्र संघ का चुनाव कराने को लेकर आम ने खोला मोर्चा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अबुआ अधिकार मंच के सदस्यों ने रांची विश्वविद्यालय का नाम डॉ रामदयाल मुंडा के नाम पर करने, विश्वविद्यालय प्रशासन की मनमानी एवं छात्र-छात्राओं की परेशानियां को लेकर रांची विवि के प्रशासनिक भवन में धरना प्रदर्शन किया। लगभग 3 घंटे चले इस धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं में विवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान रांची विवि के कुलपति से संपर्क करने पर पता चला कि कुलपति मेडिकल काउंसिल की मीटिंग में व्यस्त हैं। अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में छात्र-छात्राएं कुलपति से वार्ता को लेकर डेट हुए थे। इसके बाद विवि के कुलपति ने अबुआ अधिकार मंच के सदस्य से वार्ता के लिए 6 सदस्यों का टीम को भेजा, जिसमें मुख्य जिसमें मुख्य रूप से विवि के फाइनेंस अफसर डॉ प्रीतम कुमार, कुलसचिव डॉ गुरुचरण साहू, परीक्षा नियंत्रक डॉ विकास कुमार, सीसीडीसी प्रकाश झा, ओएसडी एग्जाम डॉ अरुण कुमार शामिल थे।

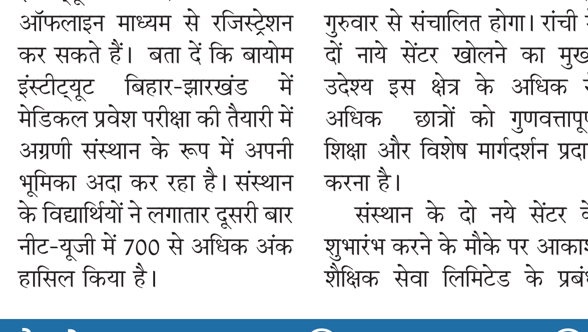

मौके पर अभिषेक शुक्ला, विपिन कुमार यादव, विशाल कुमार यादव, सुमित कुमार, गौरव कुमार, मनजीत कुमार, आकाश नयन, प्रभात महतो, नीरज यादव, सैफी, रोशन कुमार, प्रतीक चौधरी,वशिष्ठ राज गुप्ता, गौतम राणा, विक्रम, संतोष, गुंचा कमर, रूफी प्रवीण, ईशा गुप्ता, मनस्वी जयसवाल, मनु कुमारी, दिवाकर आदि थे।

कमेटी के सामने छात्रों ने रखी मांग

धरना के बाद वार्ता के दौरान अबुआ अधिकार मंच के अभिषेक शुक्ला ने रांची विवि का नाम डॉ रामदयाल मुंडा के नाम पर करने का प्रस्ताव राजभवन एवं राज्य सरकार भेजे जाने, विवि में छात्र संघ चुनाव अभिलंब कराने, विवि के पीजी एवं अन्य महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए इंटरनेट सुविधा बहाल कराने, नई शिक्षा नीति के अनुसार विवि में छात्र-छात्राओं के लिए किताब एवं शिक्षकों की व्यवस्था, रांची विवि परिसर में छात्र-छात्राओं के बैठने के लिए प्रतीक्षालय एवं शौचालय का निर्माण, रांची विवि के डीएसडब्ल्यू कार्यालय एवं खेलकूद विभाग भवन में स्वच्छ पेयजल को वॉटर प्यूरीफायर लगाने, रांची विवि द्वारा वर्तमान में संचालित यूजी, पीजी सत्र को समय सीमा के अंदर समाप्त करने, मोरहाबादी स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी को पूर्व की भांति रात 10 बजे तक खुला रखने, पीजी कैंपस साइंस ब्लॉक स्थित विश्वविद्यालय कैंटीन का रेट चार्ट फिक्स करने, पीजी विभाग के परफॉर्मिंग एवं फाइन आट्र्स में वॉटर प्यूरीफायर लगवाने तथा क्लासरूम की उचित व्यवस्था करने, विवि अंतर्गत आने वाले महाविद्यालय समेत पीजी विभाग के सभी विभागों में सफाई कर्मी की नियुक्ति, आट्र्स ब्लॉक में कैंटीन खोलने, पीजी विभाग के जिम के समय सारणी में बदलाव करने, 5000 छात्र-छात्राओं के बैठने की क्षमता वाला बहुउद्देशीय परीक्षा भवन निर्माण कराने की मांग विवि के पदाधिकारी के सामने रखी।

पेयजल एवं स्वछता की एकल लघु ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेल, कई जलमीनार बंद

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। पेयजल एवं स्वछता प्रमंडल राँची पश्चमी के द्वारा खलारी प्रखण्ड अंतर्गत एकल लघु ग्रामीण जलापूर्ति योजना के तहत जल जीवन मिशन (जेजेएम) सोलर जलमीनार का निर्माण हुटाप पंचायत के धवईया टाँड व भैंसा दोइन में वर्ष 2022-23 की योजना को 2024 में पूर्ण किया गया। लगभग एक वर्ष बीत जाने के बाद पहाडियो के तराई में बसे ग्रामीण स्वच्छ पानी के पानी के लिए दर दर भटक रहे है। पंचायत के धवाईया टाँड के ग्रामीण बेरनादेत कंडिर, मोनिका ओड़िया, उशेर्ला ओड़िया, सुसाना तिर्की, बेरोनिका बोदरा, अलिसाबा बोदरा, पुष्पा एक्का, शिला देवी, पुपेन सोय, लेवोस कंडिर, थॉमस ओड़िया ने बताया कि एक वर्ष पूरा भी नही हुआ कि जलमीनार से घर घर पानी आना बंद हो गया। जलमीनार से शुरू में घर घर पानी आ रही थी। लेकिन लगभग तीन माह के बाद पानी देना बंद हो गया। बगल में नदी बहती है उससे नित्य कार्य के लिए पानी का उपयोग में लाते है। इस वर्ष भीषण गर्मी पड़ने से नदी का जलस्त्रोत भी दिनों दिन कम हो गया। अगर नदी सुख जाएगा तो पानी के लिए दर दर भटकना पड़ेगा। ग्रामीणों ने स्थानीय मुखिया शिब्रत मुंडा से कई बार शिकायत करने पर भी अब तक जलमीनार का मरम्मती नही किया गया।

जल्द दुरुस्त किया जयेगा जलमीनार: पीएचडी विभाग व बीडीओ

पयेजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी दीपांकर ने बताया कि उक्त क्षेत्र ड्राई जॉन है। देख कर जल्द मरम्मती का कार्य शुरू कर दुरुस्त किया जाएगा। वही प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि मेरे जानकारी में नही था। उक्त जलमीनार को पीएचडी विभाग को त्वरित सूचित कर अग्रतर कार्रवाई किया जाएगा।

मानव श्रृंखला बना कर नये वक्फ कानून -2025 का किया विरोध

मानव श्रृंखला में शामिल लोग।

बुढ़मू/ठाकुरगांव। इतेहादुल अंजुमन कमेटी के मोहनपुर के नेतृत्व में वक्फ अधिनियम 2025 के विरोध में मंगलवार को बरौदी से मोहनपुर तक मानव श्रृंखला बनाकर विरोध किया गया। मानव श्रृंखला में बरौदी, खखरा, मोहनपुर, ठाकुरगांव, पतराटोली सहित आसपास के गांव से हजारों की संख्या में महिला पुरूष शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में वक्फ अधिनियम 2025 का विरोध किया। सभी के हाथ में 'वक्फ हमारा संवैधानिक अधिकार है', वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 रद्द करों, हमारा संवैधानिक अधिकार मत छिनो, वक्फ अधिनियम 2025 हमें मंजूर नहीं की तख्ती लेकर मानव श्रृंखला में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मजलिसे ओलमा झारखंड के मजाहिरी सदर मौलाना साबिर हुसैन ने कहा कि वक्फ हमारा धार्मिक मामला है इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की गई है। वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब और यतिम परिवार के मुस्लिमों के लिए होता है और इसमें सरकार गैर मुस्लिम अधिकारी का दखल मुस्लिम हित में बर्दाश्तनहीं होगा। कार्यक्रम का नेतृत्व इतेहादुल अंजना कमेटी के सदर एजाज अंसारी और संचालन सेकेट्री अनिसुल रहमान ने किया। मौके पर मंजूर अंसारी, जहरुद्दीन अंसारी, मजलूम अंसारी, मजिद जाकिर अंसारी, सहित हजारों की संख्या में महिला पुरूष शामिल थे।

सड़क हादसे में युवक घायल

बेड़ो। बेड़ो लोहरदगा मार्ग पर बेड़ो थाना क्षेत्र के पांडेपारा गांव के समीप असंतुलित होकर गिरने से बाइक सवार कुडू लोहरदगा निवासी 18 वर्षीय एक युवक अनिल मुंडा पिता सोमरा मुंडा घायल हो गया। घटना मंगलवार की अपराह्न करीब ढाई बजे हुई। जिसे ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां चिकित्सकों की देख रेख में घायल युवक का इलाज किया गया। घायल युवक ने बताया कि वह बेड़ो से अपने घर जा रहा था।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर राज्य सभा सांसद से मिला प्रतिनिधिमण्डल

खबर मन्त्र संवाददाता

राज्यसभा सांसद को मांगपत्र सौंपते प्रतिनिधिमंडल।

नामकुम। मंगलवार को प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष आरती कुजूर के नेतृत्व में प्रखंड के खिजरी, सिरखाटोली, सदाबहार चैक, बरगांवा, चाय बागान, कालीनगर के लोगों का एक प्रतिनिधि मण्डल राज्य सभा सांसद डॉ प्रदीप वर्मा से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमण्डल ने सांसद श्री वर्मा को बताया कि सदाबहार चैक दुर्गा मंदिर के सामने से शिशु विहार स्कूल होते कालीनगर फुटबॉल मैदान यउमराव साधो कुजूर स्मृति स्थल तक लगभग 2 किमी तक सड़क इस क्षेत्र के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जो बरगँवा और खिजरी की सीमा को जोड़ती है, यही सड़क झारखण्ड राज्य कर्मचारी चयन आयोग, सहकारिता भवन और तकनीकी विश्वविद्यालय को जोड़ती है साथ ही आम जनता के साथ-साथ स्कूल कॉलेज जाने वालों के लिए सुगम रास्ता है। किन्तु यह सड़क अत्यंत जर्जर अवस्था में है थोड़ा पानी पड़ने से सड़क तालाब में तब्दील हो जाता है। जिससे आम जनता के साथ साथ छात्र छात्राओ को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और यह स्थिति विगत पांच छह साल से अत्यंत भयावह हो गयी है। सड़क की जर्जर स्थिति के कारण कई दुर्घटनाये भी घट रही है, लोगो ने सांसद श्री वर्मा को सड़क निर्माण कराने के लिए मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से आरती कुजूर, पुष्पा चैधरी, संतोष चैरसिया, रमाकांत सिंह, प्रवीण कुमार, अरुण सिंह, साधो उरांव, पुष्पा टोप्पो, रवि सिंह, चंद्रकिशोर मिश्रा सहित अन्य लोग शामिल थे।

36 लाभुकों के बीच सिलाई मशीन का विततरण

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा आदिवासी समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 36 लाभुकों के बीच सिलाई मशीन का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख दीपा उरॉव उपस्थित थी। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल सोय, जेएसएलपीएस के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा, जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव अमाल खान, प्रखंड संयोजक एतवा उरांव एवं रेजाक अंसारी, आलम अंसारी, पंचायत समिति सदस्य शीला देवी, बोंगाईबेडा पंचायत के मुखिया हिरदू उरांव, संगीता कैथा और छोटेलाल महतो उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन जेएसएलपीएस की शबनम परवीन एवं मुकेश कुमार ने किया। वहीं इस आयोजन को सफल बनाने में मो. आफताब आलम, अष्टमी कुमारी, राखी देवी, राजीव रंजन, मो. रिजवान अंसारी और विजय आनंद का सराहनीय योगदान रहा। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

साईं नाथ विश्वविद्यालय में फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मंगलवार को साईं नाथ नर्सिंग कॉलेज में बी.एस.सी नर्सिंग, जी.एन.एम., ए.एन.एम. और बी.एम.एल.टी. के नवांगतुक विद्यार्थियों के स्वागत हेतु 'फ्रेशर्स फ्रेनजी' नामक रंगारग फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन साईं नाथ के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि कुलपति डॉ एस. पी. अग्रवाल एवं डॉ प्रतुल पी. नंद द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ की गई। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी विद्यार्थी हमारे भविष्य के स्वास्थ्य सेवकों के रूप में देश की सेवा करेंगे। अनुशासन, सेवा भावना और समर्पण को जीवन का हिस्सा बनाएं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न विभागों के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, डीन एकेडमिक भी उपस्थित रहे जिन्होंने नवांगतुक विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यार्थियों ने इस मौके पर रैंप वॉक के माध्यम से मंच की रौनक बढ़ाई, कार्यक्रम में मनोरंजक गतिविधियाँ और 'चीट सिस्टम' ने सभी को उत्साहित किया। कॉलेज के वरिष्ठ विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम के अंत में 'मिस फ्रेशर' और 'मिस्टर फ्रेशर' का चयन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि एस. पी. अग्रवाल ने बी.एस.सी नर्सिंग, जी.एन.एम., ए.एन.एम. और बी.एम.एल.टी. के नवांगतुक विद्यार्थियों में से चुने गए 'मिस फ्रेशर' और 'मिस्टर फ्रेशर' को ताज फहनाकर उपहार भेंट कर एवं शुभाशीर्वाद देकर पुरस्कृत किया।

अवैध ढंग से बेची जा रही भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद

इटकी पुलिस द्वारा बरामद शराब।

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी पुलिस ने थाना क्षेत्र के चचगुरा गांव में अवैध ढंग से बेची जा रही भारी मात्रा में विदेशी शराब को सोमवार को बरामद किया है। जिसमें गॉडफादर बियर 12, गॉडफादर केन बियर 25, हंटर किंग बियर 30, मैकडॉवेल्स विस्की 375 एमएल 6 पीस, 180 एमएल चार पीस, आईकॉन वाइट विस्की 375 एमएल चार और 180 एमएल 15 पीस शामिल हैं। यह कार्रवाई थाना प्रभारी मनीष कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिली थी कि चचगुरा गांव में एतवा उरांव अवैध ढंग से विदेशी शराब बेच रहा है। मामले में इटकी थाना में कांड संख्या 29/25, धारा 274/275 बीएनएस 47(a) उत्पादन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। छापामारी दल में मणिभूषण कुमार, सुनील कुमार मुर्मू सहित शास्त्र पुलिस बल शामिल थे।

खबर | एक नजर में

वज्रपात के चपेट में आने से बालक घायल

मांडर। थाना क्षेत्र के विशाहाखटंगा में मंगलवार शाम पांच बजे 13 वर्षीय बालक का वज्रपात की चपेट में आने से घायल हो गया। बताया जाता है कि 13 वर्षीय जोनस लकड़ा अपने घर के नजदीक हो रहे एक शादी समारोह में खाना बना रहे लोगों को तिरपाल पहुंचाने गया था, इसी दौरान अचानक हुई वज्रपात की चपेट में वह आ गया। परिजन उसे तत्काल लेकर रेफरल अस्पताल मांडर गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

बिजली चोरी करने वाले पर प्राथमिकी दर्ज

चान्हो। अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वालों के खिलाफ मंगलवार को विद्युत विभाग की ओर से सोंस गांव में छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान मुश्ताक खान, मो अयूब, मो इश्तियाक, मो आसिफ नवाज, मनोज कुमार साहू, रोहित कुमार, अजीत कुमार व मो मकसूद खान अवैध रूप से बिजली का प्रयोग करते हुए पाये गये। इनके विरुद्ध कनीय विद्युत अभियंता आशीष कुमार मुंडा ने बिजली की चोरी के आरोप को लेकर चान्हो थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है साथ ही इन पर 10 हजार से लेकर 22 हजार रुपये तक जुमार्ना भी लगाया गया है। छापेमारी अभियान में सहायक विद्युत अभियंता प्रेम दास, प्रधान सारणी बीके विश्वकर्मा, संविदाकर्मी अनवर अंसारी, शामिल थे।

विधायक ने दशर्कम हेतु सूखा राशन प्रदान किया

अनगड़ा। प्रखंड के बीसा पंचायत के ग्राम बीसा टोली में राममोहन लोहरा के दशर्कम हेतु खिजरी विधायक राजेश कच्छप के सौजन्य से सूखा राशन उपलब्ध कराया गया। इस मौके पर पंचायत सचिव पुसुवा लोहरा सहित गोन्दा लोहरा, दिलिप पहान, टिपू पहान, जीतलाल पहान, शिवशंकर लोहरा, जगेश्वर लोहरा, दिलिप लोहरा, सुखदेव लोहरा, जढ़ण लोहरा इत्यादि उपस्थित थे।

हाथी ने किया नुकसान, वन विभाग ने चेक सौंपा

खलारी। मांडर बुढ़मू वन क्षेत्र के खलारी बिट मैक्लुस्कीगंज पूर्व वन विभाग कार्यालय में हाथी से हुए नुकसान का मुआवजा राशि का चेक सौंपा गया। बीते वर्ष 2024 अगस्त माह में हाथी के उत्पात से किसानों व ग्रामीणों का मुआवजा राशि वितरण किया गया। अतिरिक्त प्रभार वनपाल अशफाक अंसारी व वन रक्षी सुनील एक्का ने बताया कि हाथी से हुए नुकसान का आकलन कर विभाग के द्वारा बैलगड़ा ग्राम के निवासी नानकु गंझू,विष्णु गंझू,अनिल गंझू का धान, टमाटर व बिन की फसल रौंद दिया था। जिसका आकलन कर विभाग ने क्षतिपूर्ति दिया गया। वही होएर ग्राम से विकास कुमार यादव, पानो देवी, बलवा देवी व मनातू यशोदा देवी को वन विभाग के द्वारा ड्राफ्ट चेक सौंपा गया। विभाग ने सात किसानों व ग्रामीणों को लगभग 50 हजार रुपये तक का मुआवजा राशि का चेक सौंपा गया।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

72वीं औपबंधिक सूची
जिला–गुमला (पार्ट–1)

क्र0	आवेदनकर्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
	विवरण– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी महेन्द्र उराँव एवं सीताराम उराँव के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
1.	1. आवेदन क्र0–01/25 2. आवेदक–अवधेश कुमार हौसदा (आश्रित पुत्र), पिता–स्व0 बलराम मांझी (आंदोलनकारी) 3. ग्राम–बंगरू, पोस्ट–पालकोट, थाना–पालकोट, प्रखण्ड–पालकोट 4. लिंग–पुरूष, आयु–36 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
2.	1. आवेदन क्र0–02/25 2. आवेदक–मारग्रेट समद, पति–सुरेसन पॉल समद 3. ग्राम–बघिमा, पोस्ट–बघिमा, थाना–पालको, प्रखण्ड–पालकोट 4. लिंग–महिला, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
3.	1. आवेदन क्र0–03/25 2. आवेदक–विक्रांत किसान (आश्रित पुत्र), पिता–स्व0 जयकुंवर किसान (आंदोलनकारी) 3. ग्राम–चिपरटोली, पोस्ट–लोटवा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड–पालकोट 4. लिंग–पुरूष, आयु–24 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
4.	1. आवेदन क्र0–04/25 2. आवेदक–केश्वर सिंह (आश्रित पुत्र), पिता–स्व0 श्यामसुन्दर सिंह (आंदोलनकारी) 3. ग्राम–चिपरटोली, पोस्ट–लोटवा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड–पालकोट 4. लिंग–पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिना हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
5.	1. आवेदन क्र0–05/25 2. आवेदक–रमेश नगेसिया, पिता–इन्द्र नगेसिया 3. ग्राम–कैम्बा, बन्दोडीह, पोस्ट–टैंगरडीह, थाना–पालकोट, प्रखण्ड–पालकोट 4. लिंग–पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
6.	1. आवेदन क्र0–06/25 2. आवेदक–बेनेदिक बिलुंग, पिता–स्व0 मतियस बिलुंग 3. ग्राम–कोलेंग, पोस्ट–कोलेंग, थाना–पालकोट, प्रखण्ड–पालकोट 4. लिंग–पुरूष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी बाबूलाल सिंह एवं मनोज वर्मा, जितवाहन साहु, बैरागी उराँव के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
7.	1. आवेदन क्र0–08/25 2. आवेदक–दामोदर तत्वा, पिता–स्व0 जगदीश तत्वा 3. ग्राम–नगर, पोस्ट–सिसई, थाना–सिसई, प्रखण्ड–सिसई 4. लिंग–पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
8.	1. आवेदन क्र0–193/25 2. आवेदक–केदारनाथ पाठक, पिता–स्व0 धनेश्वर पाठक 3. ग्राम–बरगांव, पोस्ट–बरगांव, थाना–सिसई, प्रखण्ड–सिसई 4. लिंग–पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में दाग।	कंडिका–2(ix)
9.	1. आवेदन क्र0–194/25 2. आवेदक–जैतुन टोप्पो, पिता–स्व0 सुलेमान टोप्पो 3. ग्राम–मकुन्दा, पोस्ट–सिसई, थाना–सिसई, प्रखण्ड–सिसई 4. लिंग–पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर मे घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी कृष्णा गोप के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री भुवनेश्वर महतो के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
10.	1. आवेदन क्र0–09/25 2. आवेदक–रबिनाथ गोप, पिता–स्व0 जयधर गोप 3. ग्राम–बनई बरटोली, पोस्ट–बनई, थाना–बसिया, प्रखण्ड–बसिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–चेहरे पर घाव का दाग।	कंडिका–2(ix)
11.	1. आवेदन क्र0–195/25 2. आवेदक–निर्मला देवी, पति–स्व0 आनन्द ततवा 3. ग्राम–बनई बरटोली, पोस्ट–बनई, थाना–बसिया, प्रखण्ड– बसिया 4. लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
12.	1. आवेदन क्र0–196/25 2. आवेदक–दलु उराँव, पिता–स्व0 सहनी उराँव 3. ग्राम–तुकई, पोस्ट– कुम्हारी, थाना–बसिया, प्रखण्ड– बसिया 4. लिंग–पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाये गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी अजीत कु0 विश्वकर्मा एवं बसन्त गोप के द्वारा आयोग के माननीय अध्यक्ष के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
13.	1. आवेदन क्र0–10/25 2. नाम–विजय तिग्गा, पिता–स्व0 जुलियस तिग्गा 3. ग्राम–पुगूबेहरा टोली, पोस्ट– गुमला, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
14.	1. आवेदन क्र0–11/25 2. नाम–एतवा उराँव, पिता–स्व0 सोहराई उराँव 3. ग्राम–मतादमचट्टी, पोस्ट– असनी, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें कपाल में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
15.	1. आवेदन क्र0–12/25 2. नाम–सुभाषित तिग्गा, पिता –स्व0 जुलियस तिग्गा 3. ग्राम–पुगूबेहरा टोली, पोस्ट– गुमला, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
16.	1. आवेदन क्र0–13/25 2. नाम–हितेश्वर भगत, पिता –महादेव भगत 3. ग्राम–फोरीकठिया टोली, पोस्ट– फोरी, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह– कपाल में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
17.	1. आवेदन क्र0–14/25 2. नाम–श्यामलाल साहु, पिता –बलबद्र साहु 3. ग्राम–पतराटोली, पोस्ट– नवागढ़, थाना– रायडीह, प्रखण्ड– रायडीह 4. लिंग– पुरूष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह– गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
18.	1. आवेदन क्र0–15/25 2. नाम–जयमंगल उराँव, पिता –स्व0 चुटिया उराँव 3. ग्राम–मोकरोअम्बाटोली, पोस्ट– नवाडीह, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–67 वर्ष, पहचान चिन्ह– छाती में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
19.	1. आवेदन क्र0–16/25 2. नाम–अलोइस मिंज, पिता –स्व0 निकोलस मिंज 3. ग्राम–बड़ा जिलिंगा, पोस्ट– सकरपुर, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
20.	1. आवेदन क्र0–17/25 2. नाम–मोहन राम, पिता –स्व0 भुटका राम 3. ग्राम–लक्ष्मननगर फसिया, पोस्ट– करौन्दी, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह– नाक में चेचक का निशान।	कंडिका–2(ix)
21.	1. आवेदन क्र0–18/25 2. नाम–रोपना खलखो, पिता –लोहरा खलखो 3. ग्राम– सकरपुर, पोस्ट– सकरपुर गम्हरिया, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नही।	कंडिका–2(ix)
22.	1. आवेदन क्र0–19/25 2. नाम–झरिया लोहरा, पिता –स्व0 मन्दन लोहरा 3. ग्राम– वृन्दा भण्डार टोली, पोस्ट– डुमरडीह, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ के बाँहें में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
23.	1. आवेदन क्र0–20/25 2. नाम–विनय विश्वकर्मा, पिता –स्व0 विजय विश्वकर्मा 3. ग्राम– सरनाटोली, पोस्ट– गुमला, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
24.	1. आवेदन क्र0–21/25 2. नाम–नान्दू खड़िया, पिता –स्व0 दुखा खड़िया 3. ग्राम– छिकिरमा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
25.	1. आवेदन क्र0–22/25 2. नाम–बासिल बारला, पिता –स्व0 मोरहा उराँव 3. ग्राम– फसियाडुबाटोली, पोस्ट– करौन्दी, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें कान के नीचे घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
26.	1. आवेदन क्र0–23/25 2. नाम–बिरिस मिंज, पिता –स्व0 दुखिया मिंज 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें पैर के अंगुठा में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
27.	1. आवेदन क्र0–24/25 2. नाम–अजीत कुमार इन्दवार, पिता –स्व0 रिमिस इन्दवार 3. ग्राम– कूलूकेरा फुटकल टोली, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें केहुनी में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
28.	1. आवेदन क्र0–25/25 2. नाम–सुमन कुमार केरकेट्टा, पिता –अल्फोस केरकेट्टा 3. ग्राम– फुटकल टोली, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–59 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
29.	1. आवेदन क्र0–26/25 2. नाम–शिव कुमार गुप्ता, पिता –स्व0 पारस नाथ साहु 3. ग्राम– सिसई रोड गुमला, पोस्ट– गुमला, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–67 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नहीं। ।	कंडिका–2(ix)
30.	1. आवेदन क्र0–27/25 2. नाम–राधेश्यामपाल सिंह, पिता –स्व0 मणीनन्दपाल सिंह 3. ग्राम– गिन्दारा, पोस्ट– केशीपारा, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें घुटना में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
31.	1. आवेदन क्र0–28/25 2. नाम–सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, पिता –स्व0 रामजी गुप्ता 3. ग्राम– दुन्दुरिया, पोस्ट– गुमला, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह– चेहरा में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
32.	1. आवेदन क्र0–29/25 2. नाम–तिन्तुस इन्दवार, पिता –स्व0 रिमिस इन्दवार 3. ग्राम– कूलूकेरा फुटकल टोली, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह– पेट में जले का निशान।	कंडिका–2(ix)
33.	1. आवेदन क्र0–30/25 2. नाम–झारी लोहरा, पिता –स्व0 बालकु 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
34.	1. आवेदन क्र0–31/25 2. नाम–अशोक कुमार राम, पिता –धनुलधारी राम 3. ग्राम– कूलूकेरा फुटकल टोली, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–36 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
35.	1. आवेदन क्र0–32/25 2. नाम–संजय साहु, पिता –रमन साहु 3. ग्राम– उमड़ा केराटोली, पोस्ट– बघिमा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–39 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें केहुनी में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
36.	1. आवेदन क्र0–33/25 2. नाम–रमेश राम, पिता –स्व0 सन्तोखी राम 3. ग्राम– अम्बेडकर नगर गुमला, पोस्ट– गुमला, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायेंक कन्धा में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
37.	1. आवेदन क्र0–34/24 2. नाम–जहाँआरा, पति –मो0 जलील अली 3. ग्राम– आजाद बस्ती गुमला, पोस्ट–गुमला, थाना– गुमला, प्रखण्ड–गुमला 4. लिंग–महिला, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
38.	1. आवेदन क्र0–35/25 2. नाम–गोपाल कुमार बर्मा, पिता –स्व0 रूप बर्मा 3. ग्राम– कूलूकेरा फुटकल टोली, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह– चेहरा में मासा तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
39.	1. आवेदन क्र0–36/25 2. नाम–अमृता लोहराईन, पति –स्व0 बुधवा लोहरा 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– महिला आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
40.	1. आवेदन क्र0–37/25 2. नाम–सुबोध लकड़ा, पिता –स्व0 रावेल लकड़ा 3. ग्राम– पानीसानी, पोस्ट– पालकोट, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
41.	1. आवेदन क्र0–38/25 2. नाम–जय प्रकाश सिंह, पिता –स्व0 बजरंगी प्रसाद सिंह 3. ग्राम– करौन्दी, पोस्ट– करौन्दी, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
42.	1. आवेदन क्र0–39/25 2. नाम–सारी लोहराईन, पति –बलराम यादव 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– महिला आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
43.	1. आवेदन क्र0–40/25 2. नाम–राम विलास सिंह, पिता –स्व0 मधुसुदन सिंह 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें केहुनी में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
44.	1. आवेदन क्र0–41/25 2. नाम–बलमती देवी, पति –मोहन बड़ाईक 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– महिला आयु–40 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
45.	1. आवेदन क्र0–42/25 2. नाम–मुन्ना लोहरा, पिता –स्व0 बालकु लोहरा 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
46.	1. आवेदन क्र0–43/25 2. नाम–पारस कुमार, पिता –स्व0 धुरन राम 3. ग्राम– कूलूकेरा फुटकल टोली, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह– दाहिनां हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
47.	1. आवेदन क्र0–44/25 2. नाम–उमापती देवी, पति –स्व0 मदन लोहरा 3. ग्राम– दमकारा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– महिला आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
48.	1. आवेदन क्र0–45/25 2. नाम–रामदेव बृजिया, पिता –फूर्दका बृजिया 3. ग्राम– हाडुप, पोस्ट– हाडुप, थाना–विशुनपुर, प्रखण्ड– विशुनपुर 4. लिंग– पुरूष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें पैर पर घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
49.	1. आवेदन क्र0–46/25 2. नाम–हजरत अली पिता –जलील मियां 3. ग्राम– सरगाँव, पोस्ट– डुड़िया, थाना–भरनो, प्रखण्ड– भरनो 4. लिंग– पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें पैर पर घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
50.	1. आवेदन क्र0–47/25 2. नाम–सरफुल अली पिता –नालिर अहमद 3. ग्राम– सरगाँव, पोस्ट– डुड़िया, थाना–भरनो, प्रखण्ड– भरनो 4. लिंग– पुरूष, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें पैर के घुटने में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी अजीत कु0 विश्वकर्मा, बसन्त गोप एंव महेन्द उराँव के द्वारा आयोग के माननीय अध्यक्ष के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।	
51.	1. आवेदन क्र0–48/25 2. नाम–भुनेश्वर उराँव, पिता –स्व0 दुखिया उराँव 3. ग्राम–डेविडीह, पोस्ट– खरका, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
52.	1. आवेदन क्र0–49/25 2. नाम–बुधु टोप्पो, पिता –स्व0 बालकु टोप्पो 3. ग्राम–पुगु खोपा टोली, पोस्ट–अरमई, थाना–गुमला, प्रखण्ड– गुमला 4. लिंग– पुरूष, आयु–49 वर्ष, पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
53.	1. आवेदन क्र0–50/25 2. नाम–कमलेश उराँव, पिता –स्व0 लछु उराँव 3. ग्राम–कोरेकेरा कांड़टोली, पोस्ट– लोटवा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–56 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें पैर के अंगुठे में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
54.	1. आवेदन क्र0–51/25 2. नाम–पावेन मिंज, पति –स्व0 विश्राम मिंज 3. ग्राम–सारूबेड़ा चिरोडांड़, पोस्ट– ओबिरा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– महिला, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें गाल में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
55.	1. आवेदन क्र0–52/25 2. नाम–लाधु उराँव, पिता –करमा उराँव 3. ग्राम–तपकरा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–64 वर्ष, पहचान चिन्ह– छाती में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
56.	1. आवेदन क्र0–53/25 2. नाम–सुकरू खड़िया, पिता –स्व0 गोगो खड़िया 3. ग्राम–लोधमा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–50 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें पैर में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
57.	1. आवेदन क्र0–54/25 2. नाम–बंधना खड़िया, पिता –चैतु खड़िया 3. ग्राम–लोधमा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–66 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
58.	1. आवेदन क्र0–55/25 2. नाम–मंगरू दास, पिता –बिरसा दास 3. ग्राम– पोजेंगा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह– बायें ठेहुना में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
59.	1. आवेदन क्र0–56/25 2. नाम–मनोज लोहरा, पिता –भंवरा लोहरा 3. ग्राम– पोजेंगा, पोस्ट– पोजेंगा, थाना–पालकोट, प्रखण्ड– पालकोट 4. लिंग– पुरूष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह– दायें हाथ में कट का निशान।	कंडिका–2(ix)

नोट :–
1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. यह सूची आयोग के द्वय सदस्यों द्वारा स्थानीय जांच शिविर/कार्यालय में जांच कर आवेदन पर दर्ज बयान के आधार आवेदन प्रपत्र की कण्डिका 14(ग) के आलोक में प्रकाशित की गयी है।
3. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
4. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 350376 Home(25-26)D

खनिजों पर एकाधिकार

कम से कम 2010 से यह बात ज्ञात है कि चीन चुनिंदा अहम खनिजों पर एकाधिकार करना चाह रहा है और वह इस एकाधिकार का इस्तेमाल आर्थिक दबदबा कायम करने के लिए करेगा। यही वह साल था जब चीन ने पहली बार इसे हथियार की तरह बरतते हुए अहम भू-खनिजों का जापान की कंपनियों को किया जाने वाला निर्यात रोक दिया था। उस समय दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ा हुआ था। तब से अब तक अन्य देशों के पास पर्याप्त अवसर था कि वे वैकल्पिक क्षमताएं विकसित कर लेते। दुर्भाग्यवश कई देशों में अलग-अलग नए नीतिगत मिशन स्थापित होने के बाद भी आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का प्रभावी नियंत्रण बरकरार है। अमेरिकी कंपनियों ने खासतौर पर अक्षम्य आलस्य बरता है। इसके वैश्विक परिणाम बहुत परेशानी खड़ी करने वाले हो सकते हैं। खासतौर पर इलेक्ट्रिक कारों को अपना रही कार कंपनियों को अहम चुंबक हासिल करने में संघर्ष करना होगा। इसी तरह ड्रोन, रोबोटिक्स और मिसाइल विनिर्माण को भी आपूर्ति क्षेत्र की दिक्कतों का सामना करना होगा। ये चिंताएं भारत के औद्योगिक क्षेत्र में भी कई को परेशान करने वाली हैं। सरकार ने देश में दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति के लिए लंबे समय तक सरकारी क्षेत्र पर भरोसा किया। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय भंडारों में इनकी समुचित तलाश नहीं हो सकी। इस नियंत्रणकारी मानसिकता ने निजी क्षेत्र की रुचि को सीमित कर दिया जबकि हाल के वर्षों में कई ब्लॉक खनन के लिए खोले भी गए। सरकार ने भी सक्रियता से आयात के नए केंद्र नहीं तलाशे। भारत को नए कच्चे माल हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए लेकिन साथ ही उसे प्रक्रियागत क्षमता को भी चिह्नित करना चाहिए। इसमें धातु कर्म में संलग्न इंजीनियरों की संख्या बढ़ाना अहम है। ये आपूर्ति श्रृंखला का अहम हिस्सा हैं।

आज का राशिफल

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यो को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या : अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-5-6

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

जलवायु संकट की चुप्पी में दबी औरतों की पुकार

- प्रियंका सौरभ

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। इसके मानवीय चेहरेझ विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई जेंडर न्यूट्रल आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू जिम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता हैझ कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के जहरीले मिलन के रूप में।

बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही सीमित हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य समस्याएं बनती जा रही हैं, इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है।

भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है तो सबसे पहले और सबसे ज्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज. का एक और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा।

बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात अम्फान के दौरान सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है। बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती हैझजिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है लेकिन जरूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है।

> बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33प्रतिशत की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोचझ ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए अत्यावश्यक हैझ खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनोंझ जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा।

ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। इसके लिए जरूरत है कि हम उन्हें केवल ह्यसहायता की पात्र न मानें, बल्कि साझेदार के रूप में देखें।

बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा। एक महिला जब सूखते हुए तालाब की मिट्टी कुरेदकर अपने बच्चे के लिए पीने का पानी निकालती हैं तो वह सिर्फ मातृत्व नहीं बल्कि जलवायु संकट की सबसे त्रासद छवि बन जाती है। अब वक्त है कि नीति, विज्ञान और समाज- तीनों मिलकर उसकी आवाज को गंभीरता से सुनें।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लेटर टू एडिटर

सौर ईंधन

देश में पेट्रोल-डीजल की खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। जब खपत में वृद्धि होगी तो इसकी कीमतों में भी उछाल आएगा। ऐसी स्थिति में सरकार को सौर ऊर्जा संयंत्रों और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर ध्यान देने की जरूरत है। हाल ही में चीन ने सौर ऊर्जा से चलने वाले वाहन बनाए हैं जो सूर्य ऊर्जा न रहने पर भी काम करेगा। इस पर तकनीकी रूप से बहुत ज्यादा काम हुआ है। भारत को भी ऐसा करने की जरूरत है। तभी पेट्रोल-डीजल की खपत और और इसकी बढ़ती कीमतों से निजात मिल सकती है।

-राहुल उपाध्याय, रांची

नशे का कारोबार

देश में बढ़ते नशीले पदार्थों की तस्करी पर चिंता व्यक्त करने वाला था। देश में नशीले पदार्थों की चोरी-छिपे खेप पड़ोसी देश अफगानिस्तान से ईरान के रास्ते हमारे देश में पहुंचती है। नशीले पदार्थों के गोरख धंधों के लिए इंटरनेट की आधुनिक तकनीक तथा कोरियर सर्विस का इस्तेमाल किया जा रहा है। **- रवि, गुमला**

X ट्वीट

आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है, पार्टी के लाखों साथियों ने मुझ पर जो विश्वास जताया है उसे दिन-रात कड़ी मेहनत कर पूरा करने का काम करूंगा। आप सभी का यही साथ ही मेरी ताकत है। आदरणीय बाबा के मार्गदर्शन में वीर पुरुखों के सपनों को साकार करने के लिए मैं दोगुनी ताकत के साथ राज्यवासियों की सेवा के लिए आगे बढ़ूंगा। आप सभी के अपार स्नेह और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद, आभार।

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा जिंदाबाद!

दिशोम गुरु शिबू सोरेन जिंदाबाद!

जय झारखण्ड!

- हेमंत सोरेन, सीएम

प्राइवेट स्कूल और हॉस्पीटल का खेल: आम आदमी की जेब पर हमला

समाज

-डॉ सत्यवान सौरभ

भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी अधिकार आज निजी संस्थानों के लिए मुनाफे का जरिया बन चुके हैं। प्राइवेट स्कूल सुविधाओं की आड़ में अभिभावकों से मनमाने शुल्क वसूलते हैं। ड्रेस, किताबें, यूनिफॉर्म, कोचिंग...सब कुछ महँगा और अनिवार्य बना दिया गयाहै। वहीं, प्राइवेट हॉस्पिटल डर और भ्रम का माहौल बनाकर मरीजों से मोटी रकम वसूलते हैं। सामान्य बीमारी को गंभीर बताकर महंगी जांच, दवाइयाँ और भर्ती का दबाव बनाया जाता है। इन संस्थानों के पीछे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण है, जिस कारण कोई कठोर कार्रवाई नहीं होती। सबसे अधिक संकट में मध्यम वर्ग पर है, जिसे न सरकारी सेवाओं पर भरोसा है, न प्राइवेट सिस्टम से राहत।

भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले ले तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है।

शिक्षा या व्यापार? प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस आदि। हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी अधिकृत वेंडर से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर से दोगुना होता है, क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है। दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क और फिर ट्यूशन। ऐसे में बच्चे के लिए खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है '99 प्रतिशत लाओ'। जब ये नंबर नहीं आते तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है। स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का कामअब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा कमाई पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही पर्ची कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, आईसीयू और एडवांस पेमेंट की माँग और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं, मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर 'मोर्चरी चार्जेस', 'फ्रीजर चार्जेस' आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है।सरकार की चुप्पी क्यों? इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता। सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल, हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। आखिर ऐसा क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का। सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल झ ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

मध्यम वर्ग की त्रासदीगरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएँ बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है और फिर उसी जाल में फँस जाता है। एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही।

झारखंड से अम्बेडकर को था विशेष लगाव

सामयिक

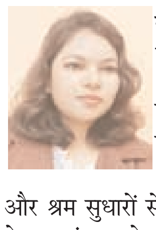

रानी राज

अंबेडकर एक समाज सुधारक, अर्थशास्त्री और श्रम सुधारों से भी जुड़े थे। वे झारखंड आये थे यहाँ खनिज श्रमिकों जैसे कोयला और अभ्रक के हाल जानने और उनके बेहतरी के लिए प्रयास भी किये। यहां के श्रमिकों के जायजा का अच्छा परिणाम पूरे देश के श्रमिकों को मिला। उन्होंने झारखंड बनने से आधी सदी पूर्व ही बिहार - झारखंड बंटवारे का समर्थन कर दिया था। उन्होंने झारखंड के धनबाद और कोडरमा शहरों का दौरा श्रमिकों के स्तिथि जांचने के लिए किया था। उनके विद्वत्ता और कानूनी ज्ञाता होने कारण 1942 से 1946 तक वायसराय की कार्यकारी परिषद का श्रम सदस्य नियुक्त किया गया। इसी क्रम में वे ब्रिटिश शासन के अंतिम दिनों में 9 दिसंबर 1943 को श्रम सदस्य डॉ. बी.आर. अंबेडकर, श्रम विभाग के सचिव माननीय श्री एच.सी. प्रायर और श्रम कल्याण सलाहकार श्री आर.एस. निंबलकर ने कोयला क्षेत्रों में काम करने की स्थितियों का अध्ययन करने के लिए धनबाद का दौरा किया। आगमन के तुरंत बाद श्रम सदस्य अंबेडकर झरिया के भुलन - बरारी कोलियरी पहुंचे। धनबाद में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने कोयला उत्पादन बढ़ाने और कोयला क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए नियोक्ताओं और कर्मचारियों के साथ प्रस्तावों पर चर्चा की। ह्रसुरक्षा टोपीह्न पहने हुए,अम्बेडकर 400 फीट भूमिगत खदान में गए, जहाँ उन्होंने श्रमिकों को कोयला काटते देखा। कुछ महिला श्रमिक भी काम पर थीं। निरीक्षण के दौरान, डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों के साथ उनके वेतन और आय के बारे में बातचीत की। इसके बाद श्रम सदस्य कोलियरी के आसपास के श्रमिकों के क्वार्टर में चले गए। उन्होंने श्रमिकों के क्वार्टर में प्रवेश के लिए हम अंदर आ सकते हैं- विनम्र शब्दों के साथ अनुमति प्राप्त की। लेबर मेंबर ने घर में प्रवेश करने की अनुमति ली, जो तुरंत दे दी गई। उन्होंने घर के फर्नीचर और अन्य सामान का निरीक्षण किया। फिर उनको इस कोलियरी के मालिकों द्वारा बनाए गए अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ लेबर मेंबर ने कुछ इनडोर रोगियों के साथ बातचीत की। उन्हें महिला श्रमिकों के लिए एक विशेष वार्ड में भी ले जाया गया। इसके बाद वे अपने अन्य सदस्यों के साथ डिगवाडीह कोलियरी गए , जहां उन्होंने कोयला उत्पादन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आधुनिक संयंत्र और उपकरण देखे। यहां श्रमिकों के लिए बनाए गए विभिन्न प्रकार के घरों को देखा। उन्होंने तिसरा कोलियरी का भी निरीक्षण किया । अगले दिन यानी 10 दिसंबर को वे रानीगंज कोल माइंस गए और उत्पादन प्रणाली और मजदूरों की समस्याओं का अध्ययन किया। धनबाद लौटते समय श्रम सदस्य बेगुनिया कोलियरी में श्रमिकों की कॉलोनी में बने ढौरा (एक कमरे वाले मकान) देखने गए। कमरे अंधेरे में था। एक में, एक बछड़ा, कुछ सूखी घास चबाते हुए, छोटे बरामदे में था । डॉ. अंबेडकर ने निवासियों के साथ बातचीत की। शनिवार 11 दिसंबर 1943 को कोयले की मौजूदा कमी के कारण और इसे दूर करने के उपायों पर धनबाद में एक सम्मेलन में चर्चा की गई, जिसमें केंद्र सरकार, बंगाल और बिहार सरकार, तीन खनन संघों और श्रम के प्रवक्ताओं के प्रतिनिधि शामिल हुए। डॉ. अंबेडकर ने इसकी अध्यक्षता की। इसमें विश्वयुद्ध के कारण कोयला उत्पादन और खाद्यान उत्पादन को तेज करने पर चर्चा हुई। आवश्यक वस्तुओ के राशनिंग एवं मजदूरी दरों को बढ़ाने पर भी चर्चा की गई।

28 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर ने श्री मजूमदार, डॉ. क्लेग और श्री क्रॉसफील्ड के साथ एक अभ्रक खदान और एक अभ्रक कारखाने का दौरा किया।

राजधानी रांची के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय कला को बेहतरीन ढंग से उकेरा गया है। तस्वीर अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

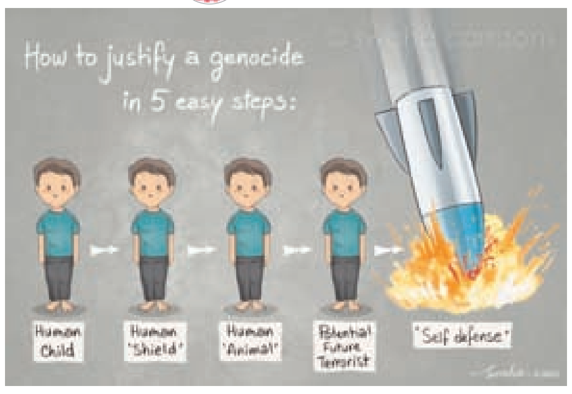

स्पीड न्यूज

कुसुंभा में पोषण पकवान प्रदर्शनी मड़ुआ रोटी बनी खास आकर्षण

विष्णुगढ़। प्रखंड के कुसुंभा पंचायत सचिवालय में आंगनवाड़ी सेविका-सहायिकाओं द्वारा पोषण पकवान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें पारंपरिक घरेलू खाद्य सामग्री से तैयार विभिन्न व्यंजन पेश किए गए। खासतौर पर बिना तेल के बनी मड़ुआ रोटी को लोगों ने खूब सराहा, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद मानी गई। प्रदर्शनी में कुल आठ आंगनवाड़ी केंद्रों की सेविकाओं और सहायिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत मुखिया दुलारचंद पटेल ने कहा कि गर्भवती और धात्री महिलाओं के लिए यह पोषक आहार काफी लाभदायक है, जिससे मां और शिशु दोनों स्वस्थ रहते हैं। प्रतियोगिता में उमा देवी (अलखरी खुर्द) ने पहला, जयंती देवी (कुसुंभा) ने दूसरा और आयशा नूरी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मौके पर पंचायत समिति सदस्य चिंता देवी, समाजसेवी हीरामन महतो, प्रदीप कुमार महतो, सुरेश मुर्मू सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज की बैठक और अवतरण दिवस समारोह आयोजित

अवतरण दिवस समारोह आयोजित

विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ के राम मंदिर परिसर में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज की बैठक और एक अवतरण दिवस समारोह का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष दिनेश्वर पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए सभी सदस्यों को मिलकर कार्य करना होगा।समाज के चौधरी शम्भूनाथ पांडेय ने कहा कि संगठन को बेहतर ढंग से चलाने के लिए आपसी सहयोग और जरूरतमंद सदस्यों की मदद को प्राथमिकता देनी चाहिए। बैठक के दौरान समाज के सदस्य बिरेन्द्र पांडेय की नतनी का अवतरण दिवस भी मनाया गया, जिसमें बच्ची को चंदन लगाकर सभी सदस्यों ने आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सचिव राम राम प्रसाद पांडेय, उपाध्यक्ष जनार्दन पांडेय, देवेंद्र मिश्र, कोषाध्यक्ष अनिल मिश्र, उमेश पांडेय, अजीत मिश्र, प्रदीप पांडेय, ओम प्रकाश वैध, सुबोध पांडेय, संजय मिश्र, रवि मिश्र और युवराज पांडेय समेत समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

चुरचू में विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

चरही। चुरचू प्रखंड सभागार में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हजारीबाग के द्वारा एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक ने की। इस अवसर पर आम जनता को कानून संबंधी विभिन्न जानकारियाँ दी गईं। जिला से आए अधिवक्ता मुकेश कुमार और विकास कुमार सोनी ने लोगों को उनके कानूनी अधिकारों और सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे आम नागरिक विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं और कौन-कौन सी परिस्थितियों में उन्हें यह सुविधा मिलती है। इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित राम, चुरचू पंचायत के मुखिया, जेएसएसपीएल के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित रही।

कर्णपुरा महाविद्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती

बड़कागांव। बड़कागांव स्थित कर्णपुरा महाविद्यालय में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती प्राचार्य प्रो. कीर्तिनाथ महतो की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य ने डॉ. अंबेडकर को भारतीय संविधान का मुख्य शिल्पकार बताते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में प्रो. निरंजन प्रसाद नीरज ने डॉ. अंबेडकर को सामाजिक न्याय और समानता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता और संविधान की गरिमा को बनाए रखना चाहिए।

पुलिस अधीक्षक ने अपराध गोष्ठी का किया आयोजन

रामगढ़। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय रामगढ़ स्थित सभागार में मंगलवार को अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से कोर्ट से संबंधित मामलों, लंबित कांडों, अति संवेदनशील कांडों (हत्या, पोक्सो, आगजनी, नक्सल, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, ए०डीपीएस, लूट, डकैती, गृहभेदन, चोरी आदि) की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में टीएसपीसी/पीएलएफआई के सक्रिय सदस्यों का प्रोफाईल तैयार करने, प्रत्येक दिन थाना/ओपी प्रभारी द्वारा थाना में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों के साथ मॉर्निंग मीटिंग कर टास्किंग करने हेतु निर्देश दिया गया। साथ ही जन शिकायत के प्राप्त मामलों पर अविलम्ब कार्रवाई करने, लंबित सम्मन, वारण्ट, कुर्की, पासपोर्ट, चरित्र सत्यापन, पीजी पोर्टल, आयोग से संबंधित मामलों, लंबित मालखाना का त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादित करने, महिला उत्पीड़न (पोक्सो एवं बलात्कार) के मामलों को 2 माह के अन्दर निष्पादन करने, सड़क सुरक्षा से संबंधित उपायों एवं जागरूकता अभियान चलाने, हिट एण्ड रन मामलों के पीड़ितो को ससमय मुआवजा दिलवाने, डायल 112 में प्राप्त होने वाले शिकायतों का स-समय निपटारा करने, गिरफ्तार आरोपियों के फिंगर प्रिंट को एनएएफआइएस पर अपडेट करने, पुराने मामलों में आरोपियों को स-समय अदालत में उपस्थित कराने, अस्पतालों की सुरक्षा, न्यू क्रिमिनल ला के तहत ई-साक्ष्य एप का उपयोग करने हेतु निर्देश दिया गया।

पेट्रोल पंप कर्मी की दिनदहाड़े हत्या

15 लाख लूट कर अपराधी हुए फरार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब गोलियों की गूंज आम होती जा रही है। मंगलवार की सुबह एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया, जिसने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। मामला हजारीबाग जिले के इचाक प्रखंड स्थित सलफरनी क्षेत्र का है, जहां एक पेट्रोल पंप के मैनेजर शंकर रविदास की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना लगभग सुबह 10:30 बजे की है। त्योहारों की वजह से पिछले कुछ दिनों से बैंक बंद थे, जिसके कारण पेट्रोल पंप की बड़ी राशि शंकर के पास जमा होती जा रही थी। जैसे ही बैंक खुले, शंकर रविदास करीब 14 से 15 लाख रुपये

लेकर स्थानीय बैंक की ओर निकले। लेकिन यह सफर उनकी ज़िंदगी का आखिरी सफर साबित हुआ। साजिश के तहत पहले से घात लगाए अपराधियों ने सिजवा हाई स्कूल के पास उन्हें घेर लिया और गोली मार दी। स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल शंकर को आरोग्यम अस्पताल पहुंचाया, लेकिन रास्ते में ही उनकी सांसें थम चुकी थीं। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद हजारीबाग एसपी अरविन्द कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया है। वहीं, युवाओं और स्थानीय नेताओं ने प्रशासन से दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। आदर्श संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार ने कहा कि पुलिस हर एंगल से जांच करे और मृतक के परिजनों को न्याय दिलाए। फिलहाल पुलिस की टीम जांच में जुटी है और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस सनसनीखेज वारदात का पदार्फाश होगा।

हजारीबाग में बढ़ती आपराधिक घटनाएं, एक और हत्या से सनसनी

हजारीबाग में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। अभी चार दिन पहले खिरगांव में प्रभात कुमार की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसका अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। इस बीच मंगलवार सुबह 10:30 बजे इचाक के सालपर्णी पेट्रोल पंप पर कार्यरत शंकर रविदास की भी दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। लगातार हो रही हत्याओं से जिले में दहशत का माहौल है और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस अब तक खाली हाथ है।

हजारीबाग जिले में हाल के महीनों में हुई प्रमुख हत्याओं की सूची निम्नलिखित है

1. मंजीत यादव (29 अक्टूबर 2024)
स्थानः खिरगांव, हजारीबाग
विवरणः रामनवमी महासमिति के पूर्व अध्यक्ष और जमीन कारोबारी मंजीत यादव की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवार अपराधियों ने माउजर और रिवॉल्वर से कम से कम चार गोलियां चलाई।

2. प्रकाश ठाकुर (29 नवंबर 2024)
स्थानः चेपाकला गाँव, बड़कागांव
विवरणः रात लगभग 11 बजे, अपराधियों ने प्रकाश ठाकुर के घर में घुसकर उनके माथे में तीन गोलियां मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद अपराधी उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर फरार हो गए।

3. उदय साव (2 दिसंबर 2024)
स्थानः झील रोड, हजारीबाग
ड्ड विवरणः कटकमदाग प्रखंड प्रमुख विनीता कुमारी के पति उदय साव की नौ हमलावरों ने घेरकर गोली मारकर हत्या कर दी। उन्हें सिर में तीन गोलियां लगीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

4. दीपक सिंह (5 दिसंबर 2024)
स्थानः गिद्धी, हजारीबाग
विवरणः दीपक सिंह की हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

5. त्रिवेणी राणा (11 दिसंबर 2024)
स्थानः जलैहया पुल के पास, गोरहर थाना क्षेत्र
विवरणः 65 वर्षीय बुजुर्ग त्रिवेणी राणा की गले में गमछा बांधकर हत्या कर दी गई। उनका शव सुनसान इलाके में मिला।

6. कुमार गौरव (8 मार्च, 2025)
स्थानः फतहा चौक, कटकमदाग
विवरणः नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन के अधिकारी कुमार गौरव की गोली मारकर हत्या। केरेडारी कोयला खदान में तैनात एनटीपीसी के उप महाप्रबंधक (डीजीएम-डिस्पैच) कुमार गौरव काम पर जा रहे थे, तभी दो अज्ञात लोगों ने उन पर गोलियां चला दीं।

7. रेखा भारती (16 मार्च 2025)
स्थानः मटवारी के कृष्णापुरी, अर्धनिर्मित अपार्टमेंट के नीचे
विवरणः अचेत अवस्था में मिली थी रेखा भारती दो दिन तड़पने के बाद तोड़ा दम, पति पर लगा था हत्या का आरोप।

भुरकुंडा बाजार में भीषण आग दो दुकानें जलकर राख

25 लाख की क्षति का अनुमान, घटना सुबह 4 बजे की

समय पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने टाली बड़ी घटना

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा बाजार स्थित सहेली स्टोर और सहेली मेचिंग सेंटर में मंगलवार की सुबह लगभग 4 बजे भीषण आग लग गई। इस हादसे में दोनों दुकानों में रखे करीब 25 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही 20 मिनट के भीतर रामगढ़ से अग्निशमन दल और जिंदल कंपनी पतरातू के सीएसओ डीपी साहू के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बाजार में बड़ी त्रासदी हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सांसद प्रतिनिधि राकेश सिन्हा जब रेलवे स्टेशन से लौट रहे थे, तभी उन्होंने आग की लपटें देखीं और तुरंत भुरकुंडा ओपी

दुकान में लगी भीषण आग।

दुकान में रखा समान जलकार खाक

प्रभारी निर्भय गुप्ता को सूचित किया। प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए फायर ब्रिगेड को सूचना दी और खुद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। हालांकि आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक दोनों दुकानें पूरी तरह से जल चुकी थीं। इन दुकानों के मालिक सगे भाई अरविंद श्रीवास्तव और अरुण श्रीवास्तव हैं। सहेली स्टोर के संचालक अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि शादी-विवाह के सीजन को देखते हुए उन्होंने भारी मात्रा में श्रृंगार सामग्री खरीदी थी। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि करीब 25 लाख रुपये का सामान जल गया, अब हम सड़क पर आ गए हैं। वहीं, सहेली मेचिंग सेंटर के संचालक अरुण श्रीवास्तव अपनी आपबीती बताते हुए फफक-फफक कर रो पड़े। उन्होंने बताया कि उनकी 5 लाख रुपये की पूंजी आग की भेंट चढ़ गई। फिलहाल, आग लगने के कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। भुरकुंडा पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

चार साल के मासूम के ऊपर चढ़ा स्कूल वैन, हुई मौत

मृतक बच्चे को गोद मे लिए दादी व इनसेट में मृतक का फाइल फोटो

खबर मन्त्र संवाददाता

कुजू। ओपी क्षेत्र के आरा उत्तरी पंचायत के डुमरबेडा अगरिया टोला में स्कूल की वैन की चपेट में आने से एक 4 साल के मासूम बच्चे की मौत हो गयी। घटना के बाद परिजनों द्वारा आनन-फानन में इलाज के लिए रांची रोड स्थित द हॉप हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार आरा स्थित बाल विद्या मंदिर के एलकेजी के छात्र मो जिहब आलम (4 वर्ष) छुट्टी होने के बाद स्कूल वैन संख्या जेएच02बीबी-2697 से डुमरबेडा अगरिया टोला पहुंचकर जैसे ही घर

मृतक बच्चा आरा बाल विद्या मंदिर के एलकेजी का छात्र था

मुआवजा को लेकर परिजनों व स्कूल प्रबंधन के बीच हुआ वार्ता

जाने के लिए आगे बढ़ा वैसे ही वैन ने अपनी चपेट में ले लिया। वैन का आगे का चक्का उसके सिर पर चढ़ गया। घटना के बाद चालक इकरार मियां फरार हो गया। बाद में कुजू पुलिस की मौजूदगी में परिजनों व स्कूल प्रबंधन के बीच वार्ता हुआ। जिसमें परिजनों व ग्रामीणों द्वारा स्कूल प्रबंधन से उचित मुआवजा की मांग की। समाचार लिखे जाने तक वार्ता चल रहा था।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर, चालक की मौत

रजरप्पा। रजरप्पा थाना क्षेत्र के चामरोम गाँव स्थित कोचीनाला में मंगलवार की सुबह एक अनियंत्रित ट्रैक्टर पलट गई। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक कृष्णा महतो (25 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत रजरप्पा थाना पुलिस को सूचना दी. सूचना पाकर रजरप्पा थाना के एएसआई रंजीत महतो घटनास्थल पर पहुंचे।

शपथ पत्र

छतरपुर प्रखंड मुख्यालय अन्तर्गत पट सारा निवासी बिंदु यादव ने शपथ पत्र देकर बताया कि मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड में गलत अंकित हो गया है जिससे कई प्रकार के परेशानी झेलना पड़ रहा है। मेरा पुत्र का वास्तविक नाम विकास कुमार यादव है जिसका आधार संख्या 8392 3462 5213 हैं त्रुटिवस इसमें नगीना यादव हो गया है जो यह पुकारू नाम था, जबकि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम सभी शैक्षणिक दस्तावेज में विकास कुमार यादव है इसे सुधार कराने हेतु मैं और मेरा पुत्र विकास शपथ पत्र देखकर यह घोषणा करता हूं कि मेरा वास्तविक नाम विकास कुमार यादव, पिता बिन्दु यादव यादव ग्राम पट सारा पोस्ट लठेया थाना छतरपुर है ।

झारोटेफ की 11 सूत्री मांगों को लेकर कटकमदाग में रैली, सरकार को चेताया

कटकमदाग। झारखंड ऑफिसर्स टीचर एंड एम्पलाइज फेडरेशन (झारोटेफ) की कटकमदाग प्रखंड इकाई ने मंगलवार को अपनी 11 सूत्री मांगों के समर्थन में जोरदार ध्यानाकर्षण रैली निकाली। यह आंदोलन प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्देश पर आयोजित हुआ, जिसका नेतृत्व प्रखंड अध्यक्ष पवन कुमार और सचिव अंजू बाला गुप्ता ने किया। रैली के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड सरकार के मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन कटकमदाग प्रखंड विकास पदाधिकारी शिव बालक प्रसाद को सौंपा। इस दौरान झारोटेफ के जिला उपाध्यक्ष विनय कुमार सिंह ने बताया कि ज्ञापन में सरकारी शिक्षकों और कर्मचारियों से जुड़ी 11 मुख्य मांगें शामिल हैं। इनमें एमएससीपी का लाभ, शिशु शिक्षण भत्ता, नेशनल पेंशन स्कीम में जमा राशि की वापसी, सीमित प्रतियोगिता परीक्षा में सभी कर्मियों को शामिल करना, और सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष करना प्रमुख हैं। विनय कुमार सिंह ने कहा कि सरकार को हर हाल में ये मांगें माननी होंगी। रैली के माध्यम से कर्मचारियों और शिक्षकों ने एक स्वर में सरकार से शीघ्र कार्रवाई की अपील की।

इस मौके पर मो. मुजाहिर, अवध बिहारी गोप, रूपम कुमारी, उमाकांत साहू, स्मृति सिन्हा, ममता कुमारी, सतनारायण कुमार, लक्ष्मी कुमारी, सुलेखा कुमारी, मंजू कुमारी, गौतम कुमार, संजय कुमार, दिगंबर प्रसाद, स्वाति सिंह, नमिता प्रभा, सुनीता कुमारी, रवि किशोर कुमार, मो. मजहर, अयूब अंसारी, नाहिद परवीन, धनंजय कुमार, सोनी कुमारी, पंकज कुमार सिंह, सुधीर कुमार पांडे, प्रदीप कुमार और मनोज कुमार काशी समेत दर्जनों शिक्षक व कर्मचारी शामिल रहे। सरकार की चुप्पी टूटी नहीं, शिक्षक-कर्मचारियों ने दिखाया दम।

सरहुल पर्व हमें प्रकृति व संस्कृति से जोड़े रखती है : रमेश दांगी

रजरप्पा। बड़कीपोना के सरना स्थल पर प्रकृति पर्व सरहुल धूमधाम से मनाया गया. मौके पर पहान राजेंद्र मुंडा ने सरना स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। साथ ही मुर्गे की बलि दी। इसके बाद सरैय फूल चढ़ाया। इसके बाद पहान ने कलश में रखे पानी को देखकर बताया कि इस वर्ष वर्षा और फसल काफी अच्छी होगी। उन्होंने देश, राज्य और क्षेत्र की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना किया। साथ ही श्रद्धालुओं के बीच फूल खोसी भी की गई। पूजा के बाद प्रसाद का भी वितरण हुआ। मौके पर मुख्य अथिति ने कहा कि हम सभी को वातावरण की शुद्धता के लिए पेड़-पौधे लगाना होगा। हमारा जीवन प्रकृति से जुड़ा हुआ है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो जिम्मेवारी सौंपी है उसे ईमानदारी पूर्वक निभाऊंगा : संजीव

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पतरातू प्रखंड समिति की ओर से रविवार को भुरकुंडा स्थित प्रधान कार्यालय में भव्य सम्मान सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झामुमो के केंद्रीय सचिव सह हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के सम्मान में आयोजित किया गया, जिन्हें हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा नई जिम्मेदारी सौंपते हुए झामुमो हजारीबाग जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। समारोह में पतरातू प्रखंड की 42 पंचायतों से आए झामुमो कार्यकताओं एवं नेताओं ने संजीव बेदिया का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। साथ ही पगड़ी, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया। समारोह को संबोधित करते हुए संजीव बेदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा मुझे जो नई जिम्मेवारी सौंपी गई है, उसे मैं पूरी ईमानदारी, निष्ठा और कड़ी मेहनत के साथ निभाऊंगा। पतरातू प्रखंड मेरा कार्यक्षेत्र रहा है और इसे और मजबूत बनाने के लिए प्रयासरत रहूंगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल मेरे लिए, बल्कि पूरे झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार के लिए गर्व का विषय है। झामुमो के सर्वोच्च नेता गुरुजी शिबू सोरेन को मैं नमन करता हूं, जिनके संघर्ष और त्याग ने झारखंड को एक पहचान दिलाई। हजारीबाग जिलाध्यक्ष श्री बेदिया ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व और जनहितकारी सोच ने मुझे यह दिखाया है कि जनसरोकार ही हमारी असली ताकत है। मैं यह सम्मान राज्य के हर उस कार्यकर्ता को समर्पित करता हूं जो बिना थके, बिना रुके, झामुमो की विचारधारा और जनता के हक-अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस अवसर पर एक विशेष पहल के तहत संजीव बेदिया के अथक प्रयास से मुख्यमंत्री राहत कोष से मिले एक लाख रुपए का चेक लादी निवासी दिलीप कुमार दास के पुत्र यशवंत कुमार दास को इलाज के लिए प्रदान किया गया।

समारोह में ये थे मौजूद : समारोह में पतरातू प्रखंड अध्यक्ष झलकू बेदिया, सचिव उदय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नरेश बेदिया, ग्यास खान, हरिलाल बेदिया, संजय वर्मा, मुकेश राउत, वीरेंद्र यादव, इमामुल अंसारी, चरेंद्र बेदिया, सीताराम मुंडा, अलीम अंसारी, राजेंद्र बेदिया, कुदुस अंसारी, शौकत अंसारी, प्रमोद ठाकुर, मनसा बेदिया, टुनटुन बेदिया, शराफत अंसारी, जग्गू घांसी, राजन करमाली, अशोक दास, विजय मुंडा, जयलाल सिंह, वीरेंद्र मांझी सहित सैंकड़ों झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थें।

उपायुक्त -सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी

(खेल शाखा)

(Email ID – dsokhunti2017@gmail.com)

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना

पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग अंतर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची द्वारा खूँटी जिलान्तर्गत संचालित कुल–01 (एक) आवासीय हॉकी बालक प्रशिक्षण केन्द्र के प्रशिक्षणार्थियों के लिए विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुरूप 350 रू० (सभी कर सहित) प्रति खिलाडी प्रति दिन के दर से शुद्ध, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजनादि की व्यवस्था करने हेतु इच्छुक कैटरर से निविदा आमंत्रित की जाती है।

तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग–अलग लिफाफे में दिनांक 15.04.2025 से दिनांक 26.04.2025 अपराह्न 12:00 बजे तक विकास भवन स्थित जिला खेल कार्यालय, खूँटी में निविदा डाल सकेंगे। दिनांक 26.04.2025 को ही अपराह्न 3:00 बजे विकास भवन में उप विकास आयुक्त, खूँटी के कार्यालय कक्ष में निविदा समिति/संचालन समिति की उपस्थिति में निविदा खोला जायेगा जिसमें निविदादाता अथवा उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति अपेक्षित है।

जिले के (01) एक आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्र की सूची निम्नवत है :–

1. आवासीय बालक हॉकी क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द, एस०एस० +2 हाई स्कूल, खूँटी। प्रशिक्षुओं की सं०–25

(खिलाड़ियों की संख्या –छुट्टी/प्रतियोगिताओं में जाने पर कम हो सकती है जिसका भुगतान नहीं किया जायेगा।)

नोट :– निविदा आमंत्रण संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए जिले के Website :- www.khunti.nic.in में देखा जा सकता है।

PR 350420 District (25-26)_D

जिला खेल पदाधिकारी, खूँटी

प्रपत्र VI 'क'

पत्रांक–93(ii) दिनांक–12.04.2025

झारखण्ड सरकार समाहरणालय, खूँटी

(जिला भू–अर्जन शाखा)

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)

चूंकि समाहर्ता को यह प्रतीत होता है कि मौजा ओकड़ा थाना न0 01 थाना तोरपा अंचल तोरपा जिला खूँटी में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना सिसई लापुंग डोड़मा पथ के चैनेज 41वें कि0मी0 में अवस्थित छाता नदी पर सेतु निर्माण हेतु अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्ता प्रशासक के रूप में नियुक्त किये गये है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि मौजा ओकड़ा थाना न0 01 थाना तोरपा अंचल तोरपा जिला खूँटी के भीतर उपर्युक्त परियोजना के लिए कमोबेश **0.5219** एकड़ यानि 0.211205 हेक्टेयर मानक माप का भू–खण्ड जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित अर्जनाधीन है।

मौजा ओकड़ा थाना न0 01 थाना तोरपा अंचल तोरपा जिला–खूँटी का विस्तृत विवरणी

क्र0	खाता संख्या	सर्वे भू–खण्ड संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (ए0)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम एवं पता	अर्जन की जाने वाली भूमि की चौहदी उ0, द0, पू0, प0
1	210	3261	रैयती	टांड एक	0.0475	मतिया मुण्डा वो महतो मुण्डा वो डीगम मुण्डा वो मंगरा मुण्डा पेशरान सलुआ मुण्डा	उ० रास्ता, द० प्लॉट नं0–3261, पू० 3260, प० नदी
2	219	3132	रैयती	दोन दो	0.0902	ओगा मुण्डा वल्द पीठुआ मुण्डा	उ० प्लॉट नं0–3132, द० रास्ता, पू० प्लॉट नं0– 3132, प० प्लॉट नं0–3131
3	219	3260	रैयती	दोन एक	0.0642		उ० रास्ता, द० प्लॉट नं0–3260, पू० प्लॉट नं0–3259, प० प्लॉट नं0–3261
4	220	3131	रैयती	टांड एक	0.32	डुदु महतो वो गोरो महतो वो मनी महतो वो डेढे महतो पेशरान पांडा महतो वो लाडो महतो वो तोमस महतो	उ० प्लॉट नं0–3131, द० रास्ता, पू० प्लॉट नं0– 3132, प० प्लॉट नं0–नदी
				कुल	0.5219		

यह अधिसूचना भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा 11(1) के उपबन्धों के अधीन उन सभी व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है, जिसका इससे संबंध हो। भूमि की योजना/नक्शा का निरीक्षण जिला भू अर्जन पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में किया जा सकेगा। समाहर्ता उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू वेधन छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन हेतु जिला भू अर्जन पदाधिकारी, खूँटी और उसके कर्मचारी को प्राधिकृत करते हैं।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अन्तरण यथा क्रय विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवायेगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम का धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर भू अर्जन की बावत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति के द्वारा जिला भू अर्जन पदाधिकारी, खूँटी के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

PR 350334 Land Reforms(25-26)D

ह0/– उपायुक्त, खूँटी।

भारत की उन्नति ऐसे भी हो सकती है

यह भाषण विशेषकर शिक्षा अर्जित करने और काम करने की प्रवृत्ति बढ़ाने पर ज्यादा केंद्रित था।1857 से अंग्रेज शासक पूरी तरह शासन करने की भूमिका में आए। उससे पहले तक मुगल राज ही था। 1884 में दिये अपने भाषण में भारतेंदु यह भी कह गये कि मुसलमान भाईयों के लिए उचित है कि इस हिन्दुस्तान में बस कर वे लोग हिंदुओं को नीचा समझना छोड़ दें और सगे भाईयों की भांति हिंदुओं से बर्ताव करें। भारतेंदु के कहने का मतलब है कि छह सौ साल के मुगलकाल का प्रभाव उस समय तक भी क्षीण नहीं हुआ था। 1884 में दिये इस भाषण के साथ साथ उसी वर्ष हुई एक और उपलब्धि भी यहां उल्लेखनीय है।

गौतम चटर्जी

तकरीबन 135 साल पहले और अपने देहांत से ठीक एक साल पहले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बलिया में एक महत्वपूर्ण भाषण दिया था, जिसका विषय था-भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है। उस समय अंग्रेजों का शासन था, और आजादी की कोई संभावना सामने नहीं दिखती थी। देश की उन्नति कैसे हो, इसके बारे में भारतेंदु ने देशवासियों को ही सुझाया था, न कि अंग्रेजों को। इस भाषण में देश आजाद कैसे हो इसपर चिन्ता नहीं है बल्कि उसी परिस्थिति में देश की उन्नति कैसे हो सकती है, इसी पर क्रमवार ढंग से बोला गया था। यह भाषण विशेषकर शिक्षा अर्जित करने और काम करने की प्रवृत्ति बढ़ाने पर ज्यादा केंद्रित था।1857 से अंग्रेज शासक पूरी तरह शासन करने की भूमिका में आए। उससे पहले तक मुगल राज ही था। 1884 में दिये अपने भाषण में भारतेंदु यह भी कह गये कि मुसलमान भाईयों के लिए उचित है कि इस हिन्दुस्तान में बस कर वे लोग हिंदुओं को नीचा समझना छोड़ दें और सगे भाईयों की भांति हिंदुओं से बर्ताव करें। भारतेंदु के कहने का मतलब है कि छह सौ साल के मुगलकाल का प्रभाव उस समय तक भी क्षीण नहीं हुआ था। 1884 में दिये इस भाषण के साथ साथ उसी वर्ष हुई एक और उपलब्धि भी यहां उल्लेखनीय है।

मेडिकल हाल प्रेस, वाराणसी से भारतेंदु का एक ग्रंथ प्रकाशित हुआ था, काश्मीर कुसुम अथवा राजतरंगिणी-कमल। इस ग्रंथ में कश्मीर का संक्षिप्त इतिहास तो संकलित है ही, कल्हण के राजतरंगिणी के बाद की समस्त ऐतिहासिक घटनाएं भी इसमें र्विणत हैं। इस प्रकार अपने भाषण में सुझाये देश की उन्नति के भारतेंदु तरीकों और राजतरंगिणी से लेकर उन्नीसवीं सदी के ग्रंथ काश्मीर कुसुम तक यदि नजर दौड़ायें तो हमें एक प्रकाश मिलता है। अर्थात अपने देश की उन्नति के लिए हमें अपने ही साहित्य, दर्शन, इतिहास या एक शब्द में कहें तो काव्यपरंपरा के प्रभाव से आज की परिस्थिति में हम निर्द्वंद्व होकर कह सकते हैं कि भारत की उन्नति ऐसे भी हो सकती है। देश में नवीं और दसवीं सदी तक हिंदू और बौद्ध परंपरा अपनी उन्नत अवस्था में थी। इतिहास कहता है कि ग्यारहवीं सदी से हिंदू साम्राज्य टूटता चला गया। तथ्य यह है कि महमूद गजनवी ने 1015 ई. और फिर 1021 ई. में विशेषरूप से कश्मीर में मुस्लिम व्यवस्था थोपने की कोशिश की लेकिन वह कश्मीर के हिंदुओं के विरोध के कारण सफल नहीं हो सका। हिंदू दर्शन परंपरा की ही प्रतिंबिब थी, उस समय तक उन्नत हो चुकी भारतीय काव्य परंपरा। संस्कृत काव्यशास्त्र भरत मुनि के नाट्यशास्त्र और भामह एवं दंडी के काव्यालंकार-काव्यादर्श में अपनी उन्नत अवस्था में पहुंच चुका था। यह वामन, रूद्रट, आनंदवर्धन, अभिनवगुप्त, कुंतक आदि ऋषिकवियों के लिखे से पुष्ट होता है।

कल्हण ने बारहवीं सदी में लिखा। उनसे पहले भोज, आनंदवर्धन और अभिनवगुप्त ने कश्मीर की वृहत्तर घाटियों को ज्ञान से प्रकाशित और इस घाटी में बसने वाले लोगों को प्रशस्त कर रखा था। मुगलकाल बस रहा था, तो सिर्फ इस कारण कि वह गजनवी की तरह हिंदू संस्कृति को नष्ट करने की धृष्टता की जगह हिन्दू काव्य और दर्शन को सम्मानित देखने की कमसिन नजाकत या भंगिमा में आरूढ़ हो रहा था। हम साम्राज्य, युद्ध और हार-जीत की भाषा में पढ़ते आ रहे अपने इतिहास को कभी इस तरह देखते ही नहीं कि मुगलकाल सिर्फ साम्राज्य आधारित काल का इतिहास भर नहीं है।

इसकी शुरुआत पूर्व प्रतिष्ठित कला और संस्कृति में रंगे लोगों के मानस को साथ लेकर चलने की मुद्रा से हुई। बारहवीं और तेरहवीं सदी में ही शारंगदेव और पार्श्वनाथ हुए और उन्होंने उसी कश्मीर आभा और परंपरा की आंच में संगीत के ग्रंथ रचे। अर्थात भले ही संस्कृत नाटक के मंचन की परंपरा बाधित हुई और ध्रुपद ख्याल में बदलते गये लेकिन ऋषि पूरे मुक्त सामाजिक स्वर में लोगों के बीच होते चले गये और ग्रंथ रचा जाता रहा।

चौदहवीं सदी में ही ऋषि लल्लेश्वरी, हब्बा खातून, रूपा भवानी और अर्निमल भी हुई, उनकी कविताएं मुगलकाल में ही लोगों के बीच प्रिय हुईं। यह गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा, अपाला और वागंम्भृणी की वैदिक ऋषि परम्परा का ही शैव विस्तार था, मध्यकाल में जिसकी भूमि कश्मीर में शैव दर्शन ऋषि दुर्वासा और वसुगुप्त से लेकर उत्पलदेव और अभिनवगुप्त ने तैयार की थी। यह परंपरा नंद ऋषि यानी नुरुद्दीन से होते हुए बीसवीं सदी के लक्ष्मण जू तक पल्लवित होती रही।

मुगल शासन के दौरान पूरे छह सौ वर्षों में कश्मीर लोग और ऋषि कश्मीर छोड़ कर शेष भारत में कहीं विस्थापित नहीं हुए जबकि मुगलों का शासन कश्मीर तक सीमित नहीं था। बात सिर्फ तब के शासकीय साम्राज्य या आज की शासकीय राजनीति तक सीमित नहीं है। भारतीय मानस में चार हजार साल से रचे बसे आर्य, वैदिक हों हिन्दू, बौद्ध या शैव दर्शन की गहरी काव्यपरम्परा से भी हमारा इतिहास बना है, सिर्फ राजाओं के साम्राज्य, हमलों व शासनों से नहीं।

आज युवाओं से संवाद की आवश्यकता

प्रशांत झा

एक मशहूर कहावत है कि यदि किसी देश का विनाश करना हो, तो न तो किसी परमाणु बम की आवश्यकता है, और न ही किसी मिसाइल की। बस उसकी शिक्षा का स्तर गिरा दीजिए और उसके छात्रों को परीक्षा में नकल करने दीजिए, राष्ट्र अपने आप नष्ट हो जाएगा। किसी भी समाज का आधारस्तंभ और भविष्य उसका युवा होता है। यदि यह युवा भटक जाए, तो राष्ट्र अपना रास्ता खो देगा और अगर यही युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगा दे, तो देश विश्व में अग्रणी बन जाएगा। भारत वह राष्ट्र है, जो अपने इतिहास में ऐसे स्थान पर है, जहां विरले ही राष्ट्र पहुंचते हैं। आज हमारे देश में 60 करोड़ युवा हैं, जो दुनिया में किसी भी राष्ट्र से अधिक है। भारत की औसत आयु 28 वर्ष है। इसकी तुलना में चीन और अमेरिका 38 वर्ष, जापान और जर्मनी 47 वर्ष और यूरोपीय संघ 43 वर्ष की औसत आयु रखता है। ऐसी युवा शक्ति रखने वाले देश के लिए यह अति-महत्वपूर्ण है कि वह इस बल को सही दिशा में ले जाए, जिससे कि वह एक महाशक्ति बन सके। अब सवाल है कि भारत के युवा को वाकई एक राष्ट्र निर्माण की ऊर्जा कैसे बनाया जाए? इसके लिए उन्हें और उनकी उत्सुकताओं को समझना आवशयक है। हमें चार आयामों पर काम करना होगा। सर्वप्रथम हमें युवाओं को जागरूक बनाना होगा। नागरिकता कानून में संशोधन के बाद कुछ दिनों से चल रही राष्ट्रव्यापी अशांति इस बात को इंगित करती है कि हमें युवाओं से बेहतर और निर्बाध संवाद बनाना होगा, ताकि भ्रांतियां दूर हों। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्र नीति को समझाने के लिए लघु पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जा सकता है। यह काम ऑनलाइन संसाधनों का प्रयोग करके भी हो सकता है।

दूसरा आयाम है संवेदना। भारत का युवा वैसे ही भारतीय संस्कृति का मौलिक स्तंभ - करुणा में पला-बढा है। अब यह भी आवशयक है कि शिक्षा नीति में ही संवेदना को जागृत करने और दिशा देने वाले प्रायोगिक पाठ्यक्रम पर हम ध्यान दें। तीसरा आयाम अनुशासन है। युवा ऊर्जा से भरे होते हैं और उनके विचार क्रांतिकारी होते हैं। इसमें कोई बुराई नहीं है। किंतु यह भी आवशयक है कि हम युवाओं में अनुशासन और धैर्य की भावनाओं की भी नींव रखें। आज आय से पहले ही व्यय करके ईएमआई चुकाने की एक नई व्यवस्था बन रही है। हमने इस नई संस्कृति का दुष्परिणाम पश्चिमी राष्ट्रों में देखा है, जहां 2008 में इसी कारण घोर आर्थिक मंदी आई थी। हमें भारतीय संस्कृति के तहत जीवन की आदतों और व्यय के तरीकों में अनुशासन लाने का पाठ युवाओं को छोटी उम्र से ही पढाना होगा।

चौथा आयाम युवाओं को सेवा का अवसर देना है। मैंने कई बार देखा है कि भारत के युवाओं को ऐसा लगता है कि वे शक्तिहीन हैं और उनके विचार को कोई सुनना ही नहीं चाहता। ऐसे सभी युवा समाज और राष्ट्र के लिए कुछ करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसा करने के लिए कोई अवसर मौजूदा शिक्षा प्रणाली में नहीं मिल पाता। हमने एनएसएस और एनसीसी जैसे प्रयास तो किए, किंतु आज के संदर्भ में यह जीर्ण हो चुके हैं। युवाओं को, टेक्नोलॉजी के इस दौर में, कुछ नई और आकर्षक व्यवस्था की जरूरत है। क्यों न एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाए, जिससे वे अपनी शिक्षा के दौरान ही ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कर सकें, जोकि वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक हों और छात्रों द्वारा किए गए काम वाकई जमीन पर कुछ बदलाव ला सकें।

भारत समय के उस मोड़ पर है, जब हमें अपने युवाओं को एक सम्मानजनक अवसर देना होगा कि वे एक सृजनात्मक बदलाव का हिस्सा बनें और अपनी ऊर्जा का सही प्रयोग करें।

शेष बची जिंदगी में भी जलती रहती हैं बेटियां

जितेंद्र भारद्वाज,

आग चाहे एसिड की हो या मिट्टी के तेल की, वह जलाती है, झुलसाती है और मारती है।अगर कोई व्यक्ति, खासतौर पर महिला या लड़की आग से 50-60 फीसदी जल गई है तो उसे कई तरह के दर्द झेलने पड़ते हैं। शरीर का दर्द तो वे सहती ही हैं, मगर साथ ही सामाजिक जीवन में बदली उनकी जिंदगी भी उन्हें कम पीड़ा नहीं पहुंचाती है।

इंटरनेशनल सोसायटी फॉर बर्न इंजुरीज (आईएसबीआई) की बुधवार को रिपोर्ट जारी हुई थी। इस मौके पर आग से जलने का दंश झेल रही कई लड़कियों को भी आमंत्रित किया गया था। दिल्ली के मुनीरका इलाके में रहने वाली प्रभा का कहना है कि गत 27 मई को वह घर में अकेली थी। किचन में खाना बनाते वक्त अचानक उसके कपड़ों में आग लग गई। शरीर का बायां हिस्सा उपर से लेकर नीचे तक जल गया था। एमबीए कर चुकी प्रभा ने मुंबई में चार साल तक जॉब भी की है। उसके मुताबिक, यह बात तो सही है कि आग की मार के बाद लोग बदल जाते हैं। कई अपने भी दूरी बना लेते हैं। अगर दूसरों के व्यवहार को दिल से लगाएं तो जीना मुश्किल हो जाता है। एक इच्छा को जीवित रखना हमारे लिए किसी चैलेंज से कम नहीं होता। शादी, जॉब और दूसरे कई सामाजिक सरोकारों में बहुत परायापन सा दिखने लगता है।

पहले खुद स्वीकार करूंगी कि मेरे साथ ऐसा हुआ है...

बतौर प्रभा, पहले खुद स्वीकार करूंगी कि मेरे साथ ऐसा हुआ है। मैं ठीक होकर दिखाऊंगी। इसके बाद मेरा मकसद है दूसरों की मदद करना। यानी मेरी तरह ही जो लोग आग के शिकार हुए हैं, उन्हें हर तरीके से जीवन में आगे ले जाने का प्रयास करूंगी।

हालांकि मैंने अपनी मुहिम शुरू भी कर दी है। फिलहाल सोशल मीडिया पर मैं अपने लक्ष्य को आगे बढ़ा रही हूं।

दूसरे पीड़ितलोगों की समस्याएं क्या हैं, सामाजिक तौर पर उन्हें क्या झेलना पड़ रहा है, आदि बातों की जानकारी लेकर उनकी दिक्कतों का हल निकालने का प्रयास करेंगे। मैं उनके साथ अपनी स्टोरी शेयर कर रही हूं। पेरेंट्स ने कहा था कि जले हुए हाथ पर कपड़ा बांध कर रखो, लेकिन मैंने मना कर दिया। मैंने कहा, आप उस सच को छिपाने के लिए कह रहे हैं, जिसे दुनिया छिपाने पर मजबूर करती है। हरगिज नहीं, मैं ऐसे ही लोगों के बीच आऊंगी। इससे मुझे ही नहीं, बल्कि दूसरों में भी सच का सामना करने का कितना साहस है, पता चलेगा।

चेहरे से पेट तक आग की लपटें थी, अब जीवन साथी तक नहीं मिल रहा...

शीबा जब यूपी के बदायूं में रहती थी तो उसके साथ बड़ा हादसा हो गया। उसके मुताबिक, मिट्टी के तेल से भरा लैंप मेरे उपर गिर गया था। उस वक्त मेरी उम्र करीब दस साल रही होगी। चेहरे से लेकर पेट तक का हिस्सा जल चुका था। परिवार को छोड़ दें तो बाकी लोग धीरे-धीरे किनारा करने लगे थे। सातवीं कक्षा में स्कूल छूट गया।

एक बार तो ऐसा भी लगा, जैसे कि कोई साथ ही नहीं दे रहा है। अब शादी में भी दिक्कत आ रही है। देखने वाले आते हैं, चेहरे की ओर निहारते हैं और बाद में बिना कोई जवाब दिए चुपके से निकल जाते हैं। दो साल अस्पताल में रहने और उसके बाद घर पर भी करीब सात वर्ष इलाज चला। चार भाई और चार बहनें, इन्हें भी तो देखना है। अब ऐसे में कोई प्लास्टिक सर्जरी की सोचे भी तो कैसे सोचे।

भारत में स्किन बैंक की कमी है

डॉ. राजीव बी आहूजा का कहना है कि विदेशों में स्किन बैंक खुलने लगे हैं, लेकिन भारत में अभी यह लोगों के लिए एक कौतूहल का विषय बना है। कोई भी इस तरफ देखना या सोचना पसंद नहीं कर रहा है।

सरकार की ओर से लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए कुछ नहीं हो रहा है। हमारे देश में चेहरे की सर्जरी करानी है तो कम से कम 25-30 लाख रुपये लग जाते हैं। यह इलाज सबके वश में नहीं है।इसके लिए सरकार और बड़े औद्योगिक घरानों को आगे आने होगा।वे अत्याधुनिक अस्पताल बनवाएं या फिर वर्तमान अस्पतालों में प्लास्टिक सर्जरी जैसे इलाज को सस्ता करा दें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

विचार मंथन

तलाक के बढ़ते मामले चिंतनीय

मृत्युंजय प्रसाद

तेजप्रताप का कहना है कि हमारी जोड़ी बेमेल है और ऐसे रिश्ते को ढोते रहने से अच्छा है उससे मुक्त हो जाना। तेजप्रताप का कहना है कि हमारी जोड़ी बेमेल है और ऐसे रिश्ते को ढोते रहने से अच्छा है उससे मुक्त हो जाना। हाल ही में जापान की राजकुमारी ने अपने दिल की आवाज सुनी और एक साधारण युवक से शादी की। अपने प्रेम की खातिर जापान के नियमों के मुताबिक उन्हें राजघराने से अपना नाता तोड़ना पड़ा। इस विवाह के बाद अब वे खुद भी राजकुमारी से एक साधारण नागरिक बन गईं हैं। कैम्ब्रिज के ड्यूक और ब्रिटेन के शाही परिवार के राजकुमार विलियम ने एक साधारण परिवार की कथेरिन मिडलटन से विवाह किया (2011) और आज दुनिया भर में एक आदर्श जोड़े के रूप में पहचाने जाते हैं।

इसी तरह स्वीडन की राजकुमारी विक्टोरिया ने स्वीडन के एक छोटे से समुदाय से आने वाले डेनियल वेसंलिग से शादी की (2010)। डेनियल कभी उनके पर्सनल ट्रेनर हुआ करते थे। मोनाको के राजकुमार रेनियर तृतीय ने हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ग्रेस केली से विवाह किया(1956)। 1982 में एक कार दुर्घटना में अपनी मृत्यु तक वे मोनाको की राजकुमारी के रूप में रेनियर तृतीय ही नहीं मोनाको के लोगों के दिलों पर भी राज करती रहीं।

क्यों होते हैं देश में तलाक

हमारे देश में इस प्रकार का यह कोई पहला मामला नहीं है, लेकिन देश के एक नामी राजनैतिक परिवार से जुड़ा होने के कारण इसने ना सिर्फ मीडिया बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आर्किषत किया और शादी एवं तलाक को लेकर एक बहस भी छेड़ दी है। भारत में लगभग 14 लाख लोग तलाकशुदा हैं जो कि कुल आबादी का करीब 0.11% है और शादी शुदा आबादी का 0.24% हिस्सा है। अगर हम तलाक के पीछे की वजह तलाशते हैं तो चिंता और बढ़ जाती है, क्योंकि किसी को तलाक इसलिए चाहिए क्योंकि उसे अपने पार्टनर की पसीने की बदबू से एलर्जी थी तो किसी को अपने साथी की दोस्तों को बहुत अधिक उपहार देने की आदत से परेशानी थी। नागपुर के एक जोड़े ने हनीमून से लौटते ही तलाक की अर्जी इसलिए दे दी क्योंकि पति गीला तौलिया बिस्तर पर रखने की अपनी आदत नहीं

भारत में लगभग 14 लाख लोग तलाकशुदा हैं जो कि कुल आबादी का करीब 0.11% है और शादी शुदा आबादी का 0.24% हिस्सा है।

बदल पा रहा था और पत्नी को सफाई की आदत थी। एक दूसरे के साथ तालमेल ना बैठा पाना, एक दूसरे के साथ सामंजस्य न होना।

परिवारों में बनते-बिगड़ते रिश्ते

अफसोस की बात है कि आज के इस भौतिकवादी दौर में जब हम लड़का या लड़की देखते हैं, तो हमारी लिस्ट में लड़के या लड़की का आर्थिक पैकेज होता है उनके संस्कार नहीं। उनकी शारीरिक सुंदरता जैसे बाहरी विषय होते हैं, उनके आचरण और विचारों की शुद्धता नहीं। दरअसल, जिस रिश्ते की नींव बाहरी और भौतिक आकर्षणों पर रखी जाती है वो एक हल्के से हवा के झोंके से ताश के पत्तों की तरह ढह जाती है। लेकिन जिन रिश्तों की नींव आत्मा और हृदय जैसे गम्भीर भावों पर टिकी होती है वो आंधियों को भी अपने आगे झुकने के लिए मजबूर कर देती हैं।

यही वजह है कि आज जब हमारा समाज उस दौर से गुजर रहा है जब शादी से तलाक तक का सफर कुछ ही माह में तय कर लिया जा रहा हो तो जरूरत इस बात की है कि हमें बाहरी आकर्षणों से अधिक भीतरी गुणों को, फाइनैंशल स्टेटस से अधिक संस्कारों के स्टेटस को, चेहरे की सुंदरता से अधिक मन की सुंदरता को तरजीह देने होगी।

(लेखक रांची सिविल कोर्ट के एडवोकेट हैं।)

खुद ही बने है सब अपने सपनों के सौदागर

राह नहीं थी बनी या बनाई,
ना ही है कोई बड़ा ज्ञानी,

सब ने करी है कड़ी मेहनत,
फिर मेहनत लाई रंग लाई,

एक पल में नहीं बनता सब कुछ,
पल पल मेहनत करके सब ने पाई है मंजिल,

कल क्या होगा ना किसी ने ध्यान दिया,
बस काम ने किया,
कर्म किया ओर आगे बढा,

राह में मुश्किल आयें उनके भी,
मुश्किल था पाना मंजलि,
बना दिया रास्ता खुद,
चल दिए बिना किसी के परवाह किए,

सुना है उन्होंने भी ताना सब का,
लेकिन जिद्ध चढ़ा था कुछ पाने का,

तोड़ दिया सब का भ्रम उन्होंने,
कर दिया सपनों को साकार उन्होंने,
ताना देने वालों ने ही हँसकर किया
सत्कार ओर झुक कर किया सम्मान उनको,
ये ही है संसार का रीत प्यारे
बस कर्म करते जा ओर आगें बढ़ते जा।

आइएएस, आइपीएस चूक रहे तो सरयू राय जैसे नेता दिखा रहे राह

एनडीए का प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से मिलकर सरयू राय का लिखा पत्र सौंपा, दोपहिया वाहनों की जांच पर टीम एसएसपी चुकी तो नेताओं से मिला ज्ञान

जांच के तरीके बदलने और रांची स्टाइल में काम करने की अपील की

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। कहने को तो आइएएस और आइपीएस देश के क्रीम टैलेंट माने जाते हैं, और इसी बिना पर सरकार उन्हें नियुक्त करती हैं कि वे प्रशासनिक कार्य पूरी मुस्तैदी, संवेदनशीलता से करेंगे। किन्तु जमशेदपुर के आइएएस और आइपीएस अधिकारियों की असंवेदनशीलता और शिथिलता इस उद्देश्य को झूठलाती प्रतीत हो रही हैं। जिले में अभी आइएएस के रुप में डीसी अनन्य मित्तल, डीडीसी अनिकेत सचान, एसडीओ श्रीमती शताब्दी मजुमदार तैनात हैं तो आइपीएस अफसर के रुप में सीनियर एसपी किशोर कौशल, सिटी एसपी कुमार शिवाशीष और ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग। इस कतार में एक एएसपी भी हैं। किन्तु इन देवतुल्य अधिकारियों को शहर में दुपहिया वाहन चेकिंग के नाम पर ट्राफिक पुलिस द्वारा हो रही मनमानी, असंवेदशील रवैये और अव्यवहारिक कदमों को लेकर मीडिया रिपोर्ट से लेकर समाजसेवियों के सुझाव पर कान देने की फूर्सत नहीं हैं। इन अधिकारियों की फौज ने इनोवेटिव आइडिया, पब्लिक कनेक्टिविटी, पब्लिक एडवाइस लेने की क्षमता को प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता को मानों तिजोरी में बंद कर रखा है। इन आइएएस और आइपीएस अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित करने की फूर्सत नहीं है कि जांच में बुर्जुगों, स्कूल पहुंचाने वाले बच्चों के अभिभावकों और अस्पताल जाने वाले लोगों से आत्मीयता और मानवीय तरीके से पेश आने की जरुरत है।

सो, अब विधायक सरयू राय जैसे जन प्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों ने इन अधिकारियों को क्षमतावान बनाने के लिए अब सुझाव लेकर पहुंचने लगे हैं। वे यह भी बता रहे हैं कि कैसे रांची जिले के प्रशासन और पुलिसिया कदम को बेंच मार्क कर जमशेदपुर में भी प्रशासन और पुलिस को प्रभावी बनाया जा सकता है।

विधायक ने लोगों को हो रही समस्याओं की सूची सौंपी, दिये टिप्स

इसी क्रम में अब जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के निर्देश पर एनडीए का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पूर्वी सिंहभूम के सीनियर एसपी किशोर कौशल से मिला और जमशेदपुर में दोपहिया वाहनों के अनियमित जांच से नागरिकों को हो रही दिक्कतों के आलोक में सरयू राय द्वारा एसएसपी को लिखा पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से कहा कि दोपहिया वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। सब्जी बाजार, लोगों के स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए सुबह शाम टहलने का स्थल आदि में जांच अभियान चलाया जा रहा है जिससे लोग परेशान हो गए हैं। एक ही सड़क पर एक से अधिक जगहों पर वाहन जांच किए जाने और साथ ही स्कूल के छुट्टी होने पर दोपहिया वाहन से अभिभावक बच्चों को लेकर घर लाते हैं उन्हें काफी कठिनाई हो रही है। यह भी देखा गया कि जांच में लगे पुलिस के जवान छुप कर रहते हैं और अचानक वाहन के सामने आकर वाहन रोकते हैं जिससे दुर्घटना हो जाती है इसपर रोक लगनी चाहिए।

जहां के लोग अक्रामक, वहीं दुपक जा रही है पुलिस

प्रतिनिधि मंडल ने एसएसपी से कहा कि शहर के अनेक मोहल्लों में जांच में पक्षपात बरते जाने की खबरें भी चिंताजनक हैं। इससे यातायात पुलिस की निष्पक्षता पर संदेह होता है और तुष्टिकरण की बू आती है। प्रतिनिधिमंडल ने वरीय पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि पुलिस के इस रवैये से लोगों में यह संदेश जा रहा है कि पुलिस प्रशासन सिर्फ वसूली में लगी हुई है। प्रतिनिधिमंडल ने बूढ़े/बुजुर्ग, छोट्टे बच्चों या आपातकालीन स्थिति में निकले लोगों को मानवीय आधार पर वाहन जांच में ढ़ील देने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से आग्रह किया कि जांच के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग किया जाय और नियमों का उल्लंघन करने वालों का चालान उनके पते पर भेजा जाए। साथ ही रांची शहर के तर्ज पर जमशेदपुर के विभिन्न स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से जांच किया जाय।

एसएसपी ने दिया आश्वासन, रिजल्ट का रहेगा इंतजार

एसएसपी किशोर कौशल ने एनडीए प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरतपूर्वक सुना और उपर्युक्त सुझावों के आधार पर शीघ्र कारवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी स्थलों पर सीसीटीवी नहीं लगे हुए हैं जिसके कारण सीसीटीवी से जाँच करना संभव नहीं है परंतु अन्य बातों पर शीघ्र कारवाई होगी। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि यदि जाँच में अनियमितता दिखे तो सीधे उन्हें दूरभाष पर सूचित करें। प्रतिनिधिमंडल में धर्मेन्द्र प्रसाद, अनुज चौधरी, अंजन सरकार, भीम सिंह, ललन चैहान, अमरेन्द्र मल्लिक, राकेश सिंह, शेषनाथ पाठक, तारक मुखर्जी, द्वीपल विश्वास, रंजीत आईच, संजीव सिंह, अजीत सिंह आदि मौजुद थे।

दो माओवादी ने पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

माओवाद की जंजीरें तोड़ मुख्यधारा में लौटे दो युवा, हथियार छोड़ थामा संविधान

खबर मंत्र संवाददाता

लातेहार। जंगल की राह छोड़, शांति और विकास की ओर लौटने की बयार एक बार फिर लातेहार में बही है। कभी बंदूक उठाकर व्यवस्था को चुनौती देने वाले दो माओवादी अब संविधान और कानून का दामन थाम चुके हैं। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव और सीआरपीएफ की 11वीं बटालियन के कमांडेंट यादराम बुनकर की सूझबूझ और नई दिशा पुनर्वास नीति के असर से दोनों उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर नया जीवन शुरू करने का ऐलान किया। सिर पर इनामी रकम, दिल में पश्चाताप छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के पुनदाग निवासी अमरजीत उर्फ काली उर्फ सनी बिरजिया (19) और चुनचुना पंचफेड़ी के मिथिलेश उर्फ अखिलेश कोरवा (28) का नाम पुलिस फाइल में वर्षों से दर्ज था। अमरजीत पर जहां छिपादोहर थाना में मामला दर्ज है, वहीं मिथिलेश भी कई आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा। दोनों ने कभी 15 लाख के इनामी छोटू खरवार, 10 लाख के प्रदीप सिंह चेरो और नीरज सिंह खरवार जैसे कुख्यातों के साथ मिलकर कई बड़ी वारदातों को अंजाम दिया। अब इन्हीं हाथों ने संविधान की किताब थामी।

कमजोर पड़ी माओवादी कमर, ऑपरेशन जारी आत्मसमर्पण समारोह में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि अब माओवाद अपने अंतिम सांस गिन रहा है। जो बचे हैं, उनके पास या तो आत्मसमर्पण का रास्ता है या फिर मुठभेड़ का अंजाम। वहीं कमांडेंट यादराम बुनकर ने दो टूक कहा कि अब जंगल में खून की जगह विकास बहेगा। सीआरपीएफ का ऑपरेशन जारी है और माओवादियों का हश्र वही होगा, जो उनके साथियों का हुआ है। अपने लोगों से किया आत्मसमर्पण का आह्वान शॉल और बुके लेकर जब दोनों पूर्व माओवादी मंच पर आए तो हर आंख में सवाल था, क्या इन्हीं हाथों ने गोलियां चलाई थीं? लेकिन जवाब खुद इनका पश्चाताप भरा चेहरा दे रहा था। दोनों ने कहा कि हम अपने उन साथियों से भी अपील करते हैं, जो अभी भी जंगल में भटके हुए हैं। बंदूक से न कभी विकास हुआ है और न होगा। लौट आइए, सरकार और समाज दोनों गले लगाने को तैयार हैं। छोटू खरवार की मौत और संगठन का बिखराव गौरतलब है कि पिछले वर्ष पैसों के बंटवारे को लेकर छोटू खरवार की हत्या खुद उसके साथियों ने कर दी थी। तभी से संगठन बिखरने लगा। लगातार पुलिस और सीआरपीएफ की सख्ती और सरकार की लचीली पुनर्वास नीति ने माओवादियों का हौसला तोड़ दिया है। अब विकास की रोशनी, जंगल में अंधेरा नहीं इस आत्मसमर्पण ने यह साबित कर दिया कि अब बंदूक की धमक की जगह कक्षा की घंटी और खेतों में हल की गूंज लौटेगी। समाज का हर भटका नौजवान अगर यही रास्ता चुने, तो जंगल भी फिर मुस्कुराएगा।

कार और वीडियो कैमरा के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

पांकी पुलिस को छापेमारी में मिली सफलता

खबर मन्त्र संवाददाता

पांकी पलामू। पांकी पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी अभियान चलाकर कार और वीडियो कैमरा के साथ चार अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। इसकी जानकारी देते हुए पांकी अंचल के पुलिस इंस्पेक्टर पूनम टोप्पो व पांकी थाना प्रभारी राजेश रंजन ने कहा कि मनोज कुमार के आवेदन पर पांकी थाना में बीएनएस मामला दर्ज किया गया।

आवेदन में कहा गया कि इनका कैनोन वीडियो कैमरा, निकोन फोटो कैमरा व आईफोन चार अपराधियों ने मारपीट कर लूट लिया है। कांड का उदभेदन करते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया।

कांड अनुसंधान के क्रम में लूटा गया वीडियो कैमरा, फोटो कैमरा व आईफोन मोबाइल पुलिस ने बरामद कर लिया है। कांड में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार के साथ चार अभियुक्तों को पकड़ा गया है। जिनमें सुशील कुमार यादव पिता राजदेव यादव, चुनु कुमार यादव पिता गणेश यादव दोनों ग्राम गोइंदी, राहुल कुमार पिता मदन सिंह ग्राम विनायका प्लस उदयपुरा टू, राजन कुमार सिंह पिता रामनंदन सिंह ग्राम उदयपुरा टू सभी तरहसी थाना शामिल हैं।

पांकी पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ कर रही है। छापेमारी अभियान में पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी के अलावे पुअनि संतोष गिरी, पुअनि ददन राम गोंड व पांकी थाना के रिजर्व गार्ड व क्यूआरटी के सशस्त्र बल शामिल थे।

स्पीड न्यूज

डॉ उमेश खां की धर्मपत्नी डा रंजू झा का निधन, अंत्येष्टि आज

जमशेदपुर। शहर के चर्चित चिकित्सक डा उमेश खां की धर्मपत्नी और वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ रंजू झा का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही जमशेदपुर चिकित्सक समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार डा रंजू झा को आज दोपहर ढाई बजे अपने कार्य स्थल पर ऑपरेशन करते वक्त ब्रेन हेम्ब्रेज हुआ, और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए वेदांता रांची ले जाया जा रहा था कि रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉ रंजू झा की अंत्येष्टि 16 अप्रैल को दोपहर 12 बजे स्वर्णरेखा श्मशान घाट पर की जायेगी। उनकी अंतिम यात्रा बाराद्वारी स्थित आवास से दिन के 11.30 बजे भुइयांडीह श्मशान घाट के लिए निकलेगी। डॉ रंजू झा अपने पीछे पति डा उमेश खां, बड़े पुत्र ऋषि आनंद एवं छोटे पुत्र डा रोहित आनंद समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। बड़े बेटे ऋषि आनंद टेक्रोक्रेट हैं, और मलेशिया में तैनात हैं जबकि छोटे पुत्र डा रोहित आनंद सर्जन हैं। बड़े बेटे तीन दिन पूर्व ही मलेशिया लौटे हैं, वे आज कल सुबह तक जमशेदपुर लौट आयेंगे। ऐसे में परिवार ने डा रीता झा की अंत्येष्टि 16 अप्रैल की अपरान्ह 12 बजे करने का निर्णय लिया है। आइएमए के डॉ सौरव चौधरी ने डा रीता झा के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है, और कहा है कि पूरा परिवार शोक संतप्त डा उमेश खां और उनके परिवार के साथ खड़ा है।

अर्पण का महा रक्तदान शिविर 22 जून को

जमशेदपुर। सामाजिक संस्था अर्पण परिवार द्वारा 22 जून को आयोजित होने वाले 10वें महा रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर साकची स्थित कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिविर की रूपरेखा, कार्य विभाजन और प्रबंधन से जुड़े अहम पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए संस्था के संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले ने कहा, रक्तदान केवल एक मानवीय कार्य नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का महान संकल्प है। यह हमारे समाजिक उत्तरदायित्व और सहयोग की भावना का जीवंत प्रतीक है। अर्पण परिवार का यह 10वां शिविर हमारी सेवा, समर्पण और निरंतर प्रयासों की पराकाष्ठा है जिसका उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद रक्त के अभाव में अपने जीवन की जंग न हारे। बैठक को संबोधित करते हुए जुगुन पांडेय ने सभी से इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने के लिए आज से ही जुट जाने और सफल बनाने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। बैठक को बलबीर मंडल, विभाष मजूमदार, प्रिंस सिंह, कमलेश पैठक, मनु ढोके, राम कुमार, सूरज शाह, रौनक शुक्ला, कार्तिक जुमानी, शेखर मुखी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रिंस सिंह ने किया, वहीं धन्यवाद ज्ञापन सूरज चौबे द्वारा किया गया।

बांग्ला नव वर्ष पर दलमा चौक में ओमप्रकाश ने पन शाला का किया उद्घाटन

चांडिल। बांग्ला नववर्ष के अवसर पर चांडिल के दलमा चौक शहरबेड़ा में दलमा बाबा बजरंग दल द्वारा आयोजित पान शाला का चांडिल के पूर्व जिला पार्षद सदस्य सह झामुमो नेता ओमप्रकाश लायेक ने राहगीरों को पानी पिलाकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने दलमा चौक में बजरंगबली मंदिर में माथा टेक कर क्षेत्र की सुख शांति एवं समृद्धि कि कामना किया।

ओरमांझी : युवती के सुसाईड नोट ने खोले राज, प्रताड़ित करने वाले प्रेमी हनीफ जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

युवती को प्रताड़ित करने का आरोपी हनीफ पुलिस के गिरफ्त में।

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के इरबा के कुमार लाज से फंदे में झुल आत्महत्या करने वाली मेदांता हॉस्पिटल कर्मी 24 वर्षीय सुमन कुमारी का सोसाईड नोट मिलने से उसकी मौत का राज भी खुल गया है। वहीं युवती के परिजनों को ही फंसाने का प्रयास करने वाले प्रेमी शाजेब हनीफ जेल चला गया है। घटना के बाद ओरमांझी पुलिस द्वारा लाज के कमरे की तलासी लेने पर कमरे के बेड पर पड़ा सोसाईड नोट मिला। सोसाईड नोट में युवती का मौत का राज का भी खुलासा हो या गया है। वहीं युवती को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले उसके प्रेमी शाजेब हनीफ को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जिस युवक के साथ युवती लवइन रिलेषनषिप में थी। उसी युवक के मानसिक प्रताड़ना से तंग होकर उसने आत्महत्या की थी। वहीं युवती के स्वजनों द्वारा ओरमांझी थाना में युवती के प्रेमी मेदांता हॉस्पिटल के आपरेषन प्रबंधक शाजेब हनीफ के खिलाफ प्रताड़ित व आत्महत्या करने पर मजबूर करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया गया है। जिसमें युवती के पिता ने कहा बेटी, आरोपी की प्रताड़ना को सहन नही कर सकी, उसने पुलिस से सख्त कानूनी सजा दिलवाने की भी मांग की है। मालूम हो कि सोमवार को इरबा के कुमार लाज के कमरा नंबर पांच से युवती का शवबरामद किया गया था। वह कमरा शाजेब हनीफ का ही था। घटना के बाद आरोपी ने खूद बताया था, वह व युवती दोनो लवइन रिलेषनषिप में थें। उसे युवती के मानसिक रूप से परताड़ित होने की जानाकारी थी और वह लड़की के स्वजनों पर ही प्रताड़ित करने का आरोप लगा रहा था। लेकिन युवती के सोसाईड नोट ने आरोपी के चलाकी का पदार्फास करते हुए उसे जेल की सलाखों में भेजवा दी है। पुलिस द्वारा दोनो का मोबाइल भी जब्त कर, घटना से संबंधित जानाकरी व साक्ष्य पता लगाने का प्रयास की जा रही है।

एहसान अंसारी मेमोरियल नॉकआउट नाइट क्रिकेट

पुंदाग व नेवरी की टीमें फाइनल में पहुंची

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यक्रम में पहुंची मुख्य अतिथ विधायक ममता देवी।

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र स्थित इरबा फुटबाल मैदान में खले जा रहे हाजी अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता के कोवाटर फाइनल मुकाबले में आपने-अपने मैच जीत कर पुंदाग व नेवरी की टीम सेफा में पहुंच गई। फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस इरबा के द्वारा आयोजित आयोजित प्रतियोगिता में पहला कोफा अभिजीत ब्रदर्स डमरदगा एंव अताउल्लाह ब्रदर्स पुंदाग के बीच खेला गया। टॉस जीत कर बल्लेबाजी करते हुए पुंदाग टीम के कप्तान इरफान की 18 गेंद में 35 रन की पारी की मदद से निर्धारित ओवर में 64 रन बनाई। वहीं डुमरगा की टीम 26 रन ही बना सकी। वहीं दूसरा मैच नेवरी व कांके की बीच खेला गया। टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने मैदान पर उतरी नेवरी टीम ने कांके को 38 रन पर रोक दिया, और सैफु की 15 गेंद में 25 रन की पारी की मदद से कांके को पांच विकेट से हरा दिया। शानदार बल्लेबाजी करने वाले दोनो टीम के खिलाड़ी को इरफान व सैफु को मुख्य अतिथि रामगढ़ विधायक ममता देवी ने मैन ऑफ द मैच पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहीं इरबा मैदान को स्टेडिम बनवाने की घोषणा करते हुए कहा रात्रि क्रिकेट स्थनीय युवकों के लिए अपनी प्रतिभा निखरने का अवसर के साथ क्षेत्र के लोगों को मनोरंजन करने का भी अवसर मिलता है। मौके पर विषिष्ट अतिथि 20 सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, माउंट कार्मेल के निदेषक फादर दीपक कुजूर, संरक्षक अबू नसर बहाउद्दीन, अधिवक्ता सकील प्रवेज, सरफराज सहीदी, सादिक अंसारी, तौसिफ अंसारी सहित कई लोग उपस्थित थें।

सरकार पोटा कानून लाकर झारखंड में अपराधियों पर अंकुश लगाये : रामटहल

झारखंड में जाति जनगणना कर पंचायत चुनाव में सभी जाति को अवसर दें

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी में प्रेस वार्ता में बोलते रामटहल चैधरीव अन्य।

ओरमांझी। पूर्व सांसद रामटहल चैधरी ने मंगलवार को मोगल मंगल ओरमांझी में एक प्रेस वार्ता करते हुए राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था, युवाओं का पलायन सहित जनसरोकार से जुडे कई मुद्दों पर राज्य व केद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया गया। उन्होने कहा झारखंड गठन के बाद से सबसे ज्यादा राज्य की जनता भ्रस्टाचार से त्रस्त है। कानून व्यवस्था का हाल ऐसा, कि दिन में भी अपराधी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। राज्य में अपराधियों का मनोबल बढा है। हत्या, लूट, दुष्कर्म जैसी घटनाएं आम हो गई है। महिलाओं की सुरक्षा भी खतरे में हैं। उन्होने राज्य में अपराध पर अंकुष लगाने के लिए पोटा कानून लगाने की मांग किया। राज्य सरकार से जाति जनगणना कराने की मांग करते हुए कहा राज्य के विकास व जनता की अधिकार देने में पंचायती चुनाव में एकल पद समाप्त कर पंचायत व नगर निगम में आबादी के अनुरूप आरक्षण देना जरूरी है। कहा एसी, एसटी, ओबीसी के साथ सभी जाति को अवसर मिलना चाहिए। कहा राज्य गठन से पूर्व ओबीसी का 27 प्रतिषत आरक्षण थी, जिसे कम कर 14 प्रतिषत करना सरकार का गलत निर्णय रहा है। उन्होने राज्य के युवाओं का पलायन रोकने के लिए राज्य के बंद पड़े कारखानो को चालू कराने व पर्यटन क्षेत्र का विकास करने की मांग किया। कहा सरकार को झारखंड की बेहतर मौसम व खुबषूती का लाभ उठाना चाहिए, पौरानिक स्थल, डेम व जलाषयों को विकसित कर रोजगार का अवसर पैदाकर पलायन की समस्या को रोकी जा सकती है। राजय के सबसे महत्वपूर्ण कारखाना एचईसी की बिगड़ती हालत पर भी चिंता जताया, कहा शुरू में जहां 30 हजार से अधिक लोग कार्य करते थें, अब मुष्किल से दो हजार लोग बचे हैं। केंद्र सरकार द्वारा संचालित एचईसी को 30-40 वर्ष से भारत सरकार द्वारा पैसा नही मिलना दुर्भाग्य है। उन्होने झारखंड व राज्य की जनता की विकास के लिए षिक्षा को महत्वपूर्ण बताया, और कहा राज्य के षिक्षा विभाग में माफिया हावी हो गए हैं। स्कूलों में सेषन चार्ज के नाम पर रिएडमिषन शुल्क वसूले जा रहे हैं। बेहतर षिक्षा की जगह महंगे कीताब व स्कूल ड्रेस बेची जा रही है। इस पर अविलंब कार्रवायी की मांग किया। उन्होने राज्य में रामनवमी का शांति पूर्ण आयोजन व झामुमो का महाधिवेषन के लिए बधाई दी, कहा किसी भी सरकार का बेहतर कार्य की भी सरहाना जरूर होना चाहिए, लेकिन चुनाव से पूर्व व महाअधिवेषन में जो घोषणाएं की कई गई, वह जमीन स्तर पर दिखाई दे तभी राज्य की जनता को लाभ मिलेगा। कहा सभी सरकारी कार्यालय में कर्मियों की कमी है। सौ के स्थान पर 25 लोग कार्य कर रहे हैं। इससे कर्मियों में वर्क लोड भी बढ गया है। उन्होने राज्यहित में योजना व स्थानीय विस्थापन नीति षीघ्र लागू करने की भी मांग किया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, भाजपा के पूर्व ग्रामीण जिला अध्यक्ष रणधीर चैधरी, समाज सेवी शैलेद्र मिश्रा, राजीव रंजन व वार्ड संघ के प्रखंड अध्यक्ष सत्यमराज कुषवाहा ने कहा प्रखंड मुख्यालय व अंचल में हो रहे ऑनलाइन कार्य का विरोध नही है। लेकिन कुछ जरूरी कार्य करने का अधिकर सीओ व बीडीओ को मिलने से जनता का सुविधा होगी। कहा सीओ बीडीओ के द्वारा ही कई वृद्ध, विधवा व गरीब लोगों को योजना का लाभ मिला है।

पंजाब ने डिफेंड किया आइपीएल इतिहास का सबसे छोटा स्कोर

कोलकाता नाइटराइडर्स की पारी सिर्फ 95 रनों पर ही सिमटी

गेंद से अब तक फेल रहे युजवेंद्र चहल रहे पंजाब किंग्स की जीत के हीरो

एजेंसी

मुल्लांपुर। आइपीएल 2025 में लो-स्कोरिंग थ्रिलर देखने को मिला। पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास का सबसे छोटा स्कोर डिफेंड करते हुये जीत हासिल कर ली है। कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच में पहले खेलते हुए पंजाब की पारी 111 रनों पर सिमट गई थी। एक समय केकेआर का स्कोर 8वें ओवर में 2 विकेट पर 63 रन था। यहां से वापसी करते हुए पंजाब किंग्स ने केकेआर की पारी को 95 रनों पर समेट दिया। इस तरह पंजाब ने 16 रनों से जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने 2009 में पंजाब के खिलाफ 116 रन बनाने के बाद जीत हासिल की थी।

पंजाब की बैटिंग फेल रही

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर की अपने घरेलू मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने की रणनीति उल्टी पड़ गई क्योंकि सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (22) और प्रभसिमरन सिंह (30) को छोड़कर उनके सभी बल्लेबाज घरेलू मैदान पर संघर्ष करते दिखे। इन दोनों के अलावा केवल नेहल वढेरा (10), शशांक सिंह (18) और जेवियर बार्टलेट (11) ही दोहरे अंक में रन बना सकें। केकेआर के लिए हर्षित राणा (25 रन पर तीन विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे, जबकि वरुण चक्रवर्ती (21 रन पर दो विकेट) और सुनील नारायण (14 रन पर दो विकेट) ने दो-दो सफलता हासिल की। चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिए आये हर्षित ने पहली गेंद पर छक्का खाने के बाद तीन गेंद के अंदर आर्य और कप्तान कप्तान श्रेयस अय्यर (शून्य) को चलता कर केकेआर को शानदार वापसी कराई। पंजाब की खराब बल्लेबाजी इसके बाद भी जारी रही और जोश इंग्लिस (दो) को चक्रवर्ती ने बोल्ड कर दिया। प्रभसिमरन पर इन विकेटों का कोई असर नहीं हुआ और इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने छठे ओवर में हर्षित की गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़े। वह हालांकि दो गेंद बाद ही इस गेंदबाज का तीसरा शिकार बने। पावरप्ले में टीम 54 रन पर चार विकेट गंवा कर मुश्किल में थी और पारी को संवारने की जिम्मेदारी अनुभवी ग्लेन मैक्सवेल (7) और वढेरा पर थी। दोनों ने 10 ओवर संभल कर बल्लेबाजी की लेकिन नोर्किया ने अपने दूसरे स्पेल में वढेरा को पवेलियन की राह दिखा दी। मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी रहा जो चक्रवर्ती का शिकार बने। शशांक और बार्टलेट ने नौवें विकेट के लिए 23 रन की साझेदारी के साथ टीम को 100 रन के पार पहुंचाया लेकिन दोनों तीन गेंद के अंदर आउट हो गये।

पंजाब 111/10 (15.3 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
प्रियांश कै. रमनदीप बो. हर्षित	22	12	03	01
प्रभसिमरन कै. रमनदीप बो. हर्षित	30	15	02	03
श्रेयस कै. रमनदीप बो. हर्षित	00	02	00	00
इंगलिस बो. चक्रवर्ती	02	06	00	00
वधेरा कै. वेंकटेश बो. नॉर्तजे	10	09	02	00
मैक्सवेल बो. चक्रवर्ती	07	10	01	00
शेड़गे कै. डी कॉक बो. नरेन	04	04	00	00
शशांक एलबीडब्ल्यू अरोड़ा	18	17	01	01
मार्को येन्सन बो. नरेन	01	02	00	00
बार्टलेट रन आउट	11	15	01	00
अर्शदीप सिंह नाबाद	01	01	00	00

अतिरिक्त : 05

विकेट पतन : 1-39, 2-39, 3-42, 4-54, 5-74, 6-76, 7-80, 8-86, 9-109, 10-111.

गेंदबाज : वैभव अरोड़ा : 2.3-0-26-1, एनरिक नॉर्तजे : 3-0-23-1, हर्षित राणा :3-0-25-3, वरुण चक्रवर्ती : 4-0-21-2, सुनील नरेन : 3-0-14-2.

कोलकाता 95/10 (15.1 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
डी कॉक कै. शेड़गे बो. बार्टलेट	02	04	00	00
सुनील नरेन बो. येन्सन	05	04	01	00
रहाणे एलबीडब्ल्यू चहल	17	17	01	01
रघुवंशी कै. बार्टलेट बो. चहल	37	28	05	01
वेंकटेश एलबीडब्ल्यू मैक्सवेल	07	04	00	00
रिंकू स्टंप इंगलिस बो. चहल	02	09	00	00
आंद्रे रसेल बो. मार्को येन्सन	17	11	01	02
रमनदीप कै. अय्यर बो. चहल	00	01	00	00
हर्षित राणा बो. मार्को येन्सन	03	06	00	00
वैभव कै. इंगलिस बो. अर्शदीप	00	07	00	00
एनरिक नॉर्तजे नाबाद	00	00	00	00

अतिरिक्त : 05

विकेट पतन : 1-7, 2-7, 3-62, 4-72, 5-74, 6-76, 7-76, 8-79, 9-95 10-95.

गेंदबाज : मार्को येन्सन : 3.1-0-17-3, जेवियर बार्टलेट : 3-0-30-1, अर्शदीप सिंह : 3-1-11-1, युजवेंद्र चहल : 4-0-28-4, मैक्सवेल : 2-0-5-1.

आइपीएल 2025 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	रद्द	अंक	रन रेट
गुजरात	06	04	02	00	08	+1.081
दिल्ली	05	04	01	00	08	+0.899
बेंगलुरु	06	04	02	00	08	+0.539
पंजाब	06	04	02	00	08	+0.172
लखनऊ	07	04	03	00	08	+0.086
कोलकाता	07	03	04	00	06	+0.547
मुंबई	06	02	04	00	04	+0.104
राजस्थान	06	02	04	00	04	-0.838
हैदराबाद	06	02	04	00	04	-1.245
चेन्नई	07	02	05	00	04	-1.276

पर्पल कैप
12 विकेट
नूर अहमद
चेन्नई

ऑरेंज कैप
357 रन
निकोलस पूरन
लखनऊ

वापसी करने पर होंगी दिल्ली और राजस्थान की नजरें

नयी दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर वापसी करने के इरादे से उतरेंगे। राजस्थान ने जहां अब तक मिलाजुला प्रदर्शन किया है, वहीं दिल्ली की इस सत्र की यह पहली ही हार थी। लगातार चार मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली की टीम को रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने हराया था। इस हार के बाद दिल्ली शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी।

श्रेयस बने आइसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, जैकब डफी और रचिन को पछाड़ा

एजेंसी।

दुबई। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलात्मक बल्लेबाज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक 243 रन बनाये थे। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा। अय्यर ने आइसीसी में कहा, मार्च महीने के लिए आइसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविस्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। एक ऐसा क्षण जिसे मैं हमेशा अपनी यादों में संजो कर रखूंगा। उन्होंने कहा, प्रत्येक क्रिकेटर का सपना होता है कि वह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में भारत की जीत में योगदान दे। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। प्रशंसकों को भी दिल से धन्यवाद। आपकी ऊर्जा और प्रोत्साहन हमें हर कदम पर आगे बढ़ने में मदद करते हैं। यह लगातार दूसरा महीना है जबकि किसी भारतीय खिलाड़ी ने यह पुरस्कार हासिल किया। इससे पहले शुभमन गिल ने फरवरी महीने के लिए यह पुरस्कार जीता था। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में बीच के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करके पारी को संवारने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिससे भारत इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीतने में सफल रहा था।

लंगड़ाते हुए दिखे धोनी, उभर आई चोट सीजन खेलना संदिग्ध, चेन्नई मुश्किल में

एजेंसी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक बुरी खबर ने प्रशंसकों को झकझोर दिया है। टीम के कप्तान धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेले गये मैच में गंभीर रूप से चोटिल हो गये हैं। 43 साल के धोनी जो रुतुराज गायकवाड़ की चोट के बाद कप्तानी में लौटे थे, ने 11 गेंदों में नाबाद 26 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई, लेकिन अब उनकी फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं, जिससे चेन्नई का आइपीएल 2025 अभियान खतरे में पड़ गया है। गायकवाड़ की कोहनी की चोट ने उन्हें पूरे सीजन से बाहर कर दिया था, जिसके बाद धोनी ने कप्तानी संभाली और लगातार 5 हार के बाद चेन्नई को जीत की राह दिखाई। लखनऊ के खिलाफ उनकी पारी में चार चौके और एक छक्का शामिल था, जिसने चेन्नई को 3 गेंद शेष रहते 5 विकेट से जीत दिलाई। लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में धोनी को रविंद्र जडेजा के साथ होटल में लंगड़ाते हुए देखा गया। बताया जा रहा है कि 2023 में सर्जरी के बाद भी ठीक नहीं हुई उनकी घुटने की समस्या इस मैच में और गंभीर हो गई। चेन्नई के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि हम धोनी की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। वह लंबे समय से घुटने की परेशानी को संभाल रहे हैं, लेकिन पिछले मैच की वजह से यह बढ़ गई होगी। अगले 24 घंटों में स्थिति साफ होगी। फ्लेमिंग ने चोट की गंभीरता पर चिंता जताते हुए कहा कि अभी चीजें ठीक नहीं लग रही हैं। चेन्नई पहले से ही मुश्किल में है, 7 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे। बल्लेबाजी में टीम पावरप्ले में औसतन 45 रन ही बना पा रही है, जो सीजन के औसत 57 से कम है और मध्य क्रम भी फॉर्म में नहीं है।

एडम जंपा आइपीएल से बाहर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के खेल रहे लेग स्पिनर एडम जम्पा कंधे की चोट के कारण आइपीएल के शेष मैचों से बाहर हो गये है। जंपा को यह चोट एसआरएच और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गये मैच में गेंदबाजी के समय कंधे में कुछ दर्द हुआ। वे अगले चार मैचों में नहीं खेले और चिकित्सा सलाह के लिए आस्ट्रेलिया वापस चले गये। जंपा ने टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेला और दो बहुत ही उच्च स्कोरिंग खेलों में 48 रन देकर एक और 46 रन देकर एक विकेट लिया। ऐसा माना जा रहा है कि यह उसी समस्या की पुनरावृत्ति है जो उन्हें 2023 एकदिवसीय विश्वकप से पहले हुई थी।

भारत 11 साल बाद बांग्लादेश में खेलेगा वनडे और टी20 सीरीज

नयी दिल्ली। भारत 17 से 31 अगस्त तक मीरपुर और चटगांव में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैचों की सफेद गेंद की सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को कार्यक्रम की घोषणा की। भारतीय टीम 17 अगस्त को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में वनडे सीरीज के पहले मैच से पूर्व 13 अगस्त को ढाका पहुंचेगी। दूसरा वनडे 20 अगस्त को मीरपुर में खेला जायेगा। तीसरा और अंतिम वनडे चटगांव में खेला जायेगा, जहां 26 अगस्त को तीन मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच भी खेला जाएगा। दूसरे और तीसरे टी20 के लिए मैच मीरपुर में ही खेले जाएंगे। यह 2014 के बाद से भारत का बांग्लादेश का पहला सफेद गेंद वाला दौरा होगा। इसके अलावा टी20 सीरीज पहली बार होगी जब बांग्लादेश अपने घर में द्विपक्षीय सीरीज में भारत की मेजबानी करेगा। दोनों टीमों के बीच सबसे हालिया टी20आई सीरीज 2024 में हुई थी, जब बांग्लादेश ने भारत का दौरा किया था और मेजबान टीम ने 3-0 से आसान जीत हासिल की थी। आगामी सीरीज के बारे में बात करते हुए बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजाम उद्दीन चौधरी ने दुनिया की शीर्ष क्रिकेट टीमों में से एक की मेजबानी करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। चौधरी के हवाले से कहा, यह सीरीज हमारे घरेलू कैलेंडर में सबसे रोमांचक और सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक होने वाला है। भारत ने सभी प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेंचमार्क स्थापित किया है और दोनों देशों के लाखों क्रिकेट प्रेमी इस मुकाबले का आनंद जरूर लेंगे। बांग्लादेश और भारत ने हाल के वर्षों में कुछ बहुत ही प्रतिस्पर्धी मैच खेले है, और मुझे विश्वास है कि यह एक और कड़ी टक्कर वाली और मनोरंजक सीरीज होगी।

भारत के बांग्लादेश दौरे का कार्यक्रम
वनडे सीरीज
पहला वनडे - 17 अगस्त, मीरपुर
दूसरा वनडे - 20 अगस्त, मीरपुर
तीसरा वनडे - 23 अगस्त, चटगांव
टी20 सीरीज
पहला टी20 - 26 अगस्त, चटगांव
दूसरा टी20 - 29 अगस्त, मीरपुर
तीसरा टी20 - 31 अगस्त, मीरपुर

मध्य प्रदेश को 4-1 से हरा कर पंजाब बना चैंपियन

झांसी। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार को पंजाब ने मध्य प्रदेश को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पंजाब के लिए जुगराज सिंह ने (30वें, 49वें) मिनट में दो गोल किये। वहीं जसकरन सिंह ने (38वें) और मनिंदर सिंह ने (46वें) मिनट में एक-एक गोल किया। वहीं मध्यप्रदेश के लिए प्रताप लाकड़ा ने (28वें) में गोल किया। मध्यप्रदेश ने रजत पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी टॉप 10 में बरकरार, सिंधु और लक्ष्य नीचे खिसके

एजेंसी

नयी दिल्ली। नवीनतम बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने शीर्ष 10 में अपना स्थान बरकरार रखा है, जबकि पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन जैसे एकल सितारे और नीचे खिसक गये हैं। पिछले सप्ताह चीन के निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भाग नहीं लेने वाली ट्रीसा और गायत्री एक स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर आ गई हैं। ओलंपियन तनीषा क्रैस्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी 22वें स्थान पर बनी हुई है। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु चीन में राउंड-ऑफ-16 से बाहर होने के बाद 17वें से 18वें स्थान पर आ गईं। मालविका बंसोड़ (22वें), रक्षिता श्री (42वें), अनुपमा उपाध्याय (44वें) और आकर्षि कश्यप (49वें) शीर्ष 50 में शामिल अन्य भारतीय हैं। पुरुष एकल में पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले लक्ष्य सेन पहले दौर में हार के बाद 16वें से 18वें स्थान पर आ गए। एचएस प्रणय अपने पहले टूर्नामेंट में भी हारकर 29वें से 30वें स्थान पर आ गए। किरण जॉर्ज (35वें) और प्रियांशु राजावत (36वें) को क्रमशः एक और दो स्थान का लाभ हुआ। ट्रीसा-गायत्री की तरह, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने भी चीन में भाग नहीं लिया। यह जोड़ी एक स्थान के नुकसान के बाद 11वें स्थान पर है। तनीषा और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी, जो चीन में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय थी, एक स्थान के लाभ के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई।

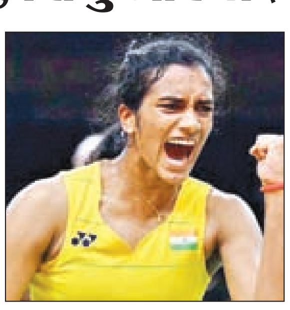

विनोद कांबली की पेंशन हुई डबल

मुंबई। क्रिकेट के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने अपने पुराने साथी विनोद कांबली की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है, जो लंबे समय से स्वास्थ्य और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। गावस्कर की 1999 में शुरू की गई चैंप्स फाउंडेशन अब कांबली को आजीवन हर महीने 30,000 रु. की आर्थिक सहायता देगी। यह मदद 1 अप्रैल 2025 से लागू हो चुकी है। साथ ही, फाउंडेशन कांबली के चिकित्सा खर्चों के लिए हर साल 30,000 रुपए का अतिरिक्त समर्थन भी देगी। 53 साल के कांबली जिन्होंने भारत के लिए 17 टेस्ट और 104 वनडे खेले, हाल के वर्षों में मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।

आईडब्ल्यूएलएफ एथलीट आयोग की अध्यक्ष चुनी गयीं मीराबाई चानू

एजेंसी

नयी दिल्ली। ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता एस. सतीश कुमार को भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आइडब्ल्यूएलएफ) के एथलीट आयोग का क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुना गया है। इन दोनों का कार्यकाल चार साल का होगा। मीराबाई भारत की सबसे सम्मानित भारोत्तोलकों में से एक हैं, जिनके नाम कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड और ऐतिहासिक उपलब्धियां हैं। कुल भारोत्तोलन में उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है, (स्नैच में 86 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 119 किग्रा) जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उनका 88 किग्रा भार उठाकर स्नैच में भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। टोक्यो 2020 ओलंपिक में वह रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय भारोत्तोलक बनीं, जिसने देश में इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया। इससे पहले 2017 में उन्होंने विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली दो दशकों से अधिक समय में पहली भारतीय बनकर 22 साल की प्रतीक्षा को समाप्त किया। सतीश ने गोल्ड कोस्ट में 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीता था। पुरुषों के 77 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, उन्होंने कुल 317 किग्रा - स्नैच में 144 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 173 किग्रा भार उठाया। यह उनका लगातार दूसरा राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक था। इससे पहले उन्होंने 2014 में ग्लासगो में यह खिताब जीता था।

कार्लसन ने पेरिस खिताब किया अपने नाम

नयी दिल्ली। शतरंज की दुनिया के दिग्गज मैग्नस कार्लसन ने फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर के पेरिस चरण का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल के दूसरे चरण में उन्होंने हिकारू नाकामुरा से ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल करते हुए 1.66 करोड़ रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। फाइनल के निर्णायक मैच में हिकारू नाकामुरा ने सफेद मोहरों से खेल की शुरुआत की। शुरुआती चरण में नाकामुरा ने आक्रामक रणनीति अपनाई और कार्लसन के h8 घर पर खड़े ऊंट (बिशप) को मात दी। हालांकि, नौवें के स्टार खिलाड़ी ने तेजी से जवाबी हमला करते हुए अपने घोड़े और हाथी (नाइट और रूक) की मदद से नाकामुरा की रणनीति पर पानी फेर दिया।

एटलेटिको मैड्रिड ने रियल वायडोलिड को 4-2 से हराया

एजेंसी

मैड्रिड। अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज के शानदार दो गोल की मदद से एटलेटिको मैड्रिड ने ला लीगा मुकाबले में रियल वायडोलिड को 4-2 से मात देकर खिताबी दौड़ में अपनी उम्मीदें जिंदा रखी हैं। सोमवार रात मेट्रोपॉलिटानो स्टेडियम में बारिश के बीच खेले गये इस मुकाबले में अल्वारेज ने दोनों गोल पेनल्टी से किये।

अल्वारेज के दो पेनल्टी गोल से मिली जीत

मैच की शुरुआत में ही रियल वायडोलिड ने 21वें मिनट में ममाडू सिल्ला के पेनल्टी गोल से बढ़त बना ली थी। लेकिन इसके बाद एटलेटिको ने वापसी की और 25वें मिनट में जूलियन अल्वारेज ने पेनल्टी से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। चार मिनट बाद ही जूलियानो सिमियोन ने गोल कर एटलेटिको को 2-1 की बढ़त दिला दी।

वायडोलिड ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे हाफ में वायडोलिड ने भी दम दिखाया। 56वें मिनट में जावी सांचेज की फ्री किक को कॉनर गैलाघर के डिफ्लेक्शन ने गोल में तब्दील कर स्कोर 2-2 कर दिया। लेकिन एटलेटिको ने हार नहीं मानी और 71वें मिनट में फिर से पेनल्टी पर अल्वारेज ने गोल कर अपनी टीम को 3-2 से आगे कर दिया।

सॉरलॉथ ने किया मैच का फैसला

मैच के 79वें मिनट में अल्वारेज का हैट्रिक गोल करने का मौका भी आया, लेकिन वायडोलिड के गोलकीपर आंद्रे फरेरा ने उसका शॉट रोक लिया। हालांकि, इसके रिबाउंड पर एलेक्जेंडर सॉरलॉथ ने गोल कर स्कोर 4-2 कर दिया और टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

अल्वारेज बोले- महत्वपूर्ण तीन अंक

मैच के बाद अल्वारेज ने कहा, ये तीन अंक हमारे लिए बहुत अहम हैं। अब हमें अगले मैच पर ध्यान देना है। हैट्रिक का मौका था, लेकिन टीम की जीत ज्यादा जरूरी थी। इस जीत के साथ एटलेटिको मैड्रिड के 63 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वहीं, वायडोलिड की लगातार यह पांचवीं हार है और वह अब भी 16 अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे है।

सुदीरमन कप 2025: बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप से बाहर रहने के बाद सात्विक-चिराग की वापसी

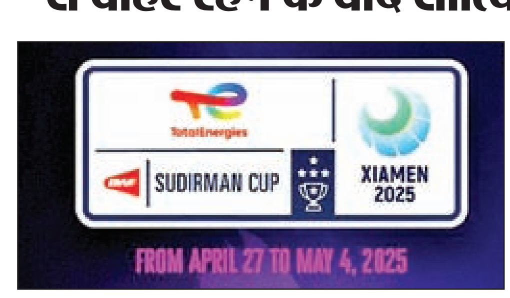

एजेंसी

नयी दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी फिर से मैदान में उतरने को तैयार है, क्योंकि भारत ने मंगलवार को सुदीरमन कप के लिए अपनी 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। सुदीरमन कप, 16 देशों की मिश्रित टीम स्पर्धा है जो 27 अप्रैल से 4 मई तक चीन के जियामेन में आयोजित की जाएगी। सात्विक-चिराग ने चोट के कारण पिछले सप्ताह चीन के निंगबो में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था। हालांकि, चोटिल महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, जो कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप में भी नहीं खेल पाईं थीं, को टीम में शामिल नहीं किया गया है। भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया।

सुदीरमन कप 2025 के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

- **पुरुष एकल** : लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय
- **महिला एकल** : पी. वी. सिंधु, अनुपमा उपाध्याय
- **पुरुष युगल**: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्सकरुनन/रुबन कुमार रेथिनासाबापति
- **महिला युगल** : श्रुति मिश्रा/प्रिया कोन्जेंगबाम
- **मिश्रित युगल**: तनीषा क्रैस्टो/ध्रुव कपिला, आद्या वरियाथ/ सतीश कुमार

सुदीरमन कप के लिए समूह

- **समूह ए** :- अल्जीरिया, चीन, हांगकांग, चीन, थाईलैंड
- **समूह बी** :- कनाडा, चीनी ताइपे, चेकिया, कोरिया
- **समूह सी** :- ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जापान, मलेशिया
- **समूह डी** :- डेनमार्क, इंग्लैंड, भारत, इंडोनेशिया

प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

भारत के समूह चरण के मैच

- **27 अप्रैल** :- भारत बनाम डेनमार्क
- **29 अप्रैल** :- भारत बनाम इंडोनेशिया
- **01 मई** :- भारत बनाम इंग्लैंड

प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होंगे - पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल।

स्पीड न्यूज

भोजपुरिया परिवार के दरोगा सिंह का आकस्मिक निधन

बोकारो। भोजपुरिया परिवार के बोकारो जिला उपाध्यक्ष ग्राम छोटका लवहार श्रीपाल जिला भोजपुर निवासी दरोगा सिंह का आकस्मिक निधन सुबह में स्थानीय सेक्टर 4 डी स्थित निवास पर हृदयाघात से हो गया। भोजपुरिया परिवार के लोगों ने उनके निधन पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की एवं ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। उक्त जानकारी भोजपुरिया परिवार के रास नारायण सिंह ने दी।

सुधीर मधुकर बने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संरक्षक

बोकारो। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की मासिक कवि गोष्ठी संघ कार्यालय जनवृत 2ए में कनक लता राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उनकी कविता नव वर्ष हमारा भारत देशभक्ति से ओतप्रोत थी। काव्य गोष्ठी की शुरूआत भारत माता के आगे दीप प्रज्वलित कर सुप्रिया कुमारी सरस की सरस्वती वंदना के मधुर गायन से हुई।

सरकार के फैसले विरुद्ध शिक्षक संघ ने मनाया काला दिवस

बोकारो। राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा शिक्षा विभाग के टीजीटी एवं पीजीटी संवर्ग को मरणशील घोषित करते हुए उसके बदले निम्न वेतनमान में माध्यमिक आचार्य नियुक्त करने के फैसले से असहमति प्रकट करते हुए झारखंड +2 शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ठाकुर के निर्देशानुसार बोकारो जिले के दोनों इंटरमीडिएट मूल्यांकन केंद्रों राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा एवं प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय चास पर सभी परीक्षकों ने काला बिल्ला लगाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया।

काव्योत्सव में साहित्यकारों का हुआ जुटान

बोकारो। रश्मिपुंज साहित्यानुरागी संस्थान के तत्वावधान में श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल सेक्टर 5 के सभागार में भव्य साहित्यिक कार्यक्रम पुस्तक विमोचन सम्मान समारोह व काव्योत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की प्राचार्या पी शैलजा जयकुमार राय बरेली से आए संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ गोविन्द गजब राष्ट्रीय महासचिव व कार्यक्रम संयोजक बोकारो की कवयित्री करुणा कलिका एवं आयोजन के सह-संयोजक व कार्यक्रम अध्यक्ष अरुण पाठक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

खेत में मिला एक युवक का अधजला शव, लोगो में आक्रोश

बेरमो। नावाडीह थाना क्षेत्र के मुंगो-कोदवाडीह सड़क मार्ग स्थित खेत में एक युवक का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गुंजरडीह के गांधीनगर टोला निवासी सीसीएल कर्मी माणिक तुरी के 20 वर्षीय पुत्र के रूप में की गयी है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और मामले की तफ्तीश मे जुट गई हैं। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीणों मे इस घटना को लेकर भारी आक्रोश देखने को मिल रहा था।

मृतक मजदूर के परिवार को चार लाख पचास हजार का चेक सौंपा गया

बेरमो। बेरमो अनुमंडल के बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र स्थित गोबिंदपुर रबीपंचायत जरवा बस्ती में मृतक मजदूर अशोक भुईयां के परिवार रूपा देवी के हाथों में मुआवजा के चार लाख पचास हजार रुपये का चेक स्थानीय थाना के प्रभारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने सौंपा, उस दौरान थाना के सब इंस्पेक्टर धनंजय कुमार सिंह, भागीरथ महतो स्थानीय मुखिया चंद्रदेव घांसी,सी पंचायत के मुखिया बिकास सिंह,मुखिया पति विस्थापित नेता प्रफुल ठाकुर,मंजूर आलम, के अलावा के आर कंस्ट्रक्शन के लोग उपस्थित थे।

शरीर पर लोहे का हुक फंसाकर 50 फीट ऊपर भोक्ता खूंटे पर झूले

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो/कसमार। कसमार प्रखंड के कुलागुजु मधुकरपुर दुगार्पुर मंजूरा,म बगदा अजैया एवं सिंहपुर सुप्रसिद्ध मड़प थान मे सोमवार को बुढाब्राबा के जयकारे से गूंजता रहा। आज तीन दिवसीय भोक्ता पर्व चड़क पूजा धूमधाम के साथ समापन हो गया। सुबह सैकड़ों भोक्तियाओ ने बुढा बाबा के प्रति श्रद्धा दिखाते हुए दहकते अंगारों पर चलकर उसके बाद अपने शरीर के पीठ पर छेद कर भक्तिया ने लगभग 50फीट ऊपर भोक्ता खूंटे मे लोहे के हुक के सहारे घूमने की विधि पूरी की। सिंहपुर बुढ़ाबाबा मढप थान में उपवास रख भक्तो ने स्थानीय तालाब मे स्नान किया। इसके बाद बुढ़ा बाबा की पूजा अर्चना की। कहीं भक्त ध्यान लगाकर बुढ़ा बाबा भजी नाथ भै कर रहे थे तो कहीं लोग बुढ़ा बाबा की पूजा अर्चना मे लीन दिख रहे थे। सिंहपुर बुढ़ाबाबा मढप थान मे पूजा अर्चना के लिए झारखंड बंगाल व बिहार के अलावे कई अन्य राज्यों व जिलो से हजारों की संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे थे। रात्रि के करीब 12 बजे से ही भीड़ व पूजा अर्चना के लिए कतारबद्ध खड़े थे। श्रद्धालु दूध व जल से बुढ़ा बाबा पर जलाभिषेक किया। साथ ही बेलपत्र सहित मिष्ठान्न से पूजा की। इस दौरान सिंहपुर कर बुढा बाबा भै के नारो से गुंजायमान हो गया। किसानो का पर्व भोक्त पर्व (चड़क पूजा)झारखंड में ही नही बल्कि कई राज्यों के आंशिक इलाको मे मनाया जाता है।

सीओ कार्यालय के टालमटोल के रवैये पर

प्रभात कॉलोनी वासियों में असंतोष

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। चास नगर निगम के वार्ड संख्या 26 प्रभात कॉलोनी के निवासियों की बैठक हरेन्द्र कुमार की अध्यक्षता एवं अतीश कुमार सिंह के संचालन में प्रभात कॉलोनी में संपन्न हुई। बैठक में प्रभात कॉलोनी के रैयतधारी जो जमीन खरीद कर एवं कमाए हुए पैसों से मकान बनाकर वर्षों से रह रहे हैं- वे शामिल हुए। बैठक में ऑनलाइन के नाम पर 2016-17 में रैयती किस्म की जमीन को सिक्कमी किस्म में करने के कारण आम लोगों ने भारी रोष एवं गुस्सा व्यक्त किया। सभी ने एक स्वर में चास अंचल कार्यालय के द्वारा की जा रही मनमानी और मालगुजारी रसीद नहीं काटने के कारण नित्य दिन हो रही परेशानियों को अपने-अपने वक्तव्य में रखा।

बैठक में उपस्थित विजय कुमार शर्मा ने कहा कि उक्त समस्या को लेकर हमलोग अंचल अधिकारी दिवाकर दुबे को 28 जनवरी एवं एक मार्च तथा उपायुक्त बोकारो को 17 मार्च को संयुक्त हस्ताक्षर का आवेदन पत्र देकर मिले। अंचल अधिकारी चास दिवाकर दुबे ने राजस्व कर्मचारी अशोक मिश्रा को निर्देश दिया था कि खाता संख्या 177 का खतियान का इंतजाम कर परिशोधन एप में जमीन के प्रकार का सुधार करने का काम किया जाए। किंतु मामले को टालने का काम किया जा रहा है। बैठक में कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए और इसे लेकर सांसद व विधायक से मिलने का निर्णय लिया गया। बैठक में अभय कुमार मुन्ना अतीश कुमार सिंह विजय कुमार सिंह राजेंद्र प्रसाद संतोष शाह मनोरंजन कुमार तिवारी हरेन्द्र कुमार संजय कुमार महेश प्रसाद कृष्ण कुमार राय साबरी कुमार भुनेश्वर ठाकुर मनोरंजन कुमार तिवारी कृष्णानंद सिंह सुमन कुमार श्याम बिहारी सिंह ललन कुमार ओम प्रकाश दास राजीव रंजन चंद्रकांत प्रसाद चौधरी अरविंद कुमार सियाराम शर्मा त्रिपुरारी कुमार कमलेश कुमार सिंह डॉ राजनंदन प्रसाद श्याम देव साव राम कुमार झा बीएन सिंह विनोद कुमार दिनेश कुमार अरविंद कुमार सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

जन शिकायत कार्यक्रम के प्रचार के लिए

कारगिल चौक पर प्रचार वाहन रवाना

अधिकारियों के नेतृत्व में जागरूकता अभियान

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। 16 अप्रैल को जिले में आयोजित होने वाले जन शिकायत समाधान कार्यक्रम को लेकर सोमवार को जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान जन शिकायत समाधान के तहत लगने वाले शिविर को लेकर कारगिल चौक पर प्रचार वाहन क्षेत्र भ्रमण के लिए रवाना किया गया।

वहीं बताया गया कि यदि आपके समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है या कही कोई सुनवाई नहीं हो रही तो आप बेझिझक अपनी शिकायत को लेकर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या को रखें, प्रशासन मामले की जांच कर त्वरित कार्रवाई करेगी। ज्ञात हो कि वहीं 16 अप्रैल दिन बुधवार को प्रशासन द्वारा आयोजित जन शिकायत समाधान कार्यक्रम गोड्डा के नगर भवन में एवं महागामा मुख्यालय अंतर्गत विवाह भवन में आयोजित किया जाएगा जहां किसी भी प्रकार के वाद विवाद, समस्या आदि को सुनकर मामले की जांच कर समस्या का समाधान किया जाएगा। वहीं समस्या के समाधान को लेकर लोगों को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया गया। उक्त जागरूकता रथ सदर क्षेत्र के बाद महागामा अनुमंडल क्षेत्र में भी लोगों को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के लिए जागरूक करेगी ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में पहुंच सके।

चरक मेला का आयोजन, शरीर को रस्सी से बांधकर घुमाया

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। पोड़ैया हाट प्रखंड अंतर्गत ऐतिहासिक तालाब पदमपुर शिव मंदिर प्रांगण में हर साल की भांति मंगलवार को चरक मेला का आयोजन हुआ। आयोजित मेला में तरह-तरह की बच्चों के खेल खिलौना एवं शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

आयोजित मेला के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने बताया कि ऐतिहासिक तालाब उद्धेश्वर नाथ के नाम से भी जाने जाते हैं।राजा भीमसेन के जमाने मे ही तालाब का निर्माण हुआ था और यह तलाब के समीप गरीब के लड़की की शादी होने पर बर्तन बासन की मांग किया करते थे और मिलता था और शादी के बाद फिर उसी जगह बर्तन को साफ सुथरा कर रख दिया जाता था।पूर्वजों से चला आ रहे पूजा अर्चना को हम हर्षीउल्लास के साथ पूरे आसपास के समाज एवं लोगों के साथ मिलकर मानते हैं। जानकारी के अनुसार झूलने वाले के शरीर को रस्सी से बांधकर लोहे का हुक फंसाया जाता है और तेज गति से झुलाया जाता है। यह बेहद कष्टप्रद है लेकिन समाज के लोगों की मान्यता है कि उपवास रहकर सेवा करने से इतनी शक्ति आ जाती है कि कष्ट का थोड़ा भी अनुभव नहीं होता। इस अनुष्ठान को करने वालों को चैत्र माह में संन्यास धारण करते पारम्परिक वेशभूषा में भिक्षा मांग एक पहर भोजन ग्रहण करना होता है। खजूर भांगा महोत्सव का इंतजार लोग बेसब्री से करते हैं। शिवभक्त की टोलियों में 2 सदस्य गंगा जल से स्नान कर गेरुआ वस्त्र धारण कर कटीले खजूर पेड़ में बिना किसी सहारे चढ़ते हैं तथा नृत्य करते हुए पेड़ पर लगी कच्चे खजूर की डालियों को तोड़ नीचे फेंकते हैं। नीचे खड़े श्रद्धालु ऊपर से फेंके खजूर फल को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। यह दिन शिवभक्तों का भिक्षा मांगने का आखिरी दिन होता है।इसके बाद शिवभक्त अपने पीठ में रस्सी से लोहे की हुक लगा चरक पर्व मनाते हैं।चरक पूजा में वही भक्त शामिल होते हैं जो उपवास मे रहते है। इस दौरान नागेंद्र सिंह विनोद सिंह गुरु सिंह संजय कुमार सिंह मुकेश कुमार सिंह राजू कुमार प्रीतम कुमार रोहित कुमार संतोष कुमार गोपाल कुमार सहीत सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद थे।

विपिन चाचान ने रोटरी चास का किया दौरा

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। रोटरी जिला 3250 के जिला पाल विपिन चाचान ने रोटरी क्लब चास का आधिकारिक दौरा किया। दिन में रोटरी क्लब चास द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया एवं स्थाई परियोजनाओं का अवलोकन किया एवं विगत 10 महीना में रोटरी क्लब चास द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन किया। उन्होंने रोटरी क्लब चास द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। मौके पर उन्होंने कहा कि हर रोटेरियन में समाज को सकारात्मक दिशा देने की क्षमता है। कहा कि यह रोटरी का जादू है कि विश्व से लगभग पोलियो का उन्मूलन हो चुका है। चाचान ने कहा कि रोटरी अपने सदस्यों को प्रेरित करता है कि वह दुनिया में सकारात्मक परिवर्तन लाए व सेवा के प्रति प्रतिबद्ध रहे और चुनौतियों को अवसर में बदलें। रोटरी 3250 की प्रथम महिला शिल्पी चाचान ने सभा को संबोधित करते हुए रोटरी में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ परिंदा सिंह ने रोटरी थीम रोटरी का जादू पर विस्तृत चर्चा की।

भाजपा को हराना है तो सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर

एक मंच से राहुल गांधी को करें मजबूत : दीपिका

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज मंत्री, झारखंड सरकार, दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी आज की राजनीति में एक ऐसा नाम बन चुके हैं, जो न केवल संघर्ष का प्रतीक है, बल्कि एक नई सोच और उम्मीद का चेहरा भी हैं। जब तमाम राजनीतिक दल भ्रम और अवसरवाद की राह पर चलते दिखते हैं, तब राहुल गांधी सच्चाई, संवेदनशीलता और सिद्धांतों की राजनीति का उदाहरण पेश करते हैं। उनकी भारत जोड़ो यात्रा ने देश को बताया कि नेतृत्व सिर्फ सत्ता हासिल करने का नाम नहीं, बल्कि देशवासियों की पीड़ा को समझने और उनके साथ खड़े होने का संकल्प है। उन्होंने हर वर्ग की आवाज को अपने मंच पर जगह दी, चाहे वो किसान हो, युवा हो या महिलाएं।

राहुल गांधी की सबसे बड़ी ताकत है उनका निर्भीक और साफ दृष्टिकोण। वे बिना डरे सत्ता के दमन के खिलाफ बोलते हैं, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लड़ते हैं। आज जब देश को एक जिम्मेदार और संवेदनशील नेतृत्व की जरूरत है, राहुल गांधी एक मजबूत, सच्चे और उम्मीद भरे विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। वे राजनीति में इंसानियत और आदर्शों की वापसी का नाम हैं। यह रहे कुछ उपयुक्त हैशटैग्स जो राहुल गांधी, कांग्रेस और दीपिका पांडे सिंह से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट्स के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं।

ट्रैफिक में उलझा बसंतराय बिशुआ मेले का उत्सव

गोड्डा /बसंतराय। प्रखंड मुख्यालय में आयोजित बिशुआ मेले के दौरान मेला प्रवेश द्वार पर टेम्पो और टोटो वाहनों की अव्यवस्थित आवाजाही के कारण भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मेला स्थल के मुख्य प्रवेश द्वार पर सैकड़ों गाड़ियाँ फंसी हुई हैं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि ऐम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं को भी जाम में फंसकर देर हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड में डीपीएस बोकारो के 7 विद्यार्थी बने इंटरनेशनल टॉपर

40 विद्यार्थियों ने स्वर्ण तो 44 ने जीते रजत पुरस्कार

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने देवभाषा संस्कृत पर भी अपनी मजबूत पकड़ का परिचय देते हुए इंटरनेशनल ओलंपियाड फाउंडेशन की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संस्कृत ओलंपियाड 2024-25 में कुल 112 विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त की। सात छात्र-छात्राओं शताक्षी सिंह अक्षरा सिंह सृष्टि कनक ट्यूलिप सौम्या ऋषिता कुमार संस्कृति सिंह एवं कुणाल आनंद ने इंटरनेशनल टॉपर होने का गौरव हासिल किया। वहीं,सात्विक रूपम द्विवेदी ने जोनल टॉपर का खिताब हासिल किया। इनके अलावा विद्यालय के 40 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण व 44 को रजत तथा 20 को कांस्य पदक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में समृद्धि प्रिया आरव बारिक अदिरा दीप कुंवर शौर्य तनुष मार्डी आराध्या सिंह अक्षिता आर्या आरुष कुमार सिन्हा आशीष अवनी प्रियदर्शी आइवी दास काव्या प्रज्ञान बनर्जी ऋध्वि शारदा नंदिनी श्रेयस निखिल स्पर्श सेठी वंश राज वेद यशस्वी पार्थ आयुष कुमार अभिनव मंडल अर्पित श्रीकृष्णा अतुल्य रंजन रॉय आयुष सिंह एकलव्य मिश्रा कुशाग्र राज ओम प्रकाश पात्रा पहल लता पलक प्रिया ऋषभ राज ऋषित ओम रौनक राज साहिल कुमार यादव सौमिली मंडल सृष्टि गोराईं अक्षत सिंह अनिमेष आनंद जय सात्विक मेदिरेड्डी श्रेयस शेखर एवं विद्या स्मृति के नाम शामिल हैं। रजत पुरस्कार विजेताओं में सजग सूर्यांश पांडेय आद्विक आद्या सिंह अभिज्ञान अभिनव भास्कर मेघा राज नौशीन कुरैशी संस्कृति सरित चक्रवर्ती शौर्य शांडिल्य श्रेयांश नयन ट्विंकल सिन्हा वेदांत अग्रवाल अमित दत्ता प्रियदर्शिनी रक्षित त्रिदास रंजन अभिनव कुमार अदिति अंशुली आर्या अनुष्का आर्यमन आशीष अथर्व केडिया आयुष नारायण गर्वित श्रीवास्तव काव्या मिश्रा मोक्ष नारायण रमण चतुर्वेदी श्लोक आनंद श्रेया मानसी सिया सिन्हा उत्तरा सिंह आस्था सिंह अक्षन्या सेजल आर्यना रॉय आयुष ओम दास ध्रुव लोधा दिव्य दर्शिल मीनाक्षी तनु रिया कुमारी रूही शांभवी सिंह स्वरा सुशील कोहाडे उर्षिता सोनी विष्णु श्री प्रिया तथा कांस्य पुरस्कार जीतने वालों में अभिनव बराल अर्णव प्रताप राघव अश्विता पांडेय चंचल नीत कृतिकेश कुमार मिश्रा नमित गर्ग शान्वी अग्रवाल शिवांश प्रधान प्रतीक राज उत्कर्ष राज यशस्वी रोशन अन्वेषा सिंह आयावीर सम्राट नेत्रांजन राय पीयूष मल्लिक श्रेया दीप निशांत कुमार सक्षम सौम्या एवं सुहाना शर्मा के नाम शामिल हैं। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 10वीं तक के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। विद्यालय में आयोजित स्पेशल एसेंबली के दौरान प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने इंटरनेशनल टॉपरों के साथ-साथ अन्य पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। विजेताओं को ट्रॉफी मेडल बैज और प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। उन्हें इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

खबर एक नजर में

तेनुघाट ट्रेजरी कार्यालय में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। तेनुघाट स्थित बेरमो ट्रेजरी ऑफीस में 15 अप्रैल को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यहां पूर्व ट्रेजरी ऑफिसर संजय विनीत होरो ने नव पदस्थापित ट्रेजरी ऑफिसर गुलाब चंद उरांव को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। वहीं गुलाब चंद उरांव ने भी संजय विनीत होरो को पुष्प गुच्छ दे कर सम्मानित किया। विदाई सह सम्मान समारोह के अवसर पर अवर निबंधक तुलिका रानी, कृषि पदाधिकारी निशा कुल्लू, हेमलाल यादव, प्रकाश कुमार, घनश्याम मुंडा सहित ट्रेजरी ऑफिस के उपस्थित सभी कर्मचारियों ने पूर्व ट्रेजरी ऑफिसर को पुष्प माला पहनाकर और शाल ओढ़ाकर सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी। साथ हीं पदभार ग्रहण कर रहे ट्रेजरी ऑफिसर का स्वागत किया। इस अवसर पर पदभार ग्रहण करते नव पदस्थापित ट्रेजरी ऑफिसर गुलाब चंद उरांव ने ऑफिस के सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। मौके पर कुंदन एक्का, स्वस्ति कुमार, जय प्रकाश झा सहित कार्यालय के तमाम कर्मचारीगण उपस्थित थे।

परेशान कोलियरी प्रबंधक ने अनिश्चितकालीन के लिए रोड सेल किया बंद

बेरमो। सीसीएल बीएंडके एरिया की एककेओसीपी (खासमहल- कोनार) के कोयला व्यापारी ने पैसा रिफंड के लिए जीएम को पत्र लिखा। सेल कमेटी और कोयला व्यापारी में रेट तय नहीं होने कारण प्रबंधन ने लोकल सेल से कोयला उठाव बंद का नोटिस निर्गत कर दी है। सेल कमेटी की मनमानी से परेशान कोलियरी प्रबंधन अनिश्चितकालीन रोड सेल बंद किया। बताते चले कि यहां सेल कमेटी ने डीओ धारकों को 5650 रुपए प्रतिटन से कोयला उठाव करने की दर तय कर दी है। लेकिन सेल कमेटी की ओर से तय दर पर ही कोयला बेचने को कहा जाता है। अन्यथा कोयला उठाव में अड़ंगा डालते हैं। वर्तमान में डीओ धारकों ने यहां 5500 रुपए प्रति टन दर से कोयला का डीओ लगाकर कोयला खरीदा है। लेकिन उन्हें तय दर पर कोयला उठाव करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हलाकि सीसीएल प्रबंधन कोयला उठाव का प्रयास कर रही है। डीओ धारक अपने कोयला सेल कमेटी को उस दर बेचने को तैयार नही हैं। जबकि सेल कमेटी अभी भी अपनी मांग पर अड़ा है। सेल कमेटी के लोग डीओ धारकों को कोयला खरीद दर से 150 रुपए मार्जिन देकर कोयला उठाव करने का आदेश देने को तैयार हैं।

सदमा कला पंचायत में मनाया गया पोषण पखवाड़ा

बेरमो। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत सदमा कला पंचायत के सभागार में मंगलवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में पोषण जागरूकता को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाने और समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सदमा कला, कोह, ओरदाना एवं चलकरी पंचायत के आंगनवाड़ी केंद्रों की सेविका एवं सहायिकाओं द्वारा पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्टॉल में चावल, मक्का, महुआ, रागी के लड्डू, हरी सब्जी, पपीते की खीर सहित विभिन्न पारंपरिक और पौष्टिक व्यंजन प्रस्तुत किए गए। यह कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता को सुदृढ़ बनाने और व्यक्तियों एवं समुदायों दोनों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर केंद्रित था। मौके पर सीडीपीओ चंदा रानी, पर्यवेक्षक आशा कुमारी, पूर्व मुखिया पंकज कुमार सिन्हा, डॉ. श्रेयशी सिन्हा, आजाद सहित क्षेत्र की आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका उपस्थित रहीं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन

बेरमो। अर्पिता महिला मंडल के तत्वाधान में बोकारो एवं करगली क्षेत्र के कौशल विकास केंद्र में महिलाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन अर्पिता महिला मंडल बोकारो एवं करगली क्षेत्र के अध्यक्ष श्रीमती श्वेता कुमारी के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में महिलाओं को तीन माह तक कंप्यूटर से संबंधित बेसिक प्रशिक्षण जैसे कि एमएस ऑफिस, पावर बिंदु एवं हार्डवेयर से संबंधित विभिन्न प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सीसीएल के अधिकारी एवं डाटा एंट्री ऑपरेटर नरेंद्र कुमार के द्वारा दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिला शक्ति को सशक्त बनाते हुए समाज में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। वर्तमान में इस कार्यक्रम में 10 महिलाओं को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस अवसर पर प्रियंका चौबे, विहंसा नंदन, रिंकी चंद्रा आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

मजदूरों का 21 सूत्री मांगो को लेकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन

बेरमो। यूनाइटेड कोल्ड वर्कर्स यूनियन (एटक) ढ़ोरी के बैनर तले मजदूरो की 21 सूत्री मांगो लेकरएसडीओसीएम, एएडीओसीएम और महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर एसओपी माला कुमारी और कार्मिक प्रबंधक सुरेश सिंह को मांग पत्र सौपा। एसओपी माला कुमारी ने मजदूरों के कल्याण संबंधित आवास मरम्मती, बिजली, पानी, साफ-सफाई, प्रमोशन सहित सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। पुराना बीडीओ ऑफिस से जुलूस निकलकर नारा लगाते ढ़ोरी महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचा। यहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा को एटक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लखन लाल महतो तथा वरीय नेता चंद्रशेखर झा ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार मजदूरों पर आए दिन अत्याचार कर रही है।

सेंट्रल हॉस्पिटल ढोरी में मर्ज का आरसीएमयू ने किया प्रदर्शन और सौपा ज्ञापन

बेरमो। सीसीएल अंतर्गत बीएंडके एरिया के करगली रीजनल अस्पताल को सेंट्रल हॉस्पिटल ढोरी में से मर्ज का विरोध करते हुए आरसीएमयू बीएंडके क्षेत्र के द्वारा विरोध-प्रदर्शन कर प्रबंधन को ज्ञापन सौपा गया। यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने कोयला चोर महाप्रबंधक मुदार्बाद का नारा लगाया। क्षेत्रिय सचिव श्यामल कुमार सरकार ने सीसीएल सीएमएस का जमकर विरोध किया। उपस्थित सभी नेताओं ने रिजनल अस्पताल करगली का सेंट्रल हॉस्पिटल ढ़ोरी में मर्ज करने का विरोध किया और कहा कि किसी भी कीमत पर अस्पताल को शिफ्ट नहीं होने देंगे। मौके पर छेदी नोनिया, प्रताप सिंह, रोशन सिंह, अशोक अग्रवाल, अरुंजय सिंह, निरंजन सिंह ,डोमन पासवान, जमील अंसारी, जयनाथ तांती, सुरेंद्र विश्वकर्मा, शरण सिंह राणा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे। सीआईएसएफ की ओर से बोकारो थर्मल में किया गया अग्नि समन सप्ताह की शुरूआत।

छात्रों को दिया गया आग से बचाव का प्रशिक्षण

बेरमो। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की ओर से बोकारो थर्मल में अग्नि समन सेवा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा हैं जिसके तहत मंगलवार को संत पॉल मॉर्डन स्कूल के बच्चों एवं शिक्षकों को डेमो कार्यक्रम के जरिए आग से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही जानकारी देते हुए उपाय बताए गए। सीआईएसएफ अग्निशमन शाखा के इंस्पेक्टर ए के शर्मा ने बताए कि अग्नि समन सेवा सप्ताह की शुरूआत 14 अप्रैल को हुआ था जो 20 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान विद्यालयों के विद्यार्थियों , शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए प्राथमिक अग्नि शमन प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशामकों को चलाने का प्रशिक्षण एवं अग्नि रोकथाम के उपाय के बारे में बताया जा रहा है। इस दौरान सीआईएसएफ जवानों के अलावे विद्यालय के निदेशक सुरेश गायकवाड, ट्रेजरर ई तिवारी, प्राचार्य स्वाति प्रियंका सहित कई शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

मोसाद ने गाजा संघर्ष समाप्त करने का किया आग्रह

यरूशलम। इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद के 250 से अधिक पूर्व अधिकारियों ने गाजा में जारी संघर्ष की समाप्ति और इजरायली नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सरकार को संयुक्त पत्र जारी किया है। पत्र पर तीन पूर्व मोसाद प्रमुख डैनी याटोम, एफ्राइम हलेवी और तामीर पार्डो, सहित खुफिया सेवा (मोसाद) के 12 से अधिक अनुभवी अधिकारियों ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इन पूर्व मोसाद अधिकारियों ने अपने बयान में कहा, जारी लड़ाई बंधकों और हमारे सैनिकों की जान को खतरे में डाल रही है। पीड़ा समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह साहसिक निर्णय ले और देश की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी से कार्य करे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इन पत्रों को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इन पत्रों पर हस्ताक्षर करने वालों को चरमपंथी अल्पसंख्यक समूह करार दिया , जो इजरायली समाज को अंदर से तोड़ने की कोशिश कर रहा है।

चीन से नेपाल को जोड़ने वाली रेललाइन पर तेजी से हो रहा है काम

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू से भारत को जोड़ने वाली रेल परियोजना भले ही कछुआ चाल से चल रही है लेकिन चीन से काठमांडू को जोड़ने वाली रेलवे लाइन का काम बहुत तेजी से चल रहा है और केरुंग से काठमांडू के बीच यह लाइन लगभग 72 किलोमीटर लंबी होगी। यह लाइन चीन की बेल्ट एंड रोड पहल का हिस्सा है। नेपाली मीडिया रिपोर्ट के अनुसार काठमांडू-केरुंग रेलवे लाइन का भूवैज्ञानिक अध्ययन अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। यह अध्ययन चीनी सरकार के तकनीकी और वित्तीय सहयोग से किया जा रहा है। इस रेलवे लाइन से जुड़ने वाले काठमांडू, नुवाकोट और रसुवा जिलों में व्यवहार्यता अध्ययन चल रहा है। तीन जिलों में 80 में से 75 स्थानों पर ड्रिलिंग द्वारा मिट्टी निकाली जा चुकी है।

बम विस्फोट में तीन पुलिस कर्मियों की मौत ,16 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को सड़क किनारे हुए बम विस्फोट में कम से कम तीन पुलिसकर्मी मारे गए और 16 अन्य घायल हो गए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि यह घटना मस्तुंग जिले के कुंड मसूरी इलाके के पास हुई, जहां कलात जिले के प्रशिक्षण केंद्र से कर्मियों को ले जा रहा पुलिस ट्रक एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) की चपेट में आ गया।

ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड विवि की फंडिंग रोकी

वाशिंगटन। अमेरिका में हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा संघीय सरकार की मांगों की एक सूची को अस्वीकार करने के कुछ घंटों बाद ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को विश्वविद्यालय को 2.2 अरब डॉलर के बहु-वर्षीय अनुदान और छह करोड़ रुपये के अनुबंध पर रोक लगाने की घोषणा की। इससे पहले दिन में हार्वर्ड ने विश्वविद्यालय के शासन, भर्ती और प्रवेश प्रथाओं में व्यापक बदलाव करने की प्रशासन की मांगों का पालन करने से इनकार कर दिया, यह देखते हुए कि वह ह्यअपनी स्वतंत्रता या अपने संवैधानिक अधिकारों पर बातचीत नहीं करेगा।

मालदीव ने लगाया इजरायली पासपोर्ट धारकों के प्रवेश पर प्रतिबंध

कोलंबो। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव आव्रजन अधिनियम में तीसरे संशोधन को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत इजरायली पासपोर्ट धारकों को मालदीव गणराज्य के क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि 15 अप्रैल को वर्ष के पहले सत्र की 20वीं बैठक के दौरान पीपुल्स मजलिस द्वारा संशोधन पारित किया गया।

बिहार विस चुनाव को लेकर हुई कांग्रेस-राजद की बैठक, 17 को पटना में होगी आगे की चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष के राजनीतिक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं।इसी संदर्भ में मंगलवार को दिल्ली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस की बैठक हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भाग लिया। आगे की चुनावी रणनीति को लेकर अब 17 अप्रैल को पटना में बैठक बुलाई गई है जिसमें विपक्ष के अन्य दलों के प्रतिनिधियों के भी भाग लेने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के आवास पर हुई बैठक में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार शामिल हुए।

वहीं, राजद सांसद मनोज झा भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज की बैठक में महागठबंधन की मजबूत बनाए जाने पर विचार किया गया। बिहार में इस बार निश्चित तौर पर बदलाव

होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में बिहार की जनता को हम एक सशक्त, सकारात्मक, न्यायप्रिय व कल्याणकारी विकल्प देंगे। युवा, किसान-मजदूर, महिलाएँ, समाज के पिछड़े, अति पिछड़े व अन्य सभी वर्गों के लोग बिहार में महागठबंधन की सरकार चाहते हैं।

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम बिहार को प्रगति के मार्ग पर लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिहार सबसे अधिक आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है, प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है, किसानों की आय भी कम है। हम इन सभी मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। सरकार की कमियों को जनता के सामने उजागर करना हमारी जिम्मेदारी है। महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे के बारे में उन्होंने कहा कि इसपर आगे विचार किया जाएगा लेकिन यह निश्चित है कि इसबार बिहार में एनडीए की सरकार नहीं होगी।

बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 17 अप्रैल को आगे के विषयों पर विचार के लिए पटना में बैठक होगी। उस बैठक में सारे दलों से मिलकर एक आम सहमति बनाकर और मजबूत रणनीति के साथ हम आगे बढ़ेंगे। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि आज बैठक में कई सारे विषयों पर चर्चा हुई। हम पूरी ताकत और एकजुटता के साथ एनडीए की सरकार से लड़ेंगे।

मुर्शिदाबाद को लेकर ममता के साथ कांग्रेस पर भी मुख्यमंत्री ने बोला हमला

लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने हरदोई में 650 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

एजेंसी

हरदोई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के नायक अमर सेनानी राजा नरपति सिंह रैकवाड़ को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के लिए 650 करोड़ की 729 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजा नरपति सिंह की इस पावन धरा पर उनके विजय उत्सव में आप सबको बधाई देने आया हूं। इनके शौर्य एवं पराक्रम के कारण आज हम सब स्वतंत्रता का लाभ पा रहे हैं। योजनाओं को संचालित कर पा रहे हैं। यह वर्ष देश के संविधान को लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर अमृत महोत्सव के साथ आगे बढ़ने का है। बाबा साहेब डॉ. आम्बेडकर की वजह से उत्तर से दक्षिण तक एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ एक साथ पूरा देश लड़े, ऐसा कम ही देखने को मिलता था। वर्ष 1857 की क्रांति ने पूरे देश में जज्बा पैदा

कर दिया। मंगल पांडेय से पूछा गया कि तुम्हे आजादी क्यों चाहिए? तुम तो अंग्रजी फौज में हो। इस पर उन्होंने कहा था कि रख लो अपनी नौकरी, हमारा देश आजाद होना चाहिए। योगी ने रानी लक्ष्मीबाई, राजा नरपति सिंह समेत अन्य महानसपूतों को याद किया। उन्होंने कहा कि हरदोई जनपद की सीमा पर टेक्सटाइल पार्क स्थापित होने जा रहा है। हजारों युवाओं को नौकरी मिलेगी। यहां के कारीगरों को रोजगार मिलेगा। देशभर के लोगों को आपके हरदोई में आना पड़ेगा। जिले की कनेक्टिविटी ठीक की जाएगी। इस क्षेत्र के पक्षी विहार की कनेक्टिविटी ठीक करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो लोग भारत के रहन-सहन और समरसता पर सवाल उठा रहे थे, वे प्रयागराज कुंभ देखकर दंग रह गए। एक भारत श्रेष्ठ भारत का इससे अनुपम उदाहरण कहीं और नहीं मिलेगा। भारतीय डुबकी लगाना चाह रहे थे। विदेशी लोग भीड़ देख कर अभिभूत थे। यह तब संभव हो सका जब सभी लोग एक दिशा में सोचते हैं।

ममता बनर्जी के साथ कांग्रेस पर भी योगी ने बोला हमलामुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज देश में विकास की नयी-नयी परियोजनाएं आ रही हैं। देश तरक्की कर रहा है। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था होगा। आज हम सब लोग आगे बढ़ रहे हैं। याद कीजिए 2017 के पहले उप्र का। पहले की सरकार इन दंगाइयों को पूरी छूट दे रखी थी। दंगा होता था। अब उप्र में दंगा नहीं होता। लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। मुर्शिदाबाद की घटना पर योगी ने कहा कि न्यायालय ने वहां की सुरक्षा की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने ममता बनर्जी के साथ ही कांग्रेस पर भी हमला बोला। योगी ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में जमीन पर कब्जा करके गुण्डागर्दी करने की छूट नहीं मिलेगी। अब इन्हें डर है कि जिन्हें लूट की छूट दे रखे थे, वही इनके लूटे हुए धन को लूटने न लगें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वक्फ को लेकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। वक्फ भी लूट का अड्डा बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देश विकसित भारत की यात्रा को तेजी से तय कर रहा है।

इस मौके पर आबकारी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नितिन अग्रवाल, परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह, राज्य मंत्री रजनी तिवारी, सांसद जय प्रकाश रावत, अशोक रावत, विधायक आशीष सिंह आसू, मानवेन्द्र सिंह, श्याम प्रकाश समेत अन्य नेता और अधिकारी मौजूद रहे।

खबर एक नजर में

मुर्शिदाबाद हिंसा के दौरान पिता पुत्र की हत्या मामले में दो गिरफ्तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले के समशेरगंज इलाके में हुई हिंसा के दौरान एक पिता और उसके बेटे की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतकों की पहचान हरगोबिंद दास और उनके बेटे चंदन दास के रूप में हुई थी। बीते सप्ताह पूरे मुर्शिदाबाद ज़िले में वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया था। इसी दौरान समशेरगंज में यह हत्या हुई थी, जिसने हालात को और गंभीर बना दिया था। दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुप्रतिम सरकार ने मंगलवार को बताया कि हत्या के मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक को सोमवार देर रात बिरभूम जिले के मुराराई इलाके से पकड़ा गया, जबकि दूसरे को मंगलवार सुबह मुर्शिदाबाद के सुत्ती से गिरफ्तार किया गया। हालांकि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। बताया गया है कि दोनों आरोपित आपस में चचेरे भाई हैं। दोनों आरोपितों को मंगलवार को जिला अदालत में पेश किया गया, जहां अभियोजन पक्ष पुलिस हिरासत की मांग की है। मुर्शिदाबाद के जंगीपुर, समशेरगंज, धूलियान और सूती जैसे संवेदनशील इलाकों में मंगलवार सुबह से हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। यह दिन बंगाली नववर्ष की शुरूआत के साथ ही आया है, जिससे कई दुकानों ने एक सप्ताह बाद अपने शटर खोले। हालांकि सड़कों पर आम लोगों की आवाजाही अभी सामान्य से काफी कम है। केंद्रीय सशस्त्र बल और राज्य पुलिस के जवान इलाके में लगातार रूट मार्च कर रहे हैं। वहीं, इंटरनेट सेवाएं अब भी मुर्शिदाबाद के साथ-साथ मालदा और बीरभूम ज़िलों के कुछ हिस्सों में निलंबित हैं। पुलिस के अनुसार, हिंसा और तोड़फोड़ के मामलों में अब तक 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रशासन स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

प्रत्येक व्यक्ति को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता : जेपी नड्डा

देहरादून। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश के प्रत्येक गरीब व्यक्ति को किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना केंद्र सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है जो न केवल उपचारात्मक हो बल्कि निवारक, उपशामक और पुनवार्सात्मक भी हो। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री ने एमबीबीएस, डीएम, एमएससी नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग और बीएससी एलाइड हेल्थ साइंसेज कार्यक्रमों के 10 मेडिकल छात्रों को स्वर्ण पदक और डिग्री प्रदान की। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 434 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड के स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत, उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष रितु खंडूरी भूषण सहित अन्य नेता मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक विशेष अवसर होता है जो विद्यार्थियों द्वारा अर्जित उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है। उन्होंने छात्रों को करुणा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने काम को बिना किसी स्वार्थ के करने के लिए प्रोत्साहित किया।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सदी के आगमन तक भारत में केवल एक एम्स था। वर्तमान में देश में 22 एम्स कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने अपनी बेहतरीन सेवाओं के कारण स्वास्थ्य सेवा संस्थानों के बीच एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

ईडी ने की रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ

भाजपा ने कहा- कोई भी देश के कानून से ऊपर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और व्यापारी रॉबर्ट वाड्रा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया। राबर्ट वाड्रा ईडी दफ्तर पहुंचे और उनसे पूछताछ की गई । इस प्रकरण पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधते हुए कहा कि कानून से कोई ऊपर नहीं है। मंगलवार को भाजपा नेता गौरव भाटिया ने एक्स प्लेटफार्म पर इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भूमि माफिया रॉबर्ट वाड्रा को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया गया था। यह हरियाणा में हुए भूमि घोटाले से संबंधित है। इसे शिकोहपुर भूमि स्कैम के नाम से जाना जाता है। जहां 24 घंटे के भीतर, मुख्यमंत्री ने शक्तियों का दुरुपयोग कर, रॉबर्ट वाड्रा द्वारा नियंत्रित और स्वामित्व वाली एक

कंपनी को एक लाइसेंस दिया गया था। आज जब उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया, तो यह कानून के शासन की शक्ति के बारे में बहुत कुछ कहता है और यह एक मजबूत संदेश भेजा गया है कि कोई भी देश के कानून के ऊपर नहीं है, खासकर झूठे गांधी परिवार से, जो दुनिया का सबसे भ्रष्ट परिवार है।

क्या है पूरा मामला : रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मामला 1 सितंबर, 2018 को दर्ज किया गया था। सुरेंद्र शर्मा की शिकायत पर गुड़गांव के खेरकी दौला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शर्मा का आरोप था कि रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर उन्हें धोखा दिया है।

आईएएस अधिकारियों के विकास कार्य राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगे: राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्तमान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत 2023 बैच के आईएएस अधिकारियों के एक समूह ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने आईएएस अधिकारियों से कहा कि स्थानीय और राज्य स्तर पर उनके द्वारा किए गए विकास और जनकल्याण के कार्य राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होंगे।

राष्ट्रपति ने आईएएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे असाधारण दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से आईएएस अधिकारी बने हैं। इससे उनके व्यक्तिगत जीवन में भी बड़ा बदलाव आया है। अब और भी अधिक दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ उन्हें अनगिनत लोगों के जीवन में परिवर्तनकारी बदलाव लाने का अवसर मिला है। उनकी सेवा और अधिकार का क्षेत्र इतना व्यापक है कि वे अपनी पहली पोस्टिंग में ही कई साथी नागरिकों के जीवन को बेहतर बना सकते हैं। राष्ट्रपति ने उन्हें वंचितों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सलाह दी कि वे अपने करियर के दौरान कुछ समय बाद पोस्टिंग वाले स्थानों का दौरा करें और अपने काम के दूरगामी परिणाम देखें।

राष्ट्रपति ने कहा कि अधिकारियों को सिविल सेवकों के अधिकारों और कर्तव्यों को ध्यान में रखना चाहिए। एक लोकसेवक के कर्तव्य उसकी ज़िम्मेदारियां हैं और उसके अधिकार उन कर्तव्यों को पूरा करने का साधन हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि उनके करियर की असली कहानी उनके काम से बनेगी, न कि सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने से। उनकी असली सामाजिक संपत्ति उनके अच्छे काम से तय होगी।

पीएम मोदी के विजन ने रक्षा, अंतरिक्ष और तकनीक के क्षेत्र में भारत को बनाया महारथी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर एक अहम आवाज बनकर उभरा है। रक्षा और अंतरिक्ष में उसकी शानदार सफलताओं ने दुनिया को आकृषित किया है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया जैसी पहलों के जरिए आत्मनिर्भरता, इनोवेशन और तकनीकी उन्नति पर सरकार के निरंतर ध्यान ने देश को अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचा दिया है। स्वदेशी रिसर्च की संस्कृति को बढ़ावा देने, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मजबूत करने, साइंस और टेक्नोलॉजी में रणनीतिक निवेश को प्राथमिकता देने के जरिए भारत अब वैश्विक क्षेत्र में केवल भागीदार नहीं बल्कि एक अग्रणी देश बन गया। यह सिर्फ तकनीकी उपलब्धियों की कहानी नहीं है; यह महत्वाकांक्षा, वैश्विक पहचान और विश्वगुरू बनने की दिशा में भारत की अपरिवर्तनीय यात्रा की कहानी है। भारत के रक्षा क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। देश अत्याधुनिक तकनीकों के जरिए विश्व महाशक्तियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने वाले क्लब में शामिल हो गया है। भारत ने रक्षा क्षेत्र में कई मील के पत्थर कायम किए हैं। हाल ही में भारत ने ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा

हथियार प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह फिक्स्ड-विंग और स्वार्म ड्रोन को निष्क्रिय करने में सक्षम है। इसके साथ ही भारत, अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा ऐसा देश बना, जिनके पास ऐसी उन्नत क्षमता है। 2025 में भारत हाइपरसोनिक मिसाइलों के लिए एक्टिव कूल्ड स्क्रैमजेट का परीक्षण करने वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा। डीआरडीओ ने नवंबर 2024 में देश की पहली लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया जो पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के हथियारों को 100 किलोमीटर से अधिक दूरी तक ले जा सकती है। लंबी दूरी की यह मिसाइल ध्वनि की गति से पांच गुना अधिक गति से उड़ती है। दुनिया के चुनिंदा देशों के पास ही ऐसी महत्वपूर्ण और उन्नत सैन्य तकनीकों की क्षमता है। 2024 में भारत मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक वाले देशों के क्लब में शामिल हो गया। एमआईआरवी तकनीक के साथ अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया जिससे भारत की एक ही मिसाइल पर कई परमाणु हथियार तैनात करने की क्षमता से लैस हो गया। भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेतृत्व में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने रिकॉर्ड-तोड़ मिशनों और अग्रणी तकनीकों से दुनिया हैरान कर दिया है।हाल ही में, भारत इसरो के स्पैडेक्स मिशन की बदौलत उपग्रह डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक का प्रदर्शन करने वाले चार देशों के विशिष्ट समूह में सफलतापूर्वक शामिल हो गया।